भारत सरकार

आउटकम बजट

2013-14

नागर विमानन मंत्रालय

विषय सूची

		पृष्ठ
	एक्जीक्यूटिव सारांश	1
अध्याय- 1	संगठन की संरचना	3-8
अध्याय- 2	परिव्यय और आउटकम लक्ष्य 2013-14	9
	1. नागर विमानन मंत्रालय	10-12
	2. एअर इंडिया लिमिटेड	13-14
	3. भारतीय विमानपतन प्राधिकरण	15-22
	4. पवन हंस लिमिटेड	23-24
	5. भारतीय होटल निगम	25
	6. नागर विमानन महानिदेशालय	26-29
	7. नागर विमानन सुरक्षा ब्युरो	30-32
	8. रेल सरंक्षा आयोग	33
	9. भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण	34
	10. एयरो क्लब ऑफ इंडिया	35
अध्याय 3	क. नीतिगत पहलें	36-41
	ख. जंडर बजट व्यवस्था	42
	ग. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण	42
	घ. पूर्वोत्तर क्षेत्र में योजनाएं	42-44
अध्याय–4	**पिछले कार्य निष्पादन की समीक्षा**	
	1. नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अब एअर इंडिया लिमिटेड)	45-51
	2. पवन हंस लिमिटेड	52-59
	3. भारतीय होटल निगम	60-61
	4. एयर इंडिया चार्टर्स लिमिटेड	62-63
	5. नागर विमानन महानिदेशालय	64-71
	6. नागर विमानन सुरक्षा ब्युरो	72-79
	7. एयरो क्लब ऑफ इंडिया	80-81
	8. नागर विमानन मंत्रालय	82-87
	9. रेल सरंक्षा आयोग	88-89
अध्याय - 5	**वित्तीय समीक्षा**	90-97
अध्याय - 6	**सांविधिक और स्वायत्त निकायों के कार्य निष्पादन की समीक्षा**	
	1. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	98-132
	2. इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी	133-135
	3. भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण	136-137

एक्जीक्यूटिव सारांश

- आउटकम बजट एक व्यापक और प्रयोक्ता-हितैषी फार्मेट में नागर विमानन मंत्रालय तथा इसके संगठन की नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों तथा कार्य-निष्पादन संबंधी सूचना प्रदान करता है। इस दस्तावेज का मुख्य प्रयोजन एक स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से मंत्रालय तथा इसके संगठनों के कार्यकलापों पर एक विस्तृत सूचना प्रदान करना है।
- **अध्याय-I** में मंत्रालय तथा इसके तीन सबद्ध कार्यालयों, तीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (इनके अनुषंगी निकायों सहित) तथा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन दो स्वायत संस्थाओं (उनके अनुषंगियों सहित) के संगठनात्मक ढांचे, चार्टर तथा कार्यकलापों की संवीक्षा की गई है। इन संगठनों द्वारा की गई कुछ बड़ी पहलों तथा कार्यान्वित कार्यक्रमों को भी इस अध्याय में शामिल किया गया है।
- **अध्याय-II** में 2013-14 के दौरान प्रत्येक संगठन के लिये योजना कार्यक्रमों तथा स्कीमों के उददेश्यों, परिव्ययों, आउटपुट तथा संभावित आउटकम को विस्तार से बताया गया है। जहां गैर-योजना शीर्षो को भी विवरण में शामिल किया गया है, वहीं गैर-योजना के अधीन व्यय प्राथमिक रूप से सामान्य प्रशासनिक/संस्थापना कार्यकलापों के लिए होता है। 2013-14 के लिए इस सेक्टर के संबंध में कुल योजना परिव्यय 8865.40 करोड़ रूपये है जिसमें से 5200.00 करोड़ रूपये की बजटीय सहायता है।
- **अध्याय-III** में हाल ही में नागर विमानन सेक्टर में हुई संवृद्धि तथा विकास के लिये सरकार द्वारा की गई बड़ी नीतिगत पहलों पर प्रकाश डाला गया है। इस अध्याय में जेंडर बजटिंग, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण तथा पूर्वोतर क्षेत्र के लिए स्कीमों पर संक्षिप्त समीक्षाएं (राइट-अप) भी शामिल की गई हैं।
- **अध्याय-IV** में 2011-12 तथा 2012-13 के दौरान विभिन्न स्कीमों के अधीन संगठनों (सांविधिक तथा स्वायत संगठनों को छोड़कर) के कार्य-निष्पादन की समीक्षा शामिल की गई है।
- **अध्याय-V** में परिव्यय के साथ-साथ व्यय में समग्र रूझान की वित्तीय समीक्षा प्रदान की गई है।
- **अध्याय-VI** में वर्ष 2011-12 तथा 2012-13 के दौरान विभिन्न स्कीमों के तहत सांविधिक तथा स्वायत निकायों के कार्य-निष्पादन की समीक्षा की गई है।
- संगठनों के योजनागत कार्यक्रमों तथा स्कीमों की मंत्रालय में विभिन्न स्तरों पर आवधिक समीक्षा की जाती है। क्रियान्वयन की प्रगति की त्रैमासिक समीक्षा अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार स्तर पर की जाती है इसके अतिरिक्त, वास्तविक तथा वित्तीय कार्य-निष्पादनों की अर्धवार्षिक निष्पादन समीक्षाएं योजना आयोग द्वारा भी की जाती हैं।

2--349 मिनि. ऑफ सिविल एविएशन/2012

- जनता को सूचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंत्रालय तथा उसके अधीन सभी संगठनों की अपनी-अपनी वेबसाइट है, जिनमें नीति दस्तावेज, अधिनियम व नियम, प्रकाशन योजनाओं का विवरण, मासिक आधार पर व्यय की प्रगति, निविदा सूचनाएं, रोजगार के अवसर, घोषणाएं, सूचना अधिकारी अधिनियम से संबंधित प्रासंगिक सूचना, संपर्क के पते आदि निहित हैं। मंत्रालय की वेबसाइट http://civilaviation.nic.in पर सुलभ है।

अध्याय-1

संगठन की सरंचना

1 **नागर विमानन मंत्रालय**

1.1.1. नागर विमानन मंत्रालय, नागर विमानन सैक्टर में राष्ट्रीय नीतियों तथा कार्यक्रमों के निरूपण तथा कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी है। मंत्रालय नए एयरोड्रॉमों की स्थापना, वर्तमान एयरोड्रॉमों के अनुरक्षण तथा स्तरोन्न्यन, विमान द्वारा यातायात के वहन के विनियमन तथा नागर विमानन सरंक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने सहित देश में नागर विमानन के विकास तथा विनियमन पर निगरानी रखता है।

1.1.2 नागर विमानन मंत्रालय के अधीन दो पृथक संगठनों, अर्थात नागर विमानन महानिदेशालय तथा नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो, द्वारा नागर विमानन सेक्टर की मानिटरिंग तथा विनियमन किया जाता है। रेल सरंक्षा आयोग, रेल यात्रा तथा प्रचालनों में सुरक्षा से संबंधित मामलों को देखता है तथा भारतीय रेल अधिनियम तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट कुछ सांविधिक कार्यकलापों का निर्वाह करता है। नागर विमानन मंत्रालय में निम्नलिखित सार्वजनिक सैक्टर उपक्रम/कंपनियों/ स्वायत्त निकाय है जो इसके प्रशासनिक नियंत्रण में है :-

(i) एअर इंडिया लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां अर्थात भारतीय होटल निगम लिमिटेड, एयर इंडिया चार्टर लिमिटेड, एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, एयरलाइन एलाइड सर्विसेज लिमिटेड तथा वायूदूत लिमिटेड।

(ii) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

(iii) पवनहंस हेलीकाप्टर्स लिमिटेड

(iv) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी

(v) भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण

1.2 **नागर विमानन महानिदेशालय**

1.2.1 नागर विमानन महानिदेशालय, नागर विमानन के क्षेत्र में प्रधान विनियामक निकाय है। यह सिविल विमान विनियमों के निरूपण तथा अनुपालन के माध्यम से सुरक्षा सहित कुशल एवं व्यवहारिक विमान यातायात के संर्वधन एवं विकास के लिए उत्तरदायी है। नागर विमानन महानिदेशालय संयुक्त राष्ट्र संघ की एक विशिष्ट एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन इकाओं के साथ सभी विनियामक कार्यों में भी समन्वय करती है। नागर विमानन महानिदेशालय एक सांविधिक प्राधिकरण है जो व्यक्तिगत लाईसेंसिंग से लेकर खतरनाक सामान के पारवहन तक नागर विमानन के सुरक्षित और व्यस्थित विकास को नियंत्रित करने वाले शिकागो अभिसमय, 1944 के सभी अनुबंधों (अनुबंध 17 को

छोड़कर अनुबंध 1-18 तक) में उल्लिखित मानकों तथा संस्तुत पद्धतियों (एसएआरपी) के कार्यान्वयन तथा मॉनिटरिंग के लिये उत्तरदायी है।

1.2.2 नागर विमानन महानिदेशालय नागर विमानन मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है। इसका मुख्यालय दिल्ली में है और इसके प्रमुख महानिदेशक हैं। इसके चार क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई, कोलकाता दिल्ली तथा चेन्नई में है तथा दस उप-क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद, तिरूवनंतपुरम, भोपाल, बंगलौर, भुवनेश्वर, पटना, लखनऊ, गुवाहाटी, कानपुर तथा पटियाला में हैं। नागर विमानन महानिदेशालय का एक स्थायी प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओं) मॉन्ट्रियल कनाडा में कार्यरत है।

1.2.3 नागर विमानन महानिदेशालय उडान कर्मियों, विमान इंजीनियरों और सिविल विमान क्षेत्रों को लाइसेंस देने, विमान प्रचालकों को प्रमाणपत्र जारी करने, घटनाओं और छोटी-मोटी दुर्घटनाओं की जांच करना और सुरक्षा उपाओं का कार्यान्वयन, विमानन संबंधी कानून बनाना और नागर विमानन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को प्रारंभ करने के लिये उत्तरादायी है।

1.3 <u>भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण</u>

1.3.1 भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) देश के दूरस्थ और अगल-थलग पड़े क्षेत्रों समेत सम्पूर्ण देश भर में हवाई अड्डा अवसरंचना विकसित कर रहा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 1 अप्रैल, 1995 को भारतीय अंतरराष्ट्रीय विमान प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का विलय किए जाने के बाद अस्तित्व में आया। 124 हवाईअडडों का प्रबंध करता है जिनमें 12 अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे, 8 सीमाशुल्क हवाईअड्डे, 81 घरेलू हवाईअड्डे और रक्षा एयरफील्डों पर 23 सिविल एन्कलेव शामिल हैं। एएआई विमान प्रचालनों की संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सभी हवाईअड्डों और अन्य लोकेशनों पर भू-संस्थापनाओं के साथ संपूर्ण भारतीय हवाई क्षेत्र और साथ लगे सामुद्रिक क्षेत्रों के ऊपर हवाई यातायात प्रबंधन सेवाएं (एटीएमएस) भी मुहैया कराता है। एएआई मिनी रत्न श्रेणी-I का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है।

1.3.2 प्राधिकरण के प्रमुख कार्यक्लापों में अन्य कार्यों के साथ-साथ यात्री टर्मिनलों का निर्माण, सुधार कार्य और प्रबंधन, यात्री सुविधाओं और संबंधित सुख-सुविधाओं का प्रावधान, कार्गो टर्मिनलों का विकास और प्रबंधन, रनवे, समानांतर टेक्सीवे, एप्रन आदि समेत एप्रन अवसरंचना का विकास और अनुरक्षण, दिक्चलन और सर्विलैंस/जिसमें डोपलर वैरी हाई फ्रीक्वेंसी ओमनी डायरेक्शनल रेंज (डीवीओआर)/दूरी मापक उपस्कर (डीएमई), उपस्कर अवतरण प्रणाली (आईएलएस), विमान यातायात नियंत्रक (एटीसी) रडारों, विजुअल एडस आदि का प्रावधान भी शामिल है, हवाई यातायात सेवाओं का प्रावधान शामिल है, जिससे देश में विमानों, यात्रियों तथा कार्गो का सुरक्षित और संरक्षित प्रचालन सुनिश्चित हो सके।

1.4 पवनहंस लिमिटेड (पीएचएल)

1.4.1 पीएचएल की प्रदत्त पूंजी 245.616 करोड़ रूपये है। इसमें से 51% (125.266 करोड़ रूपये) का अंशदान सरकार का है तथा 49% (120.35 करोड़ रूपये) का योगदान ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) का है। पवनहंस लिमिटेड अपतटीय प्रचालनों के लिये सेवायें चलाता है जिनसे दुर्गम तथा पहाड़ी क्षेत्रों तथा पर्यटक सेवाओं को जोडा जाता है।

1.4.2 कम्पनी को एसओ 9001: 2000 मानक के तहत इसकी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणली आई एसओ 14001 और 18001 प्रमाणन में स्तोरोन्नत किया जा चुका है, जिसे एकीकृत प्रबंध प्रणाली के रूप में जाना जाता है और इसके तहत पर्यावरण और संरक्षा संबंधी पहलू आते है।

1.5 एअर इंडिया लिमिटेड

1.5.1 नैशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अब एअर इंडिया लिमिटेड) का गठन करके पूर्ववर्ती इंडियन एयरलाइंस लिमिटेड और एयर इंडिया लिमिटेड नामक दोनों सार्वजनिक कंपनियों का इस नई कम्पनी मे विलय कर दिया गया।

1.5.2 भारत सरकार द्वारा विलय की स्कीम के अनुमोदन के बाद, निगमित कार्य मंत्रालय ने अपने दिनांक 22 अगस्त, 2007 के आदेश से अब एअर इंडिया लिमिटेड और इंडिया एयरलाइंस लिमिटेड का 1 अप्रैल, 2007 से नैशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अब एअर इंडिया लिमिटेड) के साथ समामेलन करने की योजना का अनुमोदन कर दिया।

1.5.3 इंडियन एयरलाइंस लिमिटेड और एअर इंडिया लिमिटेड का नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया (अब एअर इंडिया लिमिटेड) में विलय इसलिये किया गया ताकि नई कंपनी को और अधिक संवेग प्राप्त कर सके, चूंकि दोनों कंपनियों की संयुक्त क्षमता से अनेक साहचर्य लाभ होगें।

1.5.4 24 नवंबर, 2010 से "नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया" का नाम बदलकर "एअर इंडिया लिमिटेड" कर दिया गया ।

1.5.5 कंपनी की अपने स्वामित्व वाली छह कंपनियां हैं अर्थात भारतीय होटल निगम लिमिटेड, एअर इंडिया चार्टर्स लिमिटेड, एअर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, एअर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, एयरलाइंस एलाइड सर्विसेज लिमिटेड और वायुदूत लिमिटेड। उड़ानगत खान-पान सेवायें प्रदान करने तथा पर्यटकों/मार्गस्थ यात्रियों के लिये हवाई अडडों की परिधि में होटलों को खोलने के लिये 1971 मे भारतीय होटल निगम की स्थापना की गई थी। एअर इंडिया चार्टर्स लिमिटेड ने अप्रैल, 2005 से अपनी कम लागत वाली एयरलाइन अर्थात एअर इंडिया एक्सप्रैस आरंभ की जो अत्यंत प्रतिस्पर्द्धी किराये पर दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य-पूर्व के लिये उडानें प्रचालित करती है। ग्राउंड हैंडलिंग और अन्य

संबंधित सेवाओं के लिये एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड का गठन किया गया था। एयरलाइनों को इंजीनियरिंग सेवाएं मुहैया करने के उद्देश्य से इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड का गठन किया गया है। पूर्ववर्ती आईएएल के छोटे/पर्यटक सेक्टरों पर प्रचालन के लिये एयरलाइन एलाइड सर्विसेज लिमिटेड का गठन किया गया था ।

1.5.6 एअर इंडिया लिमिटेड की प्राधिकृत और प्रदत्त पूंजी क्रमश 11000.00 करोड़ रुपये और 3345.00 करोड़ रुपये है ।

1.6 नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस)

1.6.1 नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बी सी ए एस) भारत का नामित विनियामक और निगरानी प्राधिकरण है, जिसे देश में सभी सिविल हवाई अडडों पर विमानन सुरक्षा के निर्धारित मानकों के अनुरक्षण उत्तरदायित्व सौंपा गया है। वर्ष 1978 में प्रारंभिक तौर पर ब्यूरो की स्थापना नागर विमानन महानिदेशालय के एक निदेशालय के रूप मे की गई थी तथा इसे 1.4.1987 से एक स्वतंत्र संगठन बना दिया गया था। ब्यूरो, राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा कायर्क्रम, एवीएसईसी के अधीन राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय दायित्वों तथा विभिन्न अभिसमयों तथा आयटा, इकाओं, आईसीपीओ इत्यादि की संधियों, जिनका भारत एक हस्ताक्षरकर्ता पक्ष है, के अनुपालन में विमानन सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करता है।

1.6.2 ब्यूरो का प्रमुख, सुरक्षा आयुक्त (नागर विमानन) होता है, जो राष्ट्रीय ए वी एस ई सी कार्यक्रम को तैयार करने तथा उसके कार्यान्वयन के लिये इकाओ के शिकागो अभिसमय के अनुबंध-17 के अनुपालन में भारत में 'उपयुक्त प्राधिकारी' के रूप में भी नामित है।

1.6.3 ब्यूरो के दिल्ली, मुबई, कोलकाता और चेन्नई में चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं। यह समय-समय पर राज्य/संघ राज्य पुलिस, सीआईएसएफ, हवाईअडडा प्राधिकारियों तथा विमान कंपनियों को अपहरण, आतंकवादी गतिवधियों और विमानन में गैर-कानूनी हस्तक्षेप को रोकने के लिये उठाये जाने वाले विभिन्न कदमों के बारे आदेश, अनुदेश देता है तथा मार्गदर्शन करता है।

1.6.4 नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो धमकियों से निपटने के लिये तथा देश में विमानन सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार, आयटा, आईसीपीओ इंटरपोल तथा इकाओ जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियो के साथ निकट संपर्क बनाए रखता है।

1.7 रेल संरक्षा आयोग

1.7.1 रेल संरक्षा आयोग का संबंध रेल यात्रा और प्रचालन में सुरक्षा से संबंधित मामलों से है और यह भारतीय रेल अधिनियम, 1989 और उसके अधीन बनाये गये नियमों में विनिर्दिष्ट सांविधिक कार्य

करता है। आयोग,जो कि पहले रेलवे बोर्ड के अधीन निरीक्षणालय के रूप में कार्य कर रहा था, को रेलवे प्रशासन के प्राधिकार से इसकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिये रेलवे बोर्ड से मई 1941 में पृथक कर दिया गया जिससे इसे रेलवे के प्रशासनिक प्राधिकार से स्वतंत्र रखना सुनिश्चित किया जा सके। यह संगठन मई, 1967 में नागर विमानन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गया। आयोग का मुख्यालय लखनऊ में है।

1.7.2 जहां रेल मंत्रालय में रेल बोर्ड संरक्षा नियंत्रण प्राधिकारी है और वह भारतीय रेल के लिये सुरक्षा मानकों के निर्धारण और उनको लागू करने के लिये उत्तरादायी है, इस आयोग का मुख्य कार्य अपने विनियम/निरीक्षण/ऑडिट और जांच/सलाह सबंधी कार्यो के माध्यम से रेल प्रशासकों को निदेश देना, सलाह देना और सावधान करना है तथा इस प्रकार से उन्हें यह सुनिश्चित करने में सहायता देना है कि रेल निर्माण और रेल प्रचालन में सुरक्षा की उपयुक्तता संबंधी सभी उपाय कर दिए गए हैं।

1.7.3 आयोग का प्रमुख मुख्य रेल सरंक्षा आयुक्त है, जो आयोग से संबंधित सभी मामलों पर आयोग भारत सरकार का प्रधान तकनीकी सलाहकार भी है ।

1.8 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उडान अकादमी (इग्नुआ)

1.8.1 देश में उड़ान प्रशिक्षण संबंधी सुविधाओं में सुधार करने और उन्हें मानकीकृत करने के लिये, सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में स्थित फुरसतगंज में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की स्थापना 1986 में की गई है। दिसंबर, 2012 तक अकादमी ने 816 वाणिज्यिक पायलटों तथा मल्टी इंजन इंडोर्समेंट, किंग एयर सिमुलेटर तथा रिफ्रेशर आदि के लिये 656 पायलटों को प्रशिक्षण दिया है। वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस और वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर लाइसेंस हेतु प्रशिक्षण के लिये यह एक पूर्ण-सुसज्जित स्कूल है। इसका प्रबंधन एक शासी परिषद् द्वारा किया जाता है।

1.8.2 प्रारंभ में अकादमी वर्ष में 40 पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए स्थापित की गई थी लेकिन तेजी से बढते हुए विमानन उद्योग में जिसके परिणामस्वरूप प्रशिक्षित और अर्हता प्राप्त पायलटों की जबरदस्त मांग हुई। इसलिये 100 पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिये अतिरिक्त सुविधाओं का उन्नयन और सृजन करके इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की गतिविधियो में विस्तार करने का निर्णय लिया।

1.8.3 इस क्षेत्र में विशेषज्ञों और व्यवसायिक एजेंसियों से प्रबंध करार करके प्रशिक्षुओं की संख्या और प्रशिक्षण का सुधार करने के लिये यह निर्णय लिया गया है कि प्रबंध का व्यवसायीकरण किया जाये। तदनुसार सीएई उड़ान प्रशिक्षण (भारत) प्रा.लि; और सी.ए.ई इंक कनाडा की पूर्ण-स्वामित्व वाली कंपनी के साथ 7.2.2008 को इग्नुआ की विधिक सत्ता को प्रभावित किये बिना प्रारंभ के 10 वर्ष के लिये प्रबंध करार पर हस्ताक्षर किये गये हैं। प्रबंध संविदा भागीदार ने 1.3.2008 से इसका प्रशासन कायर संभाल लिया।

1.9 भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण

विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ऐरा) की स्थापना 12 मई 2009 को की गई थी। प्राधिकरण में अध्यक्ष और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दो सदस्य हैं। अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति पहले ही कर ली गई है तथा अध्यक्ष ने अपना कार्य भार संभाल लिया है। ऐरा के कार्यकलापों में वैमानिकी सेवाओं तथा उपयोग शुल्क के लिये टैरिफ ढांचे का निर्धारण, समीक्षा और अनुमोदन करना है जिसे सेवा की गुणवत्ता लगातार तथा विश्वसनीयता के संबंध में निर्धारित कार्यनिष्पादन के संबंध मे हवाई अडडा विकास और निगरानी के लिये सेवा प्रदापक द्वारा लगाया जा सकता है। प्राधिकरण ने स्टेककहोल्डरों के साथ सम्पर्क किया है तथा अपने कार्यकलापों के निर्वाह के लिये प्रक्रिया और कार्यविधि तैयार करने की प्रक्रिया में है। जनवरी से दिसंबर, 2012 तक ऐरा हवाईअड्डों तथा वैमानिक सेवाओं के विनियमन को लेकर अपने दृष्टिकोण के आधार पर 42 परामर्श-पत्र और 37 आदेश जारी कर चुका है।

1.10 एयरो क्लब ऑफ इंडिया

1.10.1 सन 1927 में स्थापित एयरो क्लब ऑफ इंडिया (एीसीआई) को कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन पंजीकृत किया गया था। एअरो क्लब ऑफ इंडिया के लक्ष्य हैं: भारत में वैमानिकी और विमानन के अध्यन और अभ्यास को प्रोत्साहित, संरक्षित और विकसित करना और वैमानिकी से संबंधित एक सूचना और परामर्श केन्द्र मुहैया कराना यह भारत में एअरों स्पोर्ट्स से संबंधित सभी प्रतिस्पर्धाएं, स्पोर्टिंग इवैंट्स आयोजित करने के लिए एक अखिल भारतीय प्राधिकरण भी मुहैया कराता है। अन्य एयरोक्लब ऑफ इंडिया के 22 सदस्य उड़ान क्लब हैं, जो मूल रूप से गैर-लाभ और गैर-वाणिज्यिक संगठन हैं और विमान चालकों तथा विमान संधारण इंजीनियरों को मूल प्रशिक्षण द्रदान करके का कार्य प्रदान करते हैं। एयरो क्लब ऑफ इंडिया अपने 22 सहायक सदस्यों के माध्यम से देश में पैरासेलिंग, हॉट एयर बैलूनिंग स्काईडाविंग, ग्लाइडर फ्लाइंग, एयरोमॉडलिंग आदि जैसे एयरोस्पोर्ट्स के प्रोत्साहन में भी लगा हुआ है।

1.10.2 एयरो क्लब ऑफ इंडिया फैडरशन एयरोनाटिक्स इंटरनेशनल (एफएएआई) का सदस्य प्रतिनिधि है जिनका मुख्यालय स्विटजरलैंड में है। एफ.ए.आई वैमानिकी और अंतरिक्षयानिकी दोनों के लिये स्पोर्ट एविएशन से संबंधित सभी गतिविधियों और रिकार्ड को प्रोत्साहित और नियंत्रित करने के लिये नियम बनाने और लागू करने के लिये प्राधिकृत विश्व का एक मात्र अंतरराष्ट्रीय खेलकूद निकाय है।

1.10.3 एयरो क्लब ऑफ इंडिया को देश में हवाई क्रीडाओ के विकास तथा उड़ान प्रशिक्षण देने के लिये तथा सदस्य उड़ान क्लबों को सिगंल इंजिन और मल्टी इंजिन दोनो प्रकार के प्रशिक्षिण विमान तथा सिम्यूलेटर प्रदान करने के लिये भी सरकार द्वारा सहायता अनुदान दिया जा रहा है।

अध्याय-।।

परिव्यय और आउटकम लक्ष्य 2013-14

वर्ष 2013-14 के लिए नागर विमानन मंत्रालय के संबंध में अनुमोदित वार्षिक योजना परिव्यय 8865.40 करोड़ रूपए है जिसमें 5200.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता भी सम्मिलित है। अनुमोदित परिव्यय तथा इसके वित्तीय ढ़ांचे के संगठनवार ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :-

(करोड़ रूपए में)

वार्षिक योजना 2013-14 (ब.अ.)				
क्रम सं0	**संगठन का नाम**	**बजटीय सहायता**	**आंतरिक और बाहरी बजरीय ससाधन**	**कुल**
1.	नागर विमानन मंत्रालय (सचिवालय)	105.00	-	105.00
2.	एअर इंडिया लिमिटेड	5000.00	1318.60	6318.60
3.	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	42.00	2260.00	2302.00
4.	पवन हंस लिमिटेड	-	86.80	86.80
5.	होटल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	5.00	-	5.00
6.	नागर विमानन महानिदेशालय	30.00	-	30.00
7.	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	10.00	-	10.00
8.	एयरो क्लब ऑफ इंडिया	8.00	-	8.00
	कुल	**5200.00**	**3665.40**	**8865.40**

2. गैर-योजना पक्ष पर, वर्ष 2013-14 के लिए नागर विमानन मंत्रालय का अनुमोदित परिव्यय 682.22 करोड़ रूपए है जिसे मंत्रालय के अधीन विभिन्न संगठनों के व्यय से संबंधित स्थापना के साथ-साथ हज चार्टर उड़ानों के प्रचालन के लिए सब्सिडी भुगतान के लिए निर्धारित किया गया है।

3. उपरोक्त संगठनों के वर्ष 2013-14 के आउटकम बजट के साथ-साथ नागर विमानन मंत्रालय (सचिवालय), रेल संरक्षा आयोग और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण के आउटकम बजट को अनुबंध (विवरण-।) में बताया गया है।

विवरण-I

वर्ष 2013-14 के लिए परिव्यय और आउटकम/लक्ष्य का विवरण

नागर विमानन मंत्रालय/सचिवालय

(करोड़ रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक/आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	अंतरराष्ट्रीय प्रचालनों तथा विमानन अध्ययन में भारतीय वाहकों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना।	एयरलाइनों तथा हवाईअड्डों के समक्ष धन संबंधी दिक्कतों को देखते हुए भारत में नामित एयरलाइनों के लिए उपलब्ध क्षमता पात्रताओं का इष्टतम उपयोग	--	2.50	--	विमान संपर्कता का उच्च स्तर	भारत में नामित एयरलाइनों के लिए उपलब्ध क्षमता पात्रताओं का ईष्टतम उपयोग	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	
2.	विमानन क्षेत्र में आईटी उपकरणों का प्रयोग तथा क्षमता निर्माण	नागर विमानन के क्षेत्र में प्रभावपूर्ण प्रबंधन एवं नियंत्रण को बढ़ाना	--	3.00	--	प्रबंधकीय स्तर के अधिकारियों की उन्नत विशेषज्ञता एवं कौशल	नागर विमानन के क्षेत्र में संवर्धित प्रभावपूर्ण प्रबंधन एवं नियंत्रण	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	
3.	प्रचार एवं उपभोक्ता जागरूकता	विमानन क्षेत्र के संबंध में जनसाधारण को शिक्षित करना एवं उनकी समस्याओं का निवारण करना	--	1.50	--	सशक्त उपभोक्ता	नागर विमानन क्षेत्र पर जन दृष्टिकोण को व्यापक करना	2013-14 से आगे जारी रहने की संभावना है।	

4.	विमानन सेक्टर से संबंधित सम्मेलन तथा संगोष्ठियां	भारत में नागर विमानन सेक्टर को विकसित करना	--	1.50	--	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/ संगोष्ठियां	भारत में नागर विमानन सेक्टर का विकास	2013-14 से आगे जारी रहने की संभावना है।	
5	राष्ट्रीय विमानन विश्वविधालय की स्थापना	नागर विमानन सेक्टर में तकनीक और व्यावसायिक दृष्टि से योग्यताप्राप्त जनशक्ति का पूल सृजित करना	-	80.00	-	तकनीक और व्यावसायिक दृष्टि से योग्यताप्राप्त जनशक्ति	तकनीक और व्यावसायिक दृष्टि से योग्यताप्राप्त जनशक्ति का पूल	2013-14 से आगे जारी रहने की संभावना है।	
6	दूरस्थ और अगम्य क्षेत्रों के लिए अनवार्य हवाई सेवाएं	गैर-किफायती किन्तु अनिवार्य भागों पर हवाई परिवहन सेवाओं के लिए सुस्पष्ट अनिवार्य हवाई सेवा निधि (ईएएसएफ) की स्थापना	-	15.00	-	अनिवार्य हवाई सेवा निधि (ईएएसएफ)	गैर-किफायती किन्तु अनिवार्य भागों पर हवाई परिवहन सेवाओं की उपलब्धता	12वीं योजना अवधि से आगे जारी रहने की संभावना है।	
7	शासन (गवेर्नेंस) में नव प्रयोग	सरंक्षा, सुरक्षा, पर्यावरण, भूमि अधिग्रहण आदि समेत नागर विमानन के सभी क्षेत्रों में प्रभावोत्पादकता सुधारनेमें स्वैच्छिक सेक्टर की भागीदारी	-	0.10	-	नागर विमानन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वैच्छिक सेक्टर की व्यापक भागीदारी	नागर विमानन के सभी क्षेत्रों में प्रभावोत्पादकता के लिहाज से भिन्नता	कार्यबल की रिपोर्ट को 2013-14 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	
8	एयरोस्पेस उद्योग का विकास	भारत में स्वदेशी सिविल विमानों और अन्य औद्योगिक उत्पादों की निर्माण क्षमता का विकास	-	0.10	-	स्वेदेशी सिविल विमान और अन्य औद्योगिक उत्पाद	वैमनिकी उत्पादों का स्वदेशीकरण और निर्माण	एयरोनौटिक्स/ प्रमोशन काउंसिल की रिपोर्ट को 2013-14 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	

9	नागर विमानन संग्रहालय की स्थापना	भारत में विमानन के विकास को पुरालेखबद्ध करना, वैमानिकों उपस्करों का संग्रहण, संरक्षण और प्रदर्शन करना और विमानन तथा स्पेसफ्लाइट विज्ञानों के अध्ययन के लिए शैक्षणिक सामग्री मुहैया कराना	-	0.10	-	नागर विमानन संग्रहालय	भारत में विमानन के विकास को पुरालेखबद्ध करना, वैमानिकों उपस्करों का संग्रहण, संरक्षण और प्रदर्शन करना और विमानन तथा स्पेसफ्लाइट विज्ञानों के अध्ययन के लिए शैक्षणिक सामग्री मुहैया कराना	स्थाई समिति की रिपोर्ट को 2013-14 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	
10	विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो	विमान दुर्घटनाओं और विमानों की कतिपय घटनाओं का अन्वेषण	-	1.20	-	विमान दुर्घटनाओं और विमानों की कतिपय घटनाओं का अन्वेषण	विमान दुर्घटनाओं और विमानों की कतिपय घटनाओं का अन्वेषण	12वीं योजना अवधि से आगे जारी रहने की संभावना है।	
11.	स्थापना	मंत्रालय का सुचारू कार्यकलाप सुनिश्चित करना	18.80	--	--	स्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स की गणना नहीं की जा सकती	--	2013-14 के दौरान	
12.	हज चार्टर उड़ानों के प्रचालन के लिए सब्सिडी का भुगतान	हज चार्टर उड़ानों का प्रचालन	589.50	--	--	हज तीर्थयात्रियों के लिए लगभग 1,20,000 हज यात्रियों को ले जाया जाएगा।	हज तीर्थ यात्रियों को सब्सिडाइज्ड किरायों पर ले जाना।	2013-14 के दौरान	

विवरण-II

एअर इंडिया लिमिटेड

(करोड़ रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
क.	विमान योजनाएं								
	नए विमान परियोजना विमान विनिर्माता को भुगतान								
(i)	विमान विनिर्माता को अग्रिम भुगतान	नए विमानों के अधिग्रहण के माध्यम से क्षमता संवर्धन और पुराने विमानों को प्रतिस्थापित करना।	--	--	527.61	31.03.2014 तक विमान विनिर्माताओं को अग्रिम भुगतानों को किया जाएगा।	नए तथा आधुनिक विमान के अधिग्रहण के माध्यम से बेड़ा तथा क्षमता संवर्धन जो उच्च प्रतिस्पर्धी बाजार में सेवाओं का मूल्य संवर्धन करेगा।	मार्च, 2014 तक विमान विनिर्माताओं को किए जाने वाले भुगतान का प्रतिनिधित्व करता है।	
(ii)	नए विमानों के लिए सहायक आधार संरचना तथा अतिरिक्त इंजनों/कार्यशालाओं	विमान बेड़े में जोड़े जाने वाले नए विमानों के लिए उपकरणों की खरीद	--	--	313.95	नए विमानों के लिए अतिरिक्त आधार संरचना की स्थापना	नए विमानों के सुचारू प्रचालन के लिए अतिरिक्त आधार संरचना की स्थापना।	2013-14 के दौरान पूरा होने की संभावना है।	

	इत्यादि के लिए भुगतान								
(iii)	विमान विनिर्माताओं को भुगतानों पर ब्याज का पूंजीकरण	क्षमता संवर्धन तथा बेड़े के पुराने विमानों को बदलना।	--	--	106.04	प्रकटन शुल्क, विधि शुल्क, ऋण प्राप्त करने के लिए व्यवस्था शुल्क सहित विमान विनिर्माताओं को अग्रिम भुगतान पर ब्याज का पूंजीकरण प्रतिनिधित्व।	क्षमता का संवर्धन	विमान विनिर्माताओं को अग्रिम भुगतान पर ब्याज के पूंजीकरण का प्रतिनिधित्व।	
ख.	अन्य पूंजीगत व्यय								
(i)	भवन परियोजनाएं, निगमित कम्प्यूटरीकरण, बुकिंग कार्यालय, वाहन, जीएसई वर्कशॉप, उपस्कर, संयंत्र एवं मशीनरी तथा विविध परिसंपत्तियां आदि	नए विमानों के लिए सहायक उपकरणों की खरीद	--	--	371.00	ग्राउंड हैंडलिंग उपकरण, इंजीनियरिंग कार्यशाला उपकरण, सुरक्षा उपकरण, कम्प्यूटर, कार्यालय उपकरणों इत्यादि जैसे उपकरणों की खरीद।	सुचारू विमान प्रचालनों के लिए सहायक आधार संरचना का सृजन।	2013-14 के दौरान पूरा होने की संभावना है।	
(ii)	इक्विटी	--	--	5000.00	--	--	--	--	

परिव्यय तथा आउटकम विवरण/2013-14 के लक्ष्य

विवरण- III

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिन कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
	कोलकाता								
1	एन एस सी बी आई, हवाई अड्डा कोलकाता में आइसोलेशन बे का निर्माण	हवाई अड्डा अवसंरचना का विकास	-	-	15.00	30%	यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु ।	मार्च, 2015	
2	एन एस सी बी आई, हवाई अड्डा कोलकाता पर वर्तमान मुख्य फायर स्टेशन को अन्यत्र ले जाना	-वही-	-	-	10.00	80%	यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु ।	नवम्बर, 2014	
	उत्तरी क्षेत्र								
	खजुराहो								
1	नए टर्मिनल भवन परिसर का निर्माण	-वही-	-	-	18.00	100%	अतिरिक्त टर्मिनल क्षमता बढेगी व 100 अंतरराष्ट्रीय यात्री (50 आगत व 50 प्रस्थानगत) तथा 500 (250 आगत व 250 प्रस्थानगत) एक समय पर संभाले जा सकेंगे	जून, 2013	
	जयपुर								
1	रनवे का विस्तार व वर्तमान रनवे का सुदृढीकरण तथा संगत कार्य	-वही-	-	-	15.00	50%	बड़े आकार के विमानों के प्रचालन हेतु सुविधाजनक बनाना	अप्रैल, 2015	
	जम्मू								
1	टर्मिनल भवन का विस्तार व रूपान्तरण	-वही-	-	-	1.70	50%	नया टर्मिनल भवन एक समय पर 720 यात्री (360 आगत 360 प्रस्थानगत) यात्री संभाल सकेगा	अप्रैल, 2015	
	मोहाली								
1	नए अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर के चरण-1 का निर्माण	-वही-	-	-	47.00	60%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन तथा यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	फरवरी, 2015	
2	चंडीगढ़ अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एप्रन तथा लिंक टैक्सी ट्रैक्स का निर्माण	-वही-	-	-	7.00	60%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन तथा यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	दिसम्बर,2014	

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बज्ट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
	दिल्ली								
1	भारतीय नागर विमानन अकादमी का निर्माण	विमानन उद्योग को प्रशिक्षण सुविधाएं	-	-	0.10	20%	विमानन उद्योग को प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ कराना	मार्च, 2015	
	पूर्वोत्तर क्षेत्र								
	पेकयांग								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण (रनवे कार्य)	हवाई अड्डा अवसंरचना का विकास	-	32.00	7.50	90%	नया ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा एटीआर-72 प्रकार के विमान प्रचालन हेतु उपयुक्त होगा तथा सिक्किम को हवाई मार्ग से जोड़ेगा ।	जून, 2014	
	इटानगर								
	नए हवाई अड्डे का निर्माण		-	-	0.10	2%	अरूणाचल प्रदेश को हवाई मार्ग से जोड़ना	अनुमोदन के 5 वर्ष बाद	
	तेजू								
1.	तेजू हवाई अड्डे का विकास तथा प्रचालनयोग्य बनाना ।	-वही-	-	-	20.00	60%	यात्री संभालने की क्षमता का उन्नयन 200 यात्री (100 आगत व 100 प्रस्थानगत) तथा ए टी आर 72 प्रकार के विमानों के प्रचालन योग्य बनाना ।	जून, 2014	
	जोरहाट								
1.	जोरहाट हवाई अड्डे पर एप्रन का विस्तार	-वही-	-	-	1.00	100%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन तथा यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	नवम्बर, 2013	
	गुवाहाटी								
1.	हैंगर का निर्माण	-वही-	-	-	4.00	90%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन तथा यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	अगस्त, 2014	

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (जारी)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
	पूर्वी क्षेत्र								
1	**पोर्ट ब्लेयर**								
	नए एप्रन सहित नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही-	-	-	0.10	2%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन तथा यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	दिसम्बर, 2018	
	रांची								
1	रांची हवाई अड्डे पर कंट्रोल टावर का निर्माण	-वही-	-	-	4.00	95%	बेहतर ए टी सी सुविधाएं उपलब्ध कराना	अप्रैल 2014	
	भुवनेश्वर								
1	भा. वि. प्रा. व डी जी सी ए के लिए एकीकृत कार्यालय परिसर का निर्माण	-वही-	-	-	5.00	50%	एएआई व डी जी सी ए कार्मिकों के लिए आधुनिक इन्फ्रा सुविधाएं बनाना ।	जून, 2014	
	पश्चिमी क्षेत्र								
	अहमदाबाद								
1	भा. वि. प्रा. व बी सी ए एस अधिकारियों के लिए एकीकृत कार्यालय परिसर का निर्माण	-वही-	-	-	1.50	45%	एएआई व बी सी ए एस कार्मिकों के लिए आधुनिक इन्फ्रा सुविधाएं बनाना ।	अक्तूबर, 2014	
	बेलगाम								
1	हवाई अड्डे का उन्नयन	-वही-	-	-	0.10	5%	बड़े आकार के विमानों के प्रचालन योग्य बनाना तथा एक समय पर 300 यात्री (150 आगत व 150 प्रस्थानगत) संभालने की क्षमता का उन्नयन	मार्च, 2016	
	गोवा								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण, एप्रन का विस्तार, कार पार्क तथा सहायक कार्य	-वही-	-	-	41.50	100%	नया टर्मिनल भवन द्वारा एक समय पर 750 अंतरराष्ट्रीय (375 आगत व 375 प्रस्थानगत) तथा 2020 (1010 इनकमिंग व 1010 प्रस्थानगत) संभाले जा सकेंगे	मई, 2013	

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
	वडोदरा								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही-	-	-	13.50	55%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन व यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	मार्च, 2014	
	मुंबई								
1	एएआई व बीसीएएस क्षेत्रीय कार्यालयों का निर्माण	-वही-	-	-	3.00	20%	एएआई व बी सी ए एस कार्मिकों के लिए आधुनिक इन्फ्रा सुविधाएं बनाना ।	अक्तूबर, 2015	
	पुणे								
1	पुणे हवाई अड्डे पर हैंगर्स व सी आई पी लाउंज सह प्रशासनिक ब्लाक का निर्माण	-वही-	-	-	3.50	50%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन	दिसम्बर, 2013	
	दक्षिणी क्षेत्र								
	हुबली								
1	हवाई अड्डे का विकास	-वही-	-	-	1.00	10%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन व यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि तथा बड़े आकार के विमानों का प्रचालन सुगम बनाना ।	मार्च, 2016	
	तिरूपति								
1	एप्रन सहित नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही-	-	10.00	5.00	50%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन व यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	दिसम्बर, 2014	
	त्रिवेन्द्रम								
1	सी ए आर के अनुसार रनवे 32 की छोर पर टर्निंग पैड का रूपान्तरण	-वही-	-	-	3.00	20%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन	फरवरी, 2015	
2	रनवे 14 के आरंभ की ओर समानान्तर टैक्सी ट्रैक का विस्तार	-वही-	-	-	4.00	40%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन	दिसम्बर, 2014	

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
3	डी व एफ टैसी के बीच तथा 32 के आरंभ की ओर समानान्तर टैक्सी ट्रैक का विस्तार	-वही-	-	-	3.00	40%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन	जून, 2015	
	अगाती								
1	अगाती हवाई अड्डे का उन्नयन (चरण-2)	-वही-	-	-	0.10	1%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन व यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	अनुमोदन के 3 वर्ष बाद	
	कालीकट								
1	आई टी बी के लिए नए आगमन कक्ष का निर्माण तथा वर्तमान आई टी बी का रूपान्तरण	-वही-	-	-	5.00	30%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन व यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	दिसम्बर, 2014	
2	कालीकट अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एप्रन का विस्तार व अन्य सहायक कार्य	-वही-	-	-	5.10	25%	यात्री सुविधाओं का उन्नयन व यात्री संभालने की क्षमता में वृद्धि ।	अक्तूबर, 2013	
	ग्राउंड सुरक्षा सेवाएं								
1	अग्नि शमन व सुरक्षा उपकरण	विभिन्न हवाई अड्डों पर विमानों का सुरक्षित प्रचालन	-	-	100.00	50%	जमीन पर विमानों के सुरक्षित तथा दक्ष प्रचालन हेतु आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना ।	मार्च, 2015	
2	एफ टी सी, नई दिल्ली में अग्नि शमन कार्मिकों को शिक्षा व प्रशिक्षण उपकरण व एफ टी सी, नई दिल्ली में एस आई टी सी का एयरक्राफ्ट सिमुलेटर	-वही-	-	-	29.20	100%	अग्नि शमन कार्मिकों की प्रशिक्षण सुविधाओं का उन्नयन ।	मार्च, 2014	

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
	ए सी एस कार्य								
1	गगन - एफ ओ पी कार्यान्वयन	विभिन्न हवाई अड्डों पर अवसंरचना का विकास व उन्नयन	-	-	157.00	100%	भारतीय एयर स्पेस के उपर मार्ग, एप्रोच व अवतरण प्रचलनों के लिए सैटलाइट आधारित सेवाएं (एस बी ए एस) उपलब्ध कराना ।	सितम्बर, 2013	
2	निगरानी	-वही-	-	-	75.20	1. 8 एएसआर/एम एसएस आर 2. 7 ए डीएस-बी 3. 4 आई ए टी एस 4. कोलकाता में वाइड एरिया मल्टीलेट्रेशन (डबल्यू ए एम) 5. ए-एस एम जी सी एस 6. एएसआर-एम एसएसआर (दिल्ली व मुंबई)	सुरक्षित व अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण सुनिश्चित करेगा ।	8 एएसआर/एम एसएस आर (100%) पहली खेप (3) अप्रैल, 2013, दूसरी खेप (3) अगस्त, 2013,तीसरी खेप(2) दिसम्बर, 2013	
3	आटोमेशन सिस्टम	-वही-	-	-	75.00	1. नए कंट्रोल टावर मुंबई में सीएनएस/एटीएम ट्रांस इंसटालेशन (50%) 2. नए एकीकृत ए टीएस आटोमेशन सिस्टम (कोलकाता) (100%) 3. नए कंट्रोल टावर (आईजीआई एयरपोर्ट) 4. नया फ्लाइट प्लान फारमेट 5. टाइप-ए/टाइप-बी1 से टाइप-बी2(10 स्टेशन) टावर ए टी एस आटोमेशन सिस्टम का उन्नयन	सुरक्षित व और अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण सुनिश्चित करेगा ।	1.एमएएटी (मुंबई) मार्च, 2013 2. कोलकाता आटोमेशन - मार्च, 2014 3. नया कंट्रोल टावर (आईजीआई एयरपोर्ट) मार्च, 2014 4 नया फ्लाइट प्लान फारमेट मार्च, 2013 5 टावर ए टी एस आटोमेशन का उन्नयन दिसम्बर, 2013	

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
4	एयर ट्रैफिक फ्लो मैनेजमेंट सिस्टम (ए टी एफ एम)	-वही-	-	-	50.00	एयर ट्रैफिक फ्लो मैनेजमेंट	-	मार्च, 2014 (चरण-1)	
	सुरक्षा अवसंरचनाएं								
	निगमित मुख्यालय								
	के0औ0 सु0 बल के लिए उपकरण व अन्य उप साधन	विभिन्न हवाई अड्डों पर सुरक्षा अवसंरचना का विकास व उन्नयन	-	-	7.47	100%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	मार्च, 2014	
	दक्षिणी क्षेत्र								
	कालीकट								
1	परामर्शी कार्य सहित सी आई एस एफ बैरेक	-वही-	-	-	3.72	100%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2013	
	हुबली								
1	सीमा दीवार (बाउंड्री वाल) का निर्माण	-वही-	-	-	8.13	100%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	मार्च, 2014	
	त्रिवेन्द्रम								
1	त्रिवेन्द्रम हवाई अड्डे के दक्षिणी छोर से होते हुए घरेलू एप्रन की ओर से एन टी बी की ओर बाहरी दीवार को चौड़ा व सुदृढ़ करना	-वही-	-	-	4.91	100%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना	मार्च, 2014	
2	सी आई एस एफ के लिए पारिवारिक आवास की निर्माण	-वही-	-	-	2.18	2.50%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2015	
	हवाई अड्डा प्रणाली व सुरक्षा उपकरण								
1	84 हवाई अड्डों पर टर्मिनल सर्वेलेंस (एससीसीटीवी प्रणाली)	-वही-	-	-	28.55	70%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2014	

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2013.14			क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	अभ्युक्तियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन				
2	बी डी डी एस उपकरण (चरण 1 व चरण 2)	-वही-	-	-	48.79	70%	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों को उन्नत सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	जून, 2014	
3	26 हवाई अड्डों पर एफआई डी एस (5 +09+12 हवाई अड्डे)	-वही-	-	-	24.00	60%	बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2014	
4.	हवाई अड्डों व कार्गो के लिए ई टी डी	-वही-	-	-	9.85	100%	सामान की स्क्रीनिंग से यात्रियों व विमानों की बेहतर सुरक्षा ।	मार्च, 2014	
5	डी एफ एम डी - 514 सं0 (प्रथम चरण - 250 सं0)	-वही-	-	-	12.31	100%	यात्रियों व विमानों की बेहतर सुरक्षा ।	मार्च, 2014	
6	एक्सरे बैगेज एम/सी एस (स्टैंड एलोन व इन लाइन एक्स रे बैगेज)	-वही-	-	-	36.75	70%	सामान की स्क्रीनिंग से यात्रियों व विमानों की बेहतर सुरक्षा ।	जून,2014	

पवन हंस हेलीकाप्टर्स लिमिटेड

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	नए बेड़े का अधिग्रहण मध्यम हैलिकाप्टर	ओएनजीसी और अन्य ग्राहकों के लिए ऑफशोर प्रचालनों गहरे पानी के खनन की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।	--	--	60.00	5 मध्यम हेलिकाप्टरों के लिए 20% अग्रिम।	प्रचालनों के संवर्धन से क्षमता बढेगी और राजस्व का सृजन होगा।	सुपुर्दगी 2013-14 के बाद	
2.	पूंजीगत उपकरणों का आयात विभिन्न कारखाना उपकरण।	बेड़े की प्रचालनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।	--	--	4.52	एचएसटी चार्जिंग, एवियोनिक्स शॉप, पायलट और स्टैटिक रिसाव परीक्षण तथा ऑटो पायलट परीक्षण उपकरण आदि	बेड़े के लिए प्रचालनिक लचीलापन उपलब्ध कराएगा।	सुपुर्दगी 2013-14 के अंतिम तिमाही तक होनी की आशा है।	

3.	राष्ट्रीय उड़ान प्रशिक्षण स्कूल, गोंदिया में इक्विटी अंशदान।	विद्यार्थियों के लिए हेलीकॉप्टर पायलट प्रशिक्षण सुविधाओं का सृजन	--	--	3.40	भाविप्रा के 10% भाग में से शेष अंशदान	प्रशिक्षक पायलटों की उपलब्धता	2013-14	
4.	**भवन तथा अन्य परियोजनाएं**								
क.	रोहिणी, नई दिल्ली में हेलीपोर्ट का निर्माण	पर्यटकों तथा व्यवसाय समुदाय तथा आपातकाल/आपदा प्रबंधन के लिए संपर्कता उपलब्ध कराने हेतु	--	--	10.00	पर्यटकों तथा व्यवसाय समुदाय तथा आपातकाल/आपदा प्रबंधन के लिए संपर्कता उपलब्ध कराने हेतु	पर्यटकों तथा व्यवसाय समुदाय तथा आपातकाल/आपदा प्रबंधन के लिए संपर्कता उपलब्ध कराने हेतु	2013-14 के बाद भी जारी रहेगा	
ख.	जुहू आवासीय परिसर	वहां रहने वाले कर्मचारी के लिए बेहतर रहने योग्य वातावरण का सृजन	--	--	0.70	कर्मचारी के लिए बेहतर रहने योग्य वातावरण का सृजन	बेहतर रहने योग्य वातावरण का सृजन	चारदीवारी का निर्माण कार्य मार्च, 2014 तक पूरा होने की आशा है	
ग.	आईटी योजना	संपर्क में सुधार के लिए आईटी योजना के अधीन विभिन्न विभागों का एकीकरण	--	--	2.68	क्षेत्रों/बेसों/उन्नत सूचना प्रणाली पर बेहतर संपर्कता	सूचना के एकीकृत प्रवाह के माध्यम से कार्य प्रणाली में बेहतर कुशलता	मार्च, 2014	
घ.	अन्य सिविल/विद्युत कार्य आदि	प्रचालनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लघु पूंजीगत कार्य	--	--	5.50	--	प्रचालनात्मक दक्षता बढेगी	लघु पूंजीगत मदें जिनके लिए सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन 2013-14 के दौरान समय-समय पर प्राप्त किया जाएगा	

8—349 मिनि. ऑफ सिविल एविएशन/2012

विवरण - V

होटल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	सेंटूर हॉटल, दिल्ली हवाईअड्डे का नवीकरण और होटल के उपकरणों का स्तरोन्नयन	व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए होटल का स्तरोन्नयन	--	1.50	--	कॉफी शॉप तथा किचन, विद्युतीय तथा अन्य कार्य - एएचयू	व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए होटल का स्तरोन्नयन	2013-14	
2.	शेफेयर फ्लाइट किचन दिल्ली का नवीनीकरण तथा इकाई के उपकरणों का स्तरोन्नयन	उडान किचन और अन्य सुविधाओं का स्तरोन्नयन	–	1.50	--	विभिन्न किचन उपकरण, विद्युतीय तथा इंजीनियरिंग कार्य। रेफ्रिजरेटेड हाई-लिफ्ट्स-2, सीएनजी आदि	उडान किचन के कार्य करने के लिए आधुनिक अवसंरचना की उपलब्धता	2013-14	
3.	सेंटूर लेक व्यू होटल, श्रीनगर का नवीकरण और होटल के उपकरणों का स्तरोन्नयन	व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए होटल का स्तरोन्नयन	--	2.00	--	25 गेस्ट रूम, सिविल कार्य, किचन उपकरणों, सर्विस लिफ्टों आदि का नवीकरण	होटल कमरों की उपलब्धता में वृद्धि तथा अतिरिक्त क्षमता से और अधिक राजस्व का सृजन	2013-14	

विवरणी VI

नागर विमानन महानिदेशालय

(रुपए करोड में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	परिव्यय 2013-14			परिमाणात्मक परिदेय/ भौतिक परिव्यय	अनुमानित परिणाम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
क	पूंजी		4(i) योजनेतर बजट	4(ii) योजनागत बजट	4(iii) पूरक बजटेतर संसाधन				
1.	मशीनरी और उपस्कर	आधुनिकीकरण और उपस्करों की अधिप्राप्ति अर्थात् सुरक्षा विश्लेषण प्रणाली दुर्घटना किट, अनुमोदित एयरफोर्स अस्पतालों के लिए चिकित्सा उपस्कर, परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए उपस्कर और तकनीकी परीक्षाओं और पायलटों और इंजीनियरों को लाइसेंस जारी करने के लिए उपस्कर और साफ्टवेयर	-	3.00	-	विभिन्न प्रकार के उपस्करों की अधिप्राप्ति की जाएगी	आधुनिकीकरण और उपस्करों के अधिप्राप्ति से दुर्घटना/घटना अन्वेषण,उडनयोग्यता निगरानी और चिकित्सीय जांच के संबंध में डीजीसीए की कार्य प्रणाली को अपग्रेड करने में मदद मिलेगी ।	वर्ष के दौरान पूरे होने की आशा है ।	
2.	मशीनरी और उपस्कर(आईटी)	डीजीसीए के लिए व्यापक सूचना	-	10.00	-	हार्डवेयर और साफ्टवेयर की	डीजीसीए कार्यों का स्वचालन,कागज का	वर्ष के दौरान	

	(ईजीसीए)	प्रौध्योगिकी वाली योजना प्रदान करना				अधिप्राप्ति	डिजीटीकरण, बाह्य कंपनियों के साथ ऑनलाइन इंटरफेस और तात्कालिक और दीर्घकालिक लाभों के लिए डीजीसीए के निदेशालयों की बीच प्रति कार्यात्मक समेकन	आरंभ होने की आशा है ।	
3.	सिविल कार्य (i) डीजीसीए भवन (ii) क्षेत्रीय कार्यालय (iii) प्रशिक्षण अकादमी का सृजन	डीजीसीए मुख्यालय भवन का निर्माण,डीजीसीए की प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना और डीजीसीए के क्षेत्रीय कार्यालयों में आवासीय मकानों का निर्माण जिसमें आवासीय मकानों की मुख्य मरम्मत भी शामिल है ।	-	7.00	-	नए भवन का निर्माण और मरम्मत कार्य	-विभिन्न कार्यालयों में पर्याप्त कार्यालय स्थल की व्यवस्था करना - विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना - डीजीसीए स्टाफ के लिए आवासीय मकान की व्यवस्था करना	आशा है कि मार्च 2014 के बाद भी जारी रहेगा ।	

नागर विमानन महानिदेशालय (जारी)

(रुपए करोड़ में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	परिव्यय 2013-14			परिमाणात्मक परिदेय/ भौतिक परिव्यय	अनुमानित परिणाम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) योजनेतर बजट	4(ii) योजनागत बजट	4(iii) पूरक बजटेतर संसाधन				
ख	राजस्व i) आधुनिकीरण ii)डीजीसीए के अधिकारियों के लिए विदेशी और घरेलू प्रशिक्षण iii) विकास परियोजनाएं और परामर्श/अध्ययन iv) प्रचार-प्रसार v) सीओएससीएपी परियोजना में योगदान vi) नागर विमानन से संबधित सेमिनार और सम्मेलन vii) निरीक्षण और संबद्ध क्रिया कलापों के लिए डीजीसीए	विमान विनियमों और मानकों का विकास	—	10.00	—	-फर्नीचर,कॉम्पेक्टर आदि के प्रापण द्वारा आधुनिकीकरण -डीजीसीए अधिकारियों का प्रशिक्षण -विकास परियोजनाओं के अधीन परामर्शदाताओं की नियुक्ति-डीजीसीए के रणनितीक उद्देश्य का प्रचार-सीओएससीएपी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सदस्य राज्य का योगदान -निरीक्षण और संबद्ध क्रियाकलापों	बेहतर कार्यकुशलता के लिए सुविधाओं का उन्नयन करना -अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डीजीसीए की छवि में सुधर करना -प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से डीजीसीए अधिकारियों के कौशल को उन्नत करना -विकास परियोजनाओं के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में परामर्शदाताओं की सेवाएं लेना -प्रचार अभियान के माध्यम से विमानन विनियमों, सुरक्षा और यात्री अधिकारों और निवारणों आदि के बारे में जागरुकता पैदा करना	आशा है कि मार्च.2014 के बाद भी जारी रहेगा ।	

	अधिकारियों की विदेशी यात्रा viii) विमानन प्रशिक्षण परियोजना					का आयोजन -सेमिनार और सम्मेलन का आयोजन	-विमान विनियमों और मानकों के विकास संबंधी सीओएससीएपी कार्यक्रम में भाग लेना और स्वतंत्र ओवरसाइड क्षमताओं में सुधार करना -नागर विमानन क्षेत्र में सेमिनार और सम्मेलनों का आयोजन करना -डीजीसीए अधिकारियों द्वारा विदेशी विमानों की जांच करना ।		
ग	बजटेतर								
1.	स्थापना	डीजीसीए के कार्यालय का कार्य सुचारु रुप से चले यह सुनिश्चित करना	47.31	-	-	स्थापना व्यय। परिमाणात्मक परिदेयों को ब्योरेवार तैयार नहीं किया जा सकेगा ।	-	2013-14	
2.	इकाओं को योगदान	सदस्यता अंशदान का भुगतान	3.40	-	-	सदस्यता अंशदान परिमाणात्मक परिदेयों को ब्योरेवार तैयार नहीं किया जा सकेगा ।	भारत के अंतरर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करेगा	2013-14	

विवरण - VII

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	सुरक्षा उपकरण/पीआईसी प्रणाली की खरीद	सुरक्षा संबंधी उपकरणों का आधुनिकीकरण	--	2.00	--	हवाईअड्डा पहुंच नियंत्रण के लिए स्मार्ट कार्ड	हवाईअड्डा सुरक्षा में संवर्धन	2013-14	
2.	सूचना प्रौद्योगिकी	विमानन के क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों का संवर्धन	--	1.00	--	हवाईअड्डों पर एकीकृत सुरक्षा के लिए आईटी आधारित उपाय	हवाईअड्डा सुरक्षा में संवर्धन	2013-14	
3.	नागर विमानन सुरक्षा प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु	--	2.70	--	दिल्ली में प्रशिक्षण अकादमी	प्रशिक्षण के जरिए विमानन में सुरक्षा मानकों/परिपाटियों में वृद्धि करना	2013-14	
4.	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की पुनर्संरचना और मुख्यालय भवन का निर्माण	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो का सुदृढ़ीकरण				दिल्ली में मुख्यालय भवन तथा अतिरिक्त पदों का सृजन और अमृतसर, हैदराबाद,	संवर्धित कुशलता तथा सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों की बेहतर व्यवस्था	2013-14	

क.	क्षेत्रीय कार्यालयों का निर्माण		--	2.00	--	गुवाहाटी तथा अहमदाबाद में 04 नए क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना, मुम्बई कार्यालय भवन का निर्माण, नए स्टाफ के लिए व्यय, विमानन सुरक्षा सम्मेलन पर व्यय, इकाओ परामर्श के लिए भुगतान, क्षेत्रीय कार्यालय के लिए किराए का भुगतान, बीसीएएस कर्मचारियों का प्रशिक्षण			
ख.	मुख्यालय भवन का निर्माण		--	0.10	--				
ग.	कार्यालय व्यय		--	0.25	--				
घ.	विदेशी यात्रा व्यय		--	0.25	--				
ड.	प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण		--	0.50	--				
5. (क)	इकाओ के सीएएसपी-एपी कार्यक्रम के लिए अंशदान	सीएएसपी-एपी कार्यक्रम में भारत की भागीदारी	--	0.20	--	35,000 अमरीकी डॉलर की राशि के भारतीय अंशदान का भुगतान किया जाएगा।	इकाओ समर्थित कार्यक्रम में भारत की भूमिका में वृद्धि	2013-14	
6.	रेडियोलॉजीकल डिटेक्शन उपकरण का संस्थापन	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	--	0.20	--	हवाईअड्डों पर रेडियोलॉजीकल डिटेक्शन उपकरण का संस्थापन	सुरक्षा मानकों में संवर्धन	2013-14	
7.	ई-गवर्नेंस परियोजना का कार्यान्वयन	हवाईअड्डा सुरक्षा में संवर्धन	--	0.80	--	सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित हवाईअड्डों पर हवाईअड्डा पहुंच	विमानन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों का संवर्धन	2013-14	

						और सुरक्षा का पूर्ण स्तरोन्नयन			
8.	स्थापना (गैर योजना)	बीसीएएस के कार्यालय के सुचारू कार्यप्रणाली को सुनिश्चित करना	10.45	--	--	संस्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स को आंका नहीं जा सकता।	--	2013-14	

विवरण - VIII

रेल संरक्षा आयोग

(करोड रुपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	स्थापना (गैर योजना)	रेल संरक्षा आयोग की सुचारू कार्यप्रणाली को सुनिश्चित करना	कुल 8.04 वसुली 0.04 निवल 8.00	--	--	स्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल्स को आंका नहीं जा सकता।	--	2013-14	

विवरण - IX

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	स्थापना (गैर योजना)	भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण की सुचारू कार्यप्रणाली को सुनिश्चित करना	4.70	--	--	स्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल्स को आंका नहीं जा सकता।	--	2013-14	

विवरण - X

एयरो क्लब ऑफ इंडिया

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	परिव्यय 2013-14			क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/ जोखिम कारक
1	2	3	4			5	6	7	8
			4(i) गैर योजना बजट	4(ii) योजना बजट	4(iii) पूरक अतिरिक्त बजटीय साधन				
1.	उड़ान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स का विकास	देश में उडान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना	--	8.00	--	4 एकल इंजन प्रशिक्षक एयरो स्पोर्ट्स विमान विमान के लिए विशेष औजार/उपकरण व आरंभिक कल-पुर्जे - विमान की लागत का 5% विमानन लाइब्रेरी के लिए प्रावधान आईटी - 1%	उड़ान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स के संवर्धन/एयरो स्पोर्ट्स के संवर्धन के लिए योग्य उड़ान क्लबों/संगठनों को आवंटित किया जाएगा।	मार्च, 2014	

नीति संबंधी पहल

वर्ष 2012-13 के दौरान नागर विमानन सेक्टर के विकास को गति प्रदान करने के लिए अनेक नीति संबंधी उपाय क्रियान्वित किए गए, जिसमें बेहतर संपर्कता, सार्वजनिक क्षेत्र की एयरलाइनों का सुदृढ़ीकरण, विमानन अवसंरचना का विकास तथा प्रशिक्षण सुविधाओं में और इजाफा करना शामिल है।

1. नागर विमानन सहयोग

- **यूरोपीय संघ-उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ईयू-ईटीएस)** : यूरोपीय संघ ने 01 जनवरी, 2012 से अपने यूरोपीय संघ-उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ईयू-ईटीएस) में यूरोपीय संघ के हवाईअड्डों के लिए/से भारत की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को एकपक्षीय रूप में शामिल किया है, और इस प्रकार भारतीय वाहकों के प्रचालन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। भारत सरकार ने अनेक गैर यूरोपीय संघ इकाओ सदस्यों का समर्थन प्राप्त किया है तथा उक्त प्रणाली के क्रियान्वयन से स्वयं को अलग रखने हेतु यूरोपीय संघ पर दबाव डाला है। अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) के अनेक गैर यूरोपीय संघ परिषद सदस्यों के सहयोग से भारत सरकार ने ईयू-ईटीएस का विरोध करने वाली एक घोषणा को स्वीकार करके ईयू-ईटीएस का विरोध किया है। इस प्रकार के दबाव ने यूरोपीय संघ को वर्तमान समय के लिए ईयू-ईटीएस के क्रियान्वयन को आस्थगित करने के लिए मजबूर किया है।

- **यातायात अधिकार प्रदान किया जाना** : सरकार ने एअर इंडिया को विधिवत प्राथमिकता दिए जाने के पश्चात भारतीय वाहकों को अगले तीन मौसमों यथा शीत अनुसूची, 2013 तक के लिए यातायात अधिकारों के आवंटन हेतु उदार परिदृश्य अपनाया है और इस प्रकार अनेक नए मार्ग खाले गए हैं। भारतीय नागर विमानन क्षेत्र की विकास की गति में तीव्रता लाने के अतिरिक्त इस प्रकार का दृष्टिकोण भारतीय यात्रियों के लिए प्रतिस्पर्धी किराए पर उन्नत संपर्कता उपलब्ध कराएगा।

- **विमान सेवा वार्ता** : वर्ष के दौरान अनेक देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं की गईं थीं। 16 अप्रैल, 2012 तथा 28 मई, 2012 को क्रमश: अजरबेजान गणराज्य तथा म्यांमार के साथ विमान सेवा करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इटली गणराज्य, कजाकिस्तान गणराज्य, सिंगापुर, ओमान तथा भूटान की शाही सरकार के साथ चल रही वार्ताएं समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर के साथ पूरी हुई हैं। 17 अक्तूबर, 2012 को न्यूजीलैंड सरकार के साथ नागर विमानन पर तकनीकी सहयोग हेतु व्यवस्थाओं पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- **आईसीएएन सम्मेलन, 2012 :** आईसीएएन सम्मेलन, 2012 जेद्दाह में 08-12 दिसम्बर, 2012 को आयोजित किया गया था, जिसमें बिना किसी रियायतों के भारत के प्रति उनकी चिंताओं को व्यक्त करने हेतु भारत ने पेरूग्वे, वियतनाम, नैगर, बहरीन, तुर्की, यूनाइटेड अरब अमीरात, अमरीका, मलेशिया, उरुग्वे, बोत्स्वाना तथा बुर्कीना फेसो के साथ द्विपक्षीय चर्चाएं की थीं। वर्तमान नीति के अनुसार अन्य देशों के साथ यातायात अधिकारों में संवर्धन के संबंध में चर्चा तभी की जा सकती है जब भारतीय वाहकों को उपलब्ध मौजूदा पात्रताएं पूर्णत: प्रयोग की जा चुकी हों। ये एयरलाइनें इस स्तर पर देश के भीतर अनेक हवाईअड्डों पर अपने स्वयं के हब एंड स्पोक प्रचालनों को विकसित कर रही हैं।

II. बेडे का विस्तार

- नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा 111 विमानों के संयुक्त अर्जन में से पहला नया विमान अक्तूबर, 2006 में बेडे में शामिल किया गया था। नए विमानों में से अधिकांश विमान डिलीवरी शेड्यूल के अनुसार शामिल हुए हैं और 01.11.2010 तक 81 विमानों का अर्जन किया जा चुका है। तथापि बी787 विमानों के डिलीवरी में लगभग ढाई साल की देरी हो चुकी है। वार्षिक योजना 2012-13 के अनुमानों के अनुसार, 11 बी-787-8 विमान बिक्री एवं पट्टा वापसी आधार पर कंपनी द्वारा प्राप्त किए जाने थे। तथापि, मैसर्स बोईंग द्वारा दिए गए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 08 बी-787-8 विमानों की 2012-13 के दौरान प्राप्ति की संभावना है। दिसम्बर, 2012 तक मैसर्स बोईंग से 05 बी-787-8 विमान प्राप्त हो चुके हैं।

- दिसम्बर, 2010 में घरेलू अनुसूचित एयरलाइनों के बेडे में विमानों की संख्या बढकर 369 हो चुकी है।

- पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (पीएचएचएल) ऑफशोर तेल दोहन की आवश्यकताओं तथा हेलीकॉप्टर सेवाओं की बढती हुई अन्य मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त विमान खरीदकर अपने बेडे का विस्तार करेगी।

III. अवसंरचना का विकास

- कोलकाता, चेन्नै, रायपुर, रांची, जलगांव, पुदुचेरी, गोंदिया (चरण-II) तथा गोवा हवाईअड्डों और जैसेलमेर हवाईअड्डे में सिविल इन्क्लेवों में नए टर्मिनल भवन के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।

- पोर्ट ब्लेयर, तिरूपति हवाईअड्डों पर एप्रन के विस्तार, अतिरिक्त टैक्सी वे के रूप में एयरसाइड अवसंरचना का स्तरोन्नयन।

- चेन्नै हवाईअड्डे पर एकीकृत कार्गो टर्मिनल (चरण-III)

- सीएनएस-एटीएम के क्षेत्र में, मौजूदा रुझान और पूर्वानुमानित वृद्धि तथा भावी चुनौतियों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए आ0 वि0 प्रा0 द्वारा एफआईएएनएस (भावी भारतीय वायु दिक्चालन प्रणाली) के कार्यान्वयन के लिए मास्टर प्लान की रूपरेखा तैयार की है। इनमें ध्वनि संप्रेषण को डिजीटल डाटा संप्रेषण के रूप में, ग्राउण्ड आधारित दिक्चालन को उपग्रह आधारित दिक्चालन (अर्थात् गगन भारतीय एसबीएएस), एडीएस-बी के साथ आधुनिक राडार कवरेज, म्यूटीलैटरेशन के रूप में शिफ्ट किया गया है। सीएनएस, एटीएम मास्टर प्लान के कार्यान्वयन से भारत उन प्रतिष्ठित देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जिनके पास मजबूत तथा रोबस्ट सीएनएस अवसंरचना द्वारा समर्पित एक कारगर एटीएम प्रणाली है। इन अवसंरचनाओं में डिजिटल डाटा यूनिट, एकीकृत एटीएम आटोमेशन नेटवर्क, एसडब्ल्यूआईएम (सिस्टम वाइड इन्फार्मेशन मैनेजमेंट) तथा सेपरेशन मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं।
- जीपीएस एडेड जियो आगमेंटेशन नैवीगेशन (गगन) - ग्राउण्ड अवसंरचना विकास योजनाओं को उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुसार भारतीय उपग्रह आधारित दिक्चालन प्रणाली (एसबीएएस) संबंधी कार्य किया जा रहा है। मौजूदा समय में, यह प्रचालन के अन्तिम चरण (गगन एफओपी) में है। जीएसएटी-10 के साथ आईएनएलयूएस-2 के एकीकरण का पहला चरण पूरा हो गया है। गगन प्रमाणन दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं और दस्तावेजों का एक सेट समीक्षा के लिए डीजीसीए को भेजा गया है। विमानन क्षेत्र में प्रमाणित गगन प्रणाली के सितम्बर, 2012 तक शुरू होने की संभावना है।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के निर्माण के लिए पहल शुरू कर दी गई है। सिक्किम में पाक्योंग हवाईअड्डे का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना की लागत 309 करोड़ रू. (लगभग) है। पाक्योंग में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण से सिक्किम के लिए विमान संपर्कता उपलब्ध कराने के लिए एटीआर 72 किस्म के विमान प्रचालन में मदद मिलेगी।
- 35 गैर-मैट्रो हवाईअड्डे पर किए जा रहे विकास कार्य में से 29 हवाईअड्डों का विकास कार्य पूरा कर लिया गया है, दो हवाईअड्डों का विकास कार्य मार्च 2013 तक पूरा होने की संभावना है और 4 अन्य हवाईअड्डों का विकास कार्य प्रगति पर है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा टियर-III शहरों पर 27 अन्य गैर-मैट्रो हवाईअड्डों के विकास कार्य लिया गया है, जिनमें से 15 हवाईअड्डों का विकास कार्य पूरा कर लिया गया है, 5 हवाईअड्डों का विकास का कार्य मार्च, 2013 तक पूरा हो जाएगा तथा 8 हवाईअड्डों का विकास कार्य अभी चल रहा है। मौजूदा प्रचालनिक हवाईअड्डों की प्रचालनात्मक क्षमता को बढ़ाने के अतिरिक्त 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अनुसूचित प्रचालन के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की योजना, बेहाला, झारसुगुडा, देवघर, सलेम, परतापुर, तेजू, दपारिजु,

पासीघाट, तुरा, रायबरेली, किशनगढ़, पुदुचेरी, वारंगल, थन्जाउर, वेल्लोर आदि गैर प्रचालनिक हवाईअड्डे को प्रचालनिक बनाने की है।

- पर्यटकों तथा व्यावसायिक समुदाय और आपातकालीन/आपदा प्रबंधन के लिए वायु संपर्कता उपलब्ध कराने के प्रयोजन से पवनहंस हेलीकाप्टर लिमिटेड (पीएचएचएल) को नई दिल्ली में हेलीपैड के निर्माण का कार्य सौंपा गया है। हेलीपोर्ट का प्रयोग फीडर हब केन्द्र के रूप में किया जाएगा जहां पर हेलीकाप्टर अनुरक्षण सुविधाओं, हेलीकाप्टर के लिए पार्किंग आदि की सुविधा का सृजन किया जाएगा। हेलीपैड की चारदीवारी तथा मूल हेलीपैड के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है। दिनांक 31.10.2011 को पर्यावरण क्लीयरेंस मिल गया है और विभिन्न सरकारी एजेंसियों से अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् आगे निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

IV. प्रशिक्षण सुविधाएं

- सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत जुलाई 2010 में स्वायत्तशासी निकाय के रूप में भारतीय विमानन अकादमी का सृजना किया गया। जिसके साथ नागर विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए उत्कृष्ट केन्द्र के तौर पर एएआई, डीजीसीए तथा बीसीएएस स्टेकहाल्डर के रूप में हैं। ऐसिया पैसिफिक क्षेत्र में विमानन में शिक्षण; प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के क्षेत्र में इसे वैश्विक उत्कृष्टता केन्द्र बनाए जाने के लिए एएआई, डीजीसीए तथा बीसीएएस के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया है, इसका ध्येय आने वाले समय में इसे विश्वविद्यालय का दर्जा देना है। संस्थान के पास निम्नलिखित मान्यताएं भी हैं:

  आईएसओ 9001 2000 प्रमाणित संस्थान

  इकाओ प्रशिक्षक सदस्य

  आयटा की मान्यता/"खतरनाक वस्तु विनियम पाठ्यक्रम" के लिए डीजीसीए अनुमोदित संस्थान।

  "विमान सुरक्षा प्रशिक्षण" के लिए बीसीएएस द्वारा अनुमोदित संस्थान।

  इस संस्थान को आयटा द्वारा मान्यता दी गई है तथा डीजीसीए द्वारा, नियमित आधार पर, खतरनाक वस्तुओं पर पाठ्यक्रम आयोजित किया जाता है, विमानन संरक्षा और सुरक्षा में प्रशिक्षण के लिए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा भी इस संस्थान को मान्यता दी गई है।

- गोंदिया, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय विमानन प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएटीएम) अवसंरचना कार्य पूरा कर लिया गया है। अत्याधुनिक सुविधा 42 एकड़ में फैली है। इस संस्थान में 419 विद्यार्थी के लिए अध्ययन की व्यवस्था, 32 फैकल्टी, प्रशासनिक खण्ड जिनमें अध्ययन कक्ष, प्रक्रियात्मक प्रयोगशाला, कार्यालय, संसाधन केन्द्र और एक समर्पित कैफेटेरिया शामिल हैं।
- प्रतिवर्ष 100 पायलटों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इंदिरागांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की सुविधाओं को अपग्रेड किया गया है।

V. विमानन नीति

- विमानन क्षेत्र के क्रमिक विकास को बनाए रखने के लिए, मंत्रालय ने इस सेक्टर से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए दीर्घकालीन नागर विमानन नीति बनाए जाने की आवश्यकता महसूस की है। तद्नुसार, नागर विमानन क्षेत्र की दीर्घकालीन समस्याओं के समाधान करने तथा इस क्षेत्र के विकास के लिए रोड मैप उपलब्ध कराने के प्रयोजन से नागर विमानन नीति बनाये जाने हेतु दिनांक 22.12.2011 को सचिव, नागर विमानन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। सभी स्टेकधारकों से दिनांक 20.02.2012 तक उनकी टिप्पणियां मांगे जाने के प्रयोजन से मंत्रालय की वेबसाइट पर सुझाव दस्तावेज दिया गया। स्टेकधारकों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की जा रही है। स्टेकधारकों से प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर नागर विमानन नीति मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त सचिव, स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में उप-समूह का गठन किया गया।
- उद्योग के विभिन्न उप-खण्डों तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ सचिव, नागर विमानन की अध्यक्षता में नागर विमानन आर्थिक परामर्श परिषद (सीएईएसी) का गठन किया गया था। परिषद की बैठक नियमित आवधिक अंतराल पर हुई और नागर विमानन क्षेत्र द्वारा फेस की जा रही समस्याओं के समाधान के लिए विश्लेषण का फ्रेमवर्क बनाए जाने का सुझाव दिया, सीएईएसी के गठन के पश्चात् इसकी तीन बैठकें हुई। इसकी अंतिम बैठक दिनांक 11 नवम्बर, 2011 को हुई जिसमें विमानन उद्योग को प्रभावित करने वाले जटिल मुद्दों पर चर्चा की गई थी। दिनांक 22.10.2012 के आदेश द्वारा माननीय नागर विमानन मंत्री की अध्यक्षता में सीएईएसी का पुनर्गठन किया गया। इसकी संदर्भ शर्तें निम्नानुसार हैं:-
  - (i) यह देश के पिछड़े तथा असेवित क्षेत्रों के लिए वहनीय विमान सेवा को सुनिश्चित करने के संबंध में उपयुक्त नीतिगत ढांचे के संबंध में परामर्श देगा।
  - (ii) भारत में विमान परिवहन सेवाओं की निरन्तरता एवं व्यवहार्यता को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त विनियामक ढांचा बनाए जाने के संबंध में सलाह देगा।
  - (iii) भारत में नागर विमानन क्षेत्र में निवेश की जरूरतों का मूल्यांकन तथा निवेश में तेजी लाने के उपायों के बारे में सलाह देगा।
  - (iv) यह नागर विमानन क्षेत्र से संबंधित सभी वित्तीय वसूली प्रभार और अन्य बजटीय मामलों पर सुझाव देगा।
  - (v) यह उपभोक्ता हितों, यथा टैरिफ तथा यात्रियों के लिए सेवा की शर्तों के बारे में लोगों को जानकारी देने, के संरक्षण के लिए व्यापक विनियामक ढांचे पर सुझाव देगा।
  - (vi) यह अन्तरराष्ट्रीय विमान सेवाओं के उदारीकरण के लिए नीतिगत ढांचे के पहलुओं पर सुझाव देगा।

  सीएईएसी की पहली बैठक दिनांक 4.2.2013 को हुई थी।

- भारत में दूरवर्ती क्षेत्र में विमान संपर्कता तथा क्षेत्रीय विमान संपर्कता को आगे पुनरूज्जीवित करने के लिए उन कारकों का पता लगाने हेतु अध्ययन आरंभ किया गया है, जो कि मैट्रो हवाईअड्डों के अलावा विमान यातायात वृद्धि में बाधक हैं जिनमें अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, नीति था विनियामक अड़चनें शामिल हैं। यह आशा की जाती है कि इस अध्ययन रिपोर्ट से देश के क्षेत्रीय तथा दूरवर्ती क्षेत्रों के लिए विमान संपर्कता में वृद्धि हेतु उचित नीतिगत पहल शुरू करने के लिए फ्रेमवर्क उपलब्ध होगा।
- भारत में विमान कार्गो/एक्सप्रेस सेवा उद्योग की महत्ता पर विचार करते हुए कार्गो उद्ययोग के लिए भारत सरकार में नागर विमानन मंत्रालय नोडल एजेंसी होने के नाते विभिन्न मंत्रालयों/विभागों/संगठनों से शामिल किए गए सदस्यों के साथ सचिव, नागर विमानन की अध्यक्षता के तहत जून, 2012 में एक अंतरमत्रालयी विमान कार्गो विमान कार्गो लाजिस्टिक संवर्धन बोर्ड का गठन किया गया ।
- संरक्षा निगरानी कार्यों के अत्यधिक कुशलतापूर्वक निष्पादन करने के प्रयोजन से वित्तीय तथा प्रशासान के स्वायत्ता में सुधार हेतु अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के तकनीकी सहयोग में, नागर विमानन महानिदेशालय में नागर विमानन प्राधिकरण के गठन के लिए साहयता अध्ययन आरंभ किया गया था । तत्पश्चात, इकाओ की सिफारिशों की समीक्षा के लिए सरकार द्वारा एक समिति गठित की गई जो कि इकाओं की स्वीकार्य सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए कार्यविधियों का सुझाव देगी। इसके अलावा, विमानन उद्योग में हो रहे परिवर्तन तथा विमानन स्टेकधारकों की अपेक्षाओं समेत विमान परिवहन प्रचालनों में तीव्र वृद्धि के आलोक में विमानन उद्योग की भावी मांग पर समिति ने विचार किया । मसौदा मंत्रिमंडल नोट तथा भारतीय नागर विमानन प्राधिककरण मसौदा विधेयक को अंतिम रूप दे दिया गया है।
- डीजीसीए द्वारा डीजसीसीए तथा इसके संबद्ध निदेशालयों की प्रक्रियाएं और क्रिया विधियों को पूरी तरह से स्वचालित करने और सूचना प्रौद्योगिकी अवसरंचना तथा सेवा सुपुर्दगी ढांचे के लिए एक मजबूत आधार उपलब्ध कराने के लिए ई-गवर्नेंस प्रक्रिया आरंभ की गई है । विभिन्न साफ्टवेयर एप्लीकेशन, डाटा सेंटर, डिजास्टर रिकवरी साइट, डीजीसीए के सभी कार्यालयों को जोड़ने वाला नेटवर्क, सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए 'पार्टल' तथा सुरक्षा के लिए डिजीटल हस्ताक्षर की सहायता से आन लाइन तथा शीघ्रातिशीघ्र सेवा सुपुर्दगी समेत इस परियोजना में एक छोर से दूसरे छोर प्रणाली पर बल दिया गया है। ईजीसीए परियोजना के दायरे में डीजीसीए का मुख्य व्यवसाय तथा उनकी कुछ प्रशासनिक प्रक्रियाएं आती है । इस परियोजना की अनुमानित लागत 114.59 करोड़ रुपए है और इसे ईएफसी द्वारा अपनी दिनांक 21.01.2013 को आयोजित बैठक में अनुमोदित कर दिया गया है ।

ख. जेंडर बजटिंग

सपकेता तथा अवसरंचना सहित नागर विमानन सेक्टर के कार्यक्रमों को देखते हुए यद्यपि महिलाओं के कल्याण के लिए विभिन्न संगठनों के योजना बजट से कोई विनिर्दिष्ट योजना वित्त घोषित नहीं की जा सकी । तथापि, महिलाओं के कल्याण हेतु और संगठन के अंदर उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दृष्टि से विभिन्न संगठनों द्वारा पहल की गई है ।

ग. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का कल्याण

यद्यपि, अनूसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के कल्याण के विभिन्न संगठनों के लिए योजना बजट में कोई विशेष योजनाएं नहीं बनाई गई हैं। तथापि, इन संगठनों द्वारा इन जातियों के कल्याण हेतु उठाए गए कदम निम्न प्रकार से है:-

(i) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए विभिन्न संगठनों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठों का गठन किया गया ।

(ii) नागर विमानन महानिदेशालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति/प्रशिक्षु भत्ता योजना के तहत योग्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के आकांक्षी पायलट प्रशिक्षुओं को 15,00,000 रुपए की धनराशि की प्रतिपूर्ति की गई है ।

(iii) पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने अनुसूचति जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए छात्रवृति तथा पाठ्य पुस्तकों के वितरण हेतु एक योजना आरंभ की है।

(iv) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उडान अकादमी की एक योजना है जिसके तहत प्रशिक्षु पायलटों के रूप में भर्ती होने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों से प्रवेश परीक्षा के साथ-साथ पायलटों की तर्कशक्ति (एप्टीचयूट) परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहींवसूला जाता । इग्नुआ साक्षात्कार में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए आने-जाने के किराए की प्रतिपर्ति भी कर रही है । अकादमी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की अनुसूचित जाति/जनजाति संबंधी स्कीम का क्रियान्वयन भी किया है ।

घ. पूर्वोत्तर क्षेत्र में चलाई गई योजनाएं

(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में हवाईअड्डों के विकास से संबंधित अनेक योजनाएं चलाई हैं । पूर्वोत्तर क्षेत्र में हवाईअड्डे आर्थिक रूप से साध्य नहीं हैं और इन हवाईअड्डों पर प्रचालनों से प्रचालनिक/आवृति व्यय पूरा करने तक के लिए पर्याप्त राजस्व अर्जित नहीं होता। इसके दृष्टिगत, पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाईअड्डा परियोजनाओं, जिन्हें सामाजिक, आर्थिक कारणों से चलाया जा

रहा है, का वित्त पोषण पूर्वोत्तर परिषद तथा नागर विमानन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

दो पृथक समझौता ज्ञापनों, एक पूर्वोत्तर परिषद द्वारा अनुमोदित योजनाओं के लिए है तथा दूसरा प्रधानमंत्री की पहल के तहत स्वीकृत योजना से संबंधित, जिन पर उत्तर-पूर्वी परिषद से वित्तीय सहायता के अधीन हवाईअड्डों के विकास के लिए पूर्वोत्तर परिषद के साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा हस्ताक्षर किए गए । पूर्वोत्तर परिषद की वित्तीय प्रणाली के अनुसार परियोजना लागत का 60 प्रतिशत तक व्यय परिषदद्वारा किया गया है तथा शेष 40 प्रतिशत निधि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है । इसके अतिरिक्त, सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की पहचान की है जिन्हें 90:10 के अनुपात में वित्त पोषित किया जाएगा (90 प्रतिशत लागत का वित्त पोषण भारत सरकार तथा 10 प्रतिशत का वित्त पोषण भारतीय विमानत्तन प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा)।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में हवाईअड्डों के विकास के लिए वर्ष 2013-14 हेतु 117.343 करोड़ रुपए (इंजीनियरिंग कार्य एएनएस तथा सुरक्षा अवसंरचना समेत) के परिव्यय का अनुमान है। इसमें से पूर्वोत्तर परिषद द्वारा अनुमोदित स्कीमों तथा प्रधानमंत्री की पहल वाली योजनाओं (ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों अर्थात् पैक्योंग, इटा नगर को छोड़कर) के लिए 54.50 करोड़ रुपए आबंटित किया गया है। जिसके ब्योरा निम्नानुसार है:

(करोड़ रुपए में)

कार्य का नाम	**अनुमानित लागत**	**बजट अनुमान**
अगरतला		
(i) नए नियंत्रण टावर वतकनीकी ब्लॉक का निर्माण	9.67	1.25
(ii) बेसिक स्ट्रिप एन समेत सुरक्षा अवसंरचा का स्तरोन्नयन	18.00	0.25
बारापानी		
(i) नई अर्जित भूमि के लिए दीवार एवं बार दीवारी	6.00	5.00
(ii) सिविल एवं विद्यतीय कार्य समेत आईएलएस की स्थापना	12.00	1.25
(iii) पैरीमीटर सड़क निगरानी की टावर आदि का निर्माण	10.00	0.25
दीमापुर		
टर्मिनल भवन, कार पार्क आदि का नवीकरण/साज-साज्जा/सुविधाओं में सुधार	20.00	1.25

डिब्रूगढ़		
(i) रनवे का विस्तार, आइसोलेशन बे, लिंक टैक्सी ट्रैक पेरीमीटर सड़क का निर्माण तथा संबद्ध कार्य	59.85	2.50
(ii) हैंगर का निर्माण	22.40	0.25
गुवाहाटी		
(i) अस्थाई कार्गो परिसर	2.00	.75
(ii) हैंगर का निर्माण	23.60	10.00
(iii) प्रचालनिक दीवार का निर्माण तथा भूमि का विकास	30.00	0.25
इम्फाल		
(i) नए एप्रन का निर्माण	13.30	4.50
(ii) टर्मिनल भवन/सुरक्षा होल्ड क्षेत्र का आशोधन	7.00	5.50
(iii) हाल ही में अर्जित भूमि की चारदीवारी	15.00	15.00
(iv) हैंगर (एन) का निर्माण	15.00	0.25
जोरहाट		
एप्रन का विस्तार	10.00	6.25

(ख) पेक्योंग (सिक्किम) में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण के लिए 32.00 करोड़ रुपये की राशि सहायता अनुदान के रूप में बजटीय सहायता आवंटित की गई है।

(ग) पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने पर्यटन को प्रोत्साहित करने और बेहतर विमान संपर्कता के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए अनेक हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए हैं। इस संबंध में ब्यौरा निम्नानुसार है :

राज्य/एजेंसी	**तैनाती स्थल**	**हेलीकॉप्टर का प्रकार**	**हेलीकॉप्टर की संख्या**
सिक्किम सरकार	गंगटोक	बेल 407	1
त्रिपुरा	अगरतला	डॉफिन एन	1
गृह मंत्रालय (पूर्वोत्तर)	गुवाहाटी	डॉफिन एन	1
मेघालय सरकार	गुवाहाटी	डॉफिन एन3	1
मिजोरम सरकार	आइजवाल	डॉफिन एन	1
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	एमआई 172	1

अध्याय-IV

आउटकम बजट 2011-12 तथा 2012-13 में निर्धारित लक्ष्य के आधार पर विगत निष्पादन की समीक्षा

नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.03.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.03.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. i).	**विमान योजनाएं** मौजूदा ए-320 परियोजना	मौजूदा विमानों के विमान ऋणों का पुनर्भुगतानकिया जाना	0.50	0.49	2011-12 के दौरान विमान ऋणों पुनर्भुगतान किया जाना	मौजूदा विमान ऋणों का पुनर्भुगतान	2011-12 के दौरान किस्तों का पुनर्भुगतान मार्च, 2012 तक पूरा किया जाना है।	2011-12 के दौरान विमान ऋणों का पुनर्भुगतान किया गया।
ii). क.	**नई विमान परियोजनाएं** विमान विनिर्माताओं को अग्रिम भुगतान	नए विमान की खरीद के जरिए क्षमता विस्तार तथा पुराने बेड़े का प्रतिस्थापन	424.44	--	मैसर्स बोईंग से 2011-12 के दौरान 8बी - 787-8 विमान प्राप्त होंगे।	नए और आधुनिक विमान की खरीद के जरिए क्षमता विस्तार होगा तथा पुराने बेड़े के प्रतिस्थापन से अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में सेवाओं के मूल्य में बढ़ोत्तरी होगी।	मार्च, 2012 तक विमान विनिर्माताओं को भुगतान किया जाना है।	बी-787 व बी-777 विमान के लिए कोई अग्रिम भुगतान नहीं किया गया है क्योंकि इन विमानों की सुपुर्दगी को अद्यतन सुपुर्दगी अनुसूची के अनुसार आस्थगित किया गया है।
ख.	विमान विनिर्माताओं को डिलीवरी भुगतान	- वही -	2981.37	--				

ग.	नए विमानों के लिए समर्थन अवसंरचना तथा स्पेयर इंजनों/वर्कशॉप आदि के लिए भुगतान	विमान बेड़े में जोड़े जाने वाले नए विमानों के लिए उपकरणों की खरीद	434.86	75.42	नए विमानों के लिए अतिरिक्त आधार अवसंरचना की स्थापना	नए विमान के सुचारू प्रचालन के लिए अतिरिक्त अवसंरचना की स्थापना।	2011-12 के दौरान पूरा होने की संभावना है।	बोइंग तथा एयरबस प्रत्येक विमान के लिए एक-एक सिमुलेटर, के लिए दो सिमुलेटर प्राप्त हो गए हैं। बी-787 विमान की सुपुर्दगी आस्थगित होने तथा कंपनी द्वारा वित्तीय तंगी का सामना किए जाने की वजह से 5 इंजन की सुपुर्दगी (बोईंग से 3 और एयरबस से 2) आस्थगित कर दी गई है।

नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (2011-12) (जारी)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12		31.03.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.03.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
घ.	विमान विनिर्माताओं को किए जाने वाले भुगतान पर पूंजीकृत किया जाने वाला ब्याज	क्षमता विस्तार और पुराने विमान बेड़े को बदलने के लिए	--	208.19	23.35	विमान निर्माताओं को अग्रिम भुगतान पर पूंजीकृत किए जाने वाले ब्याज को दर्शाता है जिसमें एक्सपोजर शुल्क, कानूनी शुल्क तथा लिए गए ऋण की व्यवस्था शुल्क शामिल है।	क्षमता का विस्तार	विमान विनिर्माताओं के अग्रिम भुगतान पर ब्याज का पूंजीकरण किया जाना।	विमान निर्माताओं के लिए अग्रिम भुगतान पर प्रस्तुत ब्याज का पूंजीकरण किया जाना।

ख (i).	अन्य पूंजीगत व्यय भवन परियोजनाओं, कॉरपोरेट, कम्प्यूटरीकरण, बुकिंग कार्यालय, वाहन, जीएसई उपस्कर, कम्प्यूटर तथा विविध उपकरणों जैसी अन्य सहायक सुविधाएं	नए विमान के लिए सहायक उपस्करों की खरीद	--	500.00	210.42	ग्राउंड हैंडलिंग उपस्कर, इंजीनियरिंग वर्कशॉप उपस्कर, सुरक्षा उपस्कर, कम्प्यूटर, कार्यालय उपस्कर जैसे आदि उपस्करों की खरीद।	विमान के सुचारू प्रचालन के लिए सहायक अवसंरचना का सृजन	2011-12 में पूरा होने की संभावना है।	210.42 करोड़ रुपये के मूल्य का उपस्कर खरीदा गया। कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति के कारण केवल प्रचालनिक अनिवार्य परियोजनाएं हाथ में ली गई हैं।
(ii)	इक्विटी	--	1200.00	--	1200.00	--	--	--	--

एअर इंडिया लिमिटेड (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
क.	**विमान योजनाएं विमान निर्माताओं को भुगतान**								
(क)	विमान विनिर्माताओं को सुपुर्दगी भुगतान	नए विमानों की खरीद के जरिए क्षमता विस्तार तथा पुराने बेड़े का प्रतिस्थापन	--	--	--	मैसर्स बोईंग से वर्ष 2012-13 के दौरान 8 बी-787-8 विमान प्राप्त हो जाएंगे।	नए और आधुनिक विमान खरीद करके बेड़े की क्षमता में बढ़ोत्तरी, जिससे उच्च प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में अच्छी सेवाएं उपलब्ध होंगी।	दिनांक 31.03.2013 तक विमान विनिर्माताओं को सुपुर्दगी भुगतान किया जाना।	सेल एवं लीज बैक (एसएलबी) व्यवस्था को अंतिम रूप दिए जाने में विलंब के कारण ब्रिज वित्त पोषण के माध्यम से 2105.50 करोड़ रुपये के भुगतान से दिसम्बर, 2012 तक 5बी 787-8 विमान प्राप्त किए

									गए। चूंकि यह राशि एसएलबी प्रक्रिया द्वारा अंतिम रूप से समायोजित की जाएगी, इसलिए इसे व्यय के रूप में नहीं दिया गया है।
(ख)	नए विमान के लिए सहायक अवसंरचना तथा स्पेयर इंजन/वर्कशॉप आदि के लिए भुगतान	बेड़े में शामिल किए जाने वाले नए विमान	--	208.00	117.72	नए विमान के लिए अतिरिक्त अवसंरचना की स्थापना	नए विमान के सुचारू प्रचालन के लिए अतिरिक्त अवसंरचना की स्थापना	वर्ष 2012-13 के दौरान पूरा होने की संभावना	दिसम्बर, 2012 तक एक बी 787 स्पेयर इंजन प्राप्त हो गया है।

एअर इंडिया लिमिटेड (2012-13) (जारी)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
ख (i).	अन्य पूंजीगत व्यय भवन परियोजनाओं, कॉरपोरेट, कम्प्यूटरीकरण, बुकिंग कार्यालय, वाहन, जीएसई उपस्कर, कम्प्यूटर तथा विविध उपकरणों जैसी अन्य सहायक सुविधाएं	नए विमान के लिए सहायक उपस्करों की खरीद	--	720.00	61.20	ग्राउंड हैंडलिंग उपस्कर, इंजीनियरिंग वर्कशॉप उपस्कर, सुरक्षा उपस्कर, कम्प्यूटर, कार्यालय उपस्कर जैसे आदि उपस्करों की खरीद।	विमान के सुचारू प्रचालन के लिए सहायक अवसंरचना का सृजन	2012-13 में पूरा होने की संभावना है।	61.20 करोड़ रुपये के मूल्य का उपस्कर खरीदा गया। कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति के कारण केवल प्रचालनिक रूप से अनिवार्य परियोजनाएं हाथ में ली गई हैं।
(ii)	इक्विटी	--	4000.00	--	4000.00	--	--	--	--

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2011-12)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.3.12 तक का व्यय	क्वॉटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.3.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. क.	नए बेड़े की खरीद ट्विन हल्के हेलीकॉप्टर	राज्य सरकार/पर्यटन सेक्टर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने हेतु	40.00	-	2 संख्या के लिए अग्रिम/ अंश भुगतान	प्रचालन में संवर्धन करके राजस्व का सृजन किया जाएगा और क्षमता में बढ़ोत्तरी की जाएगी।	2011-12 के अंत तक सुपुर्दगी होने की संभावना है।	निराशाजनक बाजार परिस्थितियों के कारण प्रापण हेतु निविदा प्रक्रिया बंद कर दी गई है।
ख.	मध्यम हेलीकॉप्टर्स	बेड़े को बनाए जाने की योजना तथा ओएनजीसी/अन्य ग्राहकों के लिए अपतटीय प्रचालनों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करना।	128.09	210.21	3 डॉफिन एन-3 हेलीकॉप्टरों के लिए 10% माइलस्टोन तथा 80% शेष	प्रचालन में संवर्धन करके राजस्व का सृजन किया जाएगा और क्षमता में बढ़ोत्तरी की जाएगी।	दिसंबर, 2011 तक सुपुर्दगी होने की संभावना है।	3 डॉफिनएन-3 की सुपुर्दगी प्राप्त हो गई है। फरवरी, 2012 जिसका शेष 80% भुगतान जारी किया गया है। 2 डॉफिन एन-3 हेलीकॉप्टरों की सुपुर्दगी मई, 2012 में हो गई है जिसका शेष 80% भुगतान जारी किया गया है।
ग.	भारी हेलीकॉप्टर	पूर्वोत्तर राज्यों/पर्यटन सेक्टर में हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने के लिए	96.97	-	2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों के लिए 10% माइलस्टोन तथा 80% शेष भुगतान	प्रचालन में संवर्धन करके राजस्व का सृजन किया जाएगा और क्षमता में बढ़ोत्तरी की जाएगी।	दिसंबर, 2011 तक सुपुर्दगी की आशा है।	निदेशक मंडल ने 2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों के अधिग्रहण को स्वीकृति प्रदान की है। 10% अग्रिम राशि यथा 10.58 करोड़ रु. जारी किए गए हैं। सुपुर्दगी की आशा मई, 2012 तक है।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2011-12) (जारी)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन		31.3.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.3.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
2.	पूंजीगत उपकरण का आयात	बेड़े की प्रचालनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए	6.60	7.83	एमआई-172 हेलीकॉप्टर के लिए स्पेयर इंजन समेत	बेड़े के लिए प्रचालनिक फलैक्सीबिलटी उपलब्ध होगी।	सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के पश्चात आर्डर दे दिया जाएगा।	एमआई-172 हेलीकॉप्टर के लिए 2 स्पेयर इंजन की सुपुर्दगी हुई है और जिसके लिए राशि जारी की गई है।	
3. क.	भवन एवं अन्य परियोजनाएं एचएएल के साथ संयुक्त उद्यम	हेलीकॉप्टरों के लिए अत्याधुनिक अनुरक्षण केन्द्र का निर्माण	-	5.00	-	-	स्वयं के बेड़े का बेहतर अनुरक्षण होगा तथा बाहरी ग्राहकों से राजस्व का सृजन होगा।	रक्षा बलों के लिए एचएएल ध्रुव तथा चेतक, चीता हेलीकॉटरों का अनुरक्षण तथा प्रचालन हेतु जेवी के गठन के लिए पीएचएचएल ने दिनांक 23.7.2010 को एचएएल के साथ समझौता जापा पर हस्ताक्षर किए है। शेयरहोल्डर अनुबंध पर हस्ताक्षर किया जाना अभी बाकी है।	संबंधित निदेशक मंडल के अनुमोदन लेने के बाद यथासमय शेयर धारक अनुबंध पर हस्ताक्षर कर जाएंगे।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2011-12) (जारी)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन		31.3.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.3.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
ख.	रोहिणी, नई दिल्ली में हेलीपोर्ट का निर्माण	आपातकाल/आपदा प्रबंधन हेतु पर्यटकों तथा व्यापारिक समुदाय को संपर्कता उपलब्ध करवाना।	-	7.00	0.90	-	व्यवसाय समुदाय तथा आपातकाल/आपदा प्रबंधन हेतु पर्यटकों तथा व्यापारिक समुदाय को संपर्कता उपलब्ध कररवाना	कार्य प्रगति पर है।	चारदीवारी तथा मौलिक हेलीपैड का निर्माण पूरा हो गया है। पर्यावरण क्लीयरेंस दिनांक 31.10.11 को जारी कर दिया था तथा आगे और निर्माण का कार्य निभिन्न सरकारी एजेंसियों से अनुमोदन के पश्चात शुरू किया जाएगा।
ग.	कुल हेलीकॉप्टर सिमुलेटर का अधिग्रहण	प्रशिक्षण सुविधा का अपग्रेडेशन	3.00	-	-	एक कूल हेलीकॉप्टर सिमुलेटर	प्रशिक्षण सुविधा का अपग्रेडेशन	मार्च, 2012	योजना को 2011-12 के दौरान अंतिम रूप नहीं दिया जा सकता।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2011-12) (जारी)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.3.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.3.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
घ.	जुहू आवासीय परिसर	कर्मचारी के रहने के लिए जीवन पर्यावरण को बेहतर करने के लिए	0.92	0.30	लैंडस्केपिंग/ प्लेग्राउंड उपकरण की व्यवस्था। स्पोर्ट सेंटर सहित अतिथि भवन का निर्माण	रहने के लिए बेहतर वातावरण सुलभ कराने हेतु	मार्च, 2012	2011-12 के दौरान विभिन्न सिविल कार्य पूरे किए जा चुके हैं।
ङ.	आईटी योजना	आईटी योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों के एकीकरण के लिए संपर्कता में सुधार।	2.50	1.08	मुंबई, पश्चिमी क्षेत्र में एकीकृत सीसीटीवी तथा संगठन व्यापक डाक, बेड़ा ट्रैकिंग व नियंत्रण	सूचना के एकीकृत संप्रेषण के माध्यम से कार्य प्रणाली में उच्च कुशलता	मार्च, 2012	पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई में एकीकृत संचार प्रणाली का कार्य पूरा हो चुका है और इसमें कंप्यूटर, लैपटॉप तथा प्रिंटरों आदि की खरीद सम्मिलित है:-
च.	अन्य सिविल/विद्युत कार्य आदि	प्रचालनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लघु पुंजीगत कार्य	6.12	2.12	-	प्रचालनात्मक दक्षता बढ़ेगी।	लघु पूंजीगत वस्तुओं जिसके लिए वर्ष 2011-12 के दौरान समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त की जाएगी।	2.12 करोड़ रु. के मूल्य की छोटी पूंजीगत वस्तुएं खरीदी गई।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2012-13)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1 क	नए बेड़े का अधिग्रहण मध्यम हेलीकॉप्टर्स	-	-	3.22	-	-	-	प्राप्त किए गए 3 डॉफिन एन 3 हेलीकॉप्टरों हेतु अंश इन्वेंटरी की आपूर्ति के लिए दिनांक 27.4.2012 को राशि जारी की गई।
ख	भारी हेलीकॉप्टर	पूर्वोत्तर राज्यों/पर्यटन सेक्टर में हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने के लिए	95.18	115.38	2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों के लिए 10% माइलस्टोन तथा 80% शेष भुगतान	प्रचालन में संवर्धन से क्षमता तथा राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी।	मई, 2012 तक सुपुर्दगी होने की संभावना है।	सुपुर्दगी 28.08.2012 को हुई। व्यय में 10% माइलस्टोन/ फ्यूजलेजिस, पायलटों/इंजीनियरों का विदेश में प्रशिक्षण की लागत, सीमाशुल्क ड्यूटी तथा 80% शेष भुगतान सम्मिलित है।
2.	पूंजीगत उपकरणों का आयात विभिन्न वर्कशाप उपकरण	बेड़े की प्रचालनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए	6.95	1.53	विभिन्न वर्कशाप उपकरण	बेड़े के लिए प्रचालनिक फ्लैसीबिलटी उपलब्ध होगी।	2012-13 के अंतिम तिमाही में सुपुर्दगी होने की संभावना है।	सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के पश्चात समय-समय पर आर्डर प्रस्तुत किया जाएगा।
3.	नैशनल फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल, गोंदिया के लिए इक्विटी अंशदान	विद्यार्थियों के लिए हेलीकॉप्टर पायलट प्रशिक्षण सुविधाएं सृजित करना।	3.40	-	एएआई के 10% शेयर से शेष अंशदान	प्रशिक्षित पायलटों की उपलब्धता	2012-13	हेलीकॉप्टर पायलटों के लिए उड़ान प्रशिक्षण स्कूल की प्रगति के आधार पर शेष अंशदान जारी किया जाएगा।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2012-13) (जारी)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	6	7	8	9	10
4. क.	भवन एवं अन्य परियोजनाएं एचएएल के साथ संयुक्त उद्यम	रक्षा बलों के एएलएच ध्रुव, चेतक तथा चीता हेलीकॉप्टरों के अनुरक्षण के लिए एचएएल के साथ संयुक्त उद्यम के तहत हेलीकॉप्टरों के लिए अनुरक्षण केन्द्र का निर्माण	7.50	-	जेवी करार/व्यवहार्यता रिपोर्ट	रक्षा बलों के एएलएच ध्रुव, चेतक तथा चीता हेलीकॉप्टरों का बेहतर अनुरक्षण	संबंधित निदेशक मंडल के अनुमोदनके पश्चात शेयरहोल्डर अनुबंध पर यथासमय हस्ताक्षर करा लिए जाएंगे।	शेयरहोल्डर अनुबंध पर एचएएलसे अभी अनुमोदन लिया जाना बाकी है।
ख.	रोहिणी, नई दिल्ली में हेलीपोर्ट का निर्माण	आपातकाल/आपदा प्रबंधन हेतु पर्यटकों तथा व्यापारिक समुदाय को संपर्कता उपलब्ध करवाना।	25.00	0.34	आपातकाल/आपदा प्रबंधन हेतु पर्यटकों तथा व्यापारिक समुदाय को संपर्कता उपलब्ध करवाना।	व्यवसाय समुदाय तथा आपातकाल/ आपदा प्रबंधन हेतु पर्यटकों तथा व्यापारिक समुदाय को संपर्कता उपलब्ध कररवाना	कार्य प्रगति पर है।	चारदीवारी तथा मौलिक हेलीपैड का निर्माण पूरा हो गया है। पर्यावरण क्लीयरेंस दिनांक 31.10.11 को जारी कर दिया था तथा आगे और निर्माण का कार्य निभिन्न सरकारी एजेंसियों से अनुमोदन के पश्चात शुरू किया जाएगा।
ग.	जुहू आवासीय परिसर	निवासी कर्मचारियों के रहने के लिए जीवन पर्यावरण को बेहतर करने के लिए	0.52	-	सौर ऊर्जा का संस्थापन तथा चारदीवारी का निर्माण	रहने के लिए बेहतर वातावरण सुलभ कराने हेतु।	मार्च, 2013	ढही दीवार के लिए पुनर्निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है।
घ.	आईटी योजना	आईटी योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों के एकीकरण के लिए संपर्कता में सुधार। कंपनी में सैप को प्रारंभ (चरण-I)।	7.25	0.84	क्षेत्रों/बेसों में बेहतर संपर्क/सूचना प्रणाली में सुधार	सूचना के एकीकृत संप्रेषण के माध्यम से कार्य प्रणाली में उच्च कुशलता	मार्च, 2013	मुंबई में लैन/वैन/कंप्यूटरों/लैपटॉप की खरीद, लोटज डोमीनोंसोजलेस गुवाहाटी बेस में सीसीटीवी कैमरा तथा वीडियो कॉनफ्रेंसों हेतु राशि जारी की गई।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2012-13) (जारी)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
ड.	अन्य सिविल/विद्युत कार्य आदि	प्रचालनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लघु पुंजीगत कार्य	-	7.57	0.56	-	प्रचालनात्मक दक्षता बढेगी।	लघु पूंजीगत वस्तुओं जिसके लिए वर्ष 2012-13 के दौरान समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त की जाएगी।	0.56 करोड़ रु. के मूल्य की छोटी पूंजीगत वस्तुएं खरीदी गई।
5.	फ्लाइट मॉनीटरिंग एण्ड फोलोइंग सिस्टम/इन्हेंस्ड ग्राउंड पोक्सिमीटीवार्निंग सिस्टम (ईजीपीडब्ल्यूएस)	आपातकाल के दौरान हेलीकॉप्टरों की मूवमेंट पर नजर रखना/कठिन टीरेन तथा बाधाओं की चेतावनी देकर दुर्घटनाओं को रोकना/ खोज तथा बचाव अभियान	2.50	-	-	फ्लाइट मॉनीटरिंग एण्ड फोलोइंग सिस्टम तथा ईजीपीडब्ल्यूएस	खोज तथा बचाव ऑपरेशन/कठिन टीरेन तथा बाधाओं की चेतावनी देना।	2012-13	फ्लाइट मॉनीटरिंग तथा फोलोइंग सिस्टम से संबंधित परियोजना को बंद कर दिया गया है क्योंकि यह इरिडियम प्रौद्योगिकी पर आधारित है जिसकी भारत में वाणिज्यिक उपयोग हेतु अनुमति नहीं दी गई है। दो नए एमआई-172 हेलीकॉप्टरों पर लगने वाले ईजीपीडब्ल्यूएस हेतु आपूर्तिदाताओं को क्रय आदेश जारी करने के लिए 31.3.2013 से पहले ईजीपी डब्ल्यूएस परियोजना पर अनुमोदन मिलने की संभावना है।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (2012-13) (जारी)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक का व्यय	क्वॉटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			योजना बजट	अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
6.	एयरो स्पोर्ट जैसे ग्लाइडरों का ग्लाइडिंग सेंटर, हडापसर, पुणे का विकास	एयरोस्पोर्ट का विकास	1.50	-	-	ग्लाइडर तथा अन्य उपकरण	एयरोस्पोर्ट का विकास	2012-13	वर्तमान में ग्लाइडर परियोजना को बंद करने का निर्णय लिया गया है।
7.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन सेफ्टी एण्ड सर्विसेज (एनआईएएसएस) और पवन हंस हेलीकॉप्टर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (पीएचपीआई) क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास/विस्तार	क) एचआर क्षमतानिर्माण तथा जनशक्ति के कौशल का विकास ख) पायलटों तथा एएमई के लिए संरक्षा/अन्य कायक्रमों में सहायक और राज्य सरकार विमानन सेटअप आदि को समर्थन देना।	1.00	-	-	प्रशिक्षित विमान कर्मी	जनशक्ति की संरक्षा तथा कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण में सहायता देना। विमान संरक्षा संवर्धा तथा सभी प्रकार की विमानन संरक्षा/अन्य परामर्शदाता सेवाएं प्रदान करना।	2012-13	-

भारतीय होटल निगम लिमिटेड (2011-12)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.3.12 तक का व्यय	क्वॉटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.3.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	दिल्ली एयरपोर्ट पर सेंटूर होटल पर नवीकरण	होटल के कमरों तथा अन्य सुविधाओं को बाजार स्तर पर बनानेके लिए स्तरोन्नयन करना ताकि बढ़ती हुई मांग को पूरा कर सकें।	7.00	0.28	होटल के कमरों तथा अन्य उपस्करों का नवीकरण	होटल के कमरों की उपलब्धता बढ़ाना तथा क्षमताबढ़ाकर अधिकराजस्व बढ़ाना।	वर्ष के दौरान नवीकरण का कार्य किया जाएगा।	वित्तीय तंगी के कारण केवल प्रचालनिक अपेक्षित उपकरण खरीदे गए। साथ ही हेड कान्ट्रेक्टर के साथ अंतिम निपटान किया गया।
2.	शेफेयर फ्लाइट कैटरिंग, दिल्ली का नवीकरण	फ्लाइट किचन तथा अन्य सुविधाओं का स्तरोन्नयन	5.00	-	फ्लाइट किचन की मौजूदा अवसंरचना यथा कोल्ड रूम, एएचयू, बायलर्स, वाटर, वाटर प्यूफिंग के विभिन्न किचन उपकरणों आदि का स्तरोन्नयन	फ्लाइट किचन के प्रचालन के लिए आधुनिक करवाना।	फ्लाइट किचन की सुविधाओं के स्तरोन्नयन का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा।	-
3.	सेंटूर लेक व्यू होटल, श्रीनगर का नवीकरण	होटल के कमरों तथा अन्य सुविधाओं को बाजार स्तर पर बनाने के लिए स्तरोन्नयन करना ताकि बढ़ती हुई मांग को पूरा कर सके।	1.00	-	होटल के कमरों तथा अन्य सुविधाओं का नवीकरण।	होटल के कमरों की उपलब्धता बढ़ाना तथा क्षमता बढ़ाकर अधिक राजस्व बढ़ाना।	वर्ष के दौरान नवीकरण का कार्य किया जाएगा।	-
4.	मुंबई के शेफेयर फ्लाइट कैटरिंगका नवीकरण तथा यूनिट के उपकरणों का स्तरोन्नयन	फलाइट किचन एवं अन्य सुविधाओं का स्तरोन्नयन	2.00	0.12	छत की मरम्मत (वाटर प्रूफिंग), स्टीम बॉयलर, हाटवाटर जेनेरेटर, सोफ्टनर प्लांट तथा स्टीम पाइपलाइन, रेफ्रीजरेटेड हाईलिफ्ट तथा नान-रेफ्रिजरेटिड हाईलिफ्ट-1 प्रत्येक, डीजीसेट का स्तरोन्नयन, सिविल तथा इलेक्ट्रिकल कार्य।	फ्लाइट किचन के प्रचालन हेतु आधुनिक अवसंरचना की उपलब्धता होगी।	वर्ष के दौरान उड़ान किचन संबंधी सुविधाओं के स्तरोननयन का कार्य किया जाएगा।	एक हाईलिफ्ट के फैब्रीकेशन का कार्य पूरा हो गया और प्रयोग किया जा रहा है।

भारतीय होटल निगम लिमिटेड (2012-13)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13	31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	दिल्ली एयरपोर्ट पर सेंटूर होटल का नवीकरण तथा होटल के उपकरणों का स्तरोन्नयन	होटल का स्तरोन्नयन करना ताकि बढ़ती हुई मांग को पूरा कर सकें।	11.00	-	छत की मरम्मत (वाटर प्रुफिंग) 60 गेस्ट रूम का नवीकरण, विशेष रेस्तां का जी शाप सार्वजनिक क्षेत्र सार्वजनिक शैचालय आदि पाइपलाइनबदलना, कोल्ड रूम, किचन उपकरण (आंशिक), लिफ्ट, वाई-जाई/सीसीटीवी, इलेक्टिक वं अन्य इंजीनियरी कार्य	व्यवसाय बढ़ाने हेतु होटल का स्तरोन्नयन	2012-13	परियोजना को अंतिम रूप नहीं दिया गया।
2.	शेफेयर फ्लाइट कैटरिंग, दिल्ली का नवीकरण तथा यूनिट के उपकरणों का स्तरोन्नयन	फलाइट किचन एवं अन्य सुविधाओं का स्तरोन्नयन	6.00	-	सभी क्षेत्रों की रीडिजाइनिंग तथा मॉडीफीकेशन, छत की मरम्मत (वाटर प्रफिंग), नॉन रेफ्रीजरेटिड हाईलिफ्ट -2 संख्या। सीएनजी टाटा 408 या समकक्ष 2 सीएनजी मारूति वेन या समकक्ष कोल्ड रूम, ब्लास्ट फ्रीजर,एएचयू, इलेक्ट्रिकल तथा इंजीनियरी कार्य, किया उपकरणों	फ्लाइट किचन के प्रचालन हेतु आधुनिक अवसंरचना की उपलब्धता होगी।	2012-13	- वही -
3.	सेंटूर लेक व्यू होटल, श्रीनगर का नवीकरण	व्यवसाय को बढ़ाने हेतु होटल का स्तरोनयन	5.00	-	25 गेस्टरूमों का नवीकरण, छत की मरम्मत (वाटर प्रुफिंग), छत को ठीक करना तथा जोड़ो का बढ़ाना, गेस्ट रूम के तालों (इनसर्ट कार्ड लौक) को बदलना, किचन का नवोकरण, सिविल तथा इंजीनियरीकार्य, डीजल जेनरेटर सेट 500 के बवीए, गेस्ट लिफ्ट, गेस्टसमो के लिए स्पिलिट एसी, किया उपकरण	होटल के कमरो की उपलब्धता बढ़ाना तथा क्षमता बढ़ाकर अधिक राजस्व बढ़ाना।	2012-13	-वही-
4.	मुंबई के शेफेयर फ्लाइट कैटरिंग का नवीकरण	फ्लाई किचतन एवं अन्य सुविधाओं का स्तरोन्नयन	3.00	-	फ्लाइट किचन की मौजूदा अवसंरचना यथा कोल्ड रूम, एएचयू,बायलर्स, वाटर प्रूफिंग के विभिन्न किचिन उपकरणों आदि का स्तरोन्नयन	फ्लाइट किचन के प्रचालन हेतु आधुनिक अवसंरचना की उपलब्धता होगी।	2012-13	-वही-

एअर इंडिया चार्टर्स (2011-12)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2011-12 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.03.12 तक का व्यय	क्वॉटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.03.12 तक वास्तविक आउटपुट/ परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	अन्य पूंजीगत व्यय	विमान प्रचालन की सुचारू करने के लिए सहायक अवसंरचना का सृजन	20.00	2.12	उपस्करों तथा संबद्ध सुविधाओं की खरीद	विमान प्रचालन को सुचारू करने के लिए सहायक अवसंरचना का सृजन	वर्ष के दौरान उपकरणों तथा संबद्ध सुविधाओं की खरीद का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।	2.12 करोड़ रुपए की कीमतवाले उपकरण खरीद लिए गए कपंनी में नकदी की कमी के कारण केवल अनिवार्य प्रचालनिक परियोजनाओं को लिया गया है।

एअर इंडिया चार्टर्स लिमिटेड (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं.	स्कीम/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	परिव्यय 2012-13 अनुपूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन	31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीयरबेल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टिड आउटकम	प्रक्रिया/समयोचित	31.12.2012 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	अन्य पूंजी व्यय	विमान प्रचालक को शुभारंभ करने के लिए सहायक अवसंरचना का सृजन	5.00	0.61	उपस्करों तथा संबद्ध सुविधाओं में खरीद.	विमान प्रचालन को सुचारू करने के लिए सहायक अवसंरचना का सृजन	वर्ष के दौरान उपकरणों तथा संबद्ध सुविधाओं की खरीद का खर्च पूरा कर लिया जाएगा।	केवल 0.61 करोड़ रूपए के उपकरणों की खरीद की गई कंपनी की वित्तीय कठिनाइयों के कारण केवल प्रचालन के लिए परियोजनाएं ली गई।

नागर विमानन महानिदेशालय (2011-12) (रुपए करोड में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 तक व्यय	परिमाणात्मक परिदेय/ भौतिक परिव्यय	अनुमानित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	भौतिक परिव्यय/ 31.3.12 तक परिणाम
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
क	पूंजी							
1.	मशीनरी और उपस्कर	आधुनिकीकरण और उपस्करों की अधिप्राप्ति अर्थात् सुरक्षा विश्लेषण प्रणाली दुर्घटना किट, अनुमोदित एयरफोर्स अस्पतालों के लिए चिकित्सा उपस्कर परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए उपस्कर और प्रयोगशाला के लिए उपस्कर	1.00	-	विभिन्न प्रकार के उपस्करों की अधिप्राप्ति की जाएगी	आधुनिकीकरण और उपस्करों के अधिप्राप्ति से दुर्घटना/घटना अन्वेषण,उडनयोग्यता निगरानी और चिकित्सीय जांच के संबंध में डीजीसीए की कार्य प्रणाली को अपग्रेड करने में मदद मिलेगी,प्रयोगशाला आदि का कार्यरण	वर्ष के दौरान पूरे होने की आशा है ।	-
2.	मशीनरी और उपस्कर(आईटी)	डीजीसीए के लिए व्यापक सूचना प्रौध्यौगिकी वाली योजना प्रदान करना	20.00	2.18	हार्डवेयर और साफ्टवेयर की अधिप्राप्ति	डीजीसीए कार्यों का स्वचालन,कागज का डिजीटीकरण बाह्य कंपनियों के साथ ऑनलाइन इंटरफेस और तात्कालिक और दीर्धकालिक लाभों के लिए डीजीसीए के	मार्च, 2012 के बाद भी जारी रहने की आशा है ।	हार्डवेयर और साफ्टवेयर की अधिप्राप्ति की गई और संस्थापित किए गए ।

						निदेशालयों की बीच प्रति कार्यात्मक सलेकन		
3.	सिविल कार्य (i) डीजीसीए भवन (ii) क्षेत्रीय कार्यालय (iii) प्रशिक्षण अकादमी का सृजन (iv) हेलीकॉप्टर अकादमी की स्थापना	मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालय में नए भवन का निर्माण,प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना और हेलीकॉप्टर अकादमी की स्थापना	30.00	9.95	नए भवन का निर्माण और नव निर्माण कार्य ।	-विभिन्न कार्यालयों में पर्याप्त कार्यालय स्थल की व्यवस्था करना - विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना - प्रशिक्षित हेलीकाप्टर पायलटों के पूल में वृद्धि	मार्च, 2012 के बाद भी जारी रहने की आशा है ।	तीन क्षेत्रीय कार्यालयों के निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षारित किए गए ।

नागर विमानन महानिदेशालय 2011-12 (जारी)

(रुपए करोड़ में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ परिणाम	योजनेतर बजट 2011-12	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 तक परिव्यय	परिणामात्मक परिदेय/ भौतिक परिव्यय	अनुमानित परिणाम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	भौतिक परिव्यय/ 31.3.2012 तक परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ख	राजस्व i) आधुनिकीरण ii)डीजीसीए के अधिकारियों के लिए विदेशी प्रशिक्षण iii) विकास परियोजनाएं और परामर्श/अध्ययन iv) प्रचार-प्रसार v) सीओएससीएपी परियोजना में योगदान	विमान विनियमों और मानकों का विकास	-	9.00	6.19	फर्नीचर,कॉम्पेक्टर आदि के प्रापण द्वारा आधुनिकीकरण, डीजीसीए अधिकारियों का प्रशिक्षण, विकास परियोजनाओं के अधीन परामर्शदाताओं की नियुक्ति,डीजीसीए के रणनितीक उद्देश्य का प्रचार,सीओएससीए पी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सदस्य राज्य का योगदान ।	-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डीजीसीए की छवि में सुधर करना -प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से डीजीसीए अधिकारियों के कौशल को उन्नत करना -विकास परियोजनाओं के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में परामर्शदाताओं की सेवाएं लेना -प्रचार अभियान के माध्यम से विमानन विनियमों, सुरक्षा और यात्री अधिकारों और निवारणों आदि के बारे में जागरुकता पैदा करना -विमान विनियमों और मानकों के विकास	वर्ष के दौरान पूरे होने की आशा है।	डीजीसीए के कई अधिकारियों ने विदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सीओएससीएपी को भुगतान किया गया। प्रचार अभियान आयोजित किए गए ।

							संबंधी सीओएससीएपी कार्यक्रम में भाग लेना और स्वतंत्र ओवरसाइड क्षमताओं में सुधार करना		
ग	बजटेतर								
1.	स्थापना	डीजीसीए के कार्यालय का कार्य सुचारु रुप से चले यह सुनिश्चित करना	50.09	-	38.97	स्थापना व्यय । परिमाणात्मक परिदेयों को ब्योरेवार तैयार नहीं किया जा सकेगा ।	-	2011-12	-
2.	इकाओं को योगदान	सदस्यता अंशदान का भुगतान	2.50	-	2.99	सदस्यता अंशदान परिमाणात्मक परिदेयों को ब्योरेवार तैयार नहीं किया जा सकेगा ।	भारत के अंतरर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करेगा	2011-12	-

नागर विमानन महानिदेशालय 2012-13

(रुपए करोड में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	योजनागत बजट 2012-13	31.12.2012 तक व्यय	परिमाणात्मक परिदेय/ भौतिक परिव्यय	अनुमानित परिणाम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	भौतिक परिव्यय/31.12.12 तक परिणाम
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
क	पूंजी							
1.	मशीनरी और उपस्कर	आधुनिकीकरण और उपस्करों की अधिप्राप्ति अर्थात् सुरक्षा विश्लेषण प्रणाली, दुर्घटना किट, अनुमोदित एयरफोर्स अस्पतालों के लिए चिकित्सा उपस्कर, परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए उपस्कर और तकनीकी परीक्षाओं और पायलटों और इंजीनियरों को लाइसेंस जारी करने के लिए उपस्कर और साफ्टवेयर	3.50	-	विभिन्न प्रकार के उपस्करों की अधिप्राप्ति की जाएगी	आधुनिकीकरण और उपस्करों के अधिप्राप्ति से दुर्घटना/घटना अन्वेषण,उडनयोग्यता निगरानी और चिकित्सीय जांच,तकनीकी परीक्षा और पायलटों और इंजीनियरों को लाइसेंस जारी करने के संबंध में डीजीसीए की कार्य प्रणाली को अपग्रेड करने में मदद मिलेगी ।	वर्ष के दौरान पूरे होने की आशा है ।	-

2.	मशीनरी और उपस्कर(आईटी) (ईजीसीए)	डीजीसीए के लिए व्यापक सूचना प्रौध्यौगिकी वाली योजना प्रदान करना	12.00	1.72	हार्डवेयर और साफ्टवेयर की अधिप्राप्ति	डीजीसीए कार्यों का स्वचालन,ईजीसीए परियोजना का कार्यान्वयन जिसमें विभिन्न पणधारकों को वेब आधारित सुविधायें प्रदान करने के लिए डीजीसीए के विभिन्न निदेशालयों का कम्प्यूटरीकरण करना शामिल है।	मार्च, 2013 के बाद भी जारी रहने की आशा है ।	ईजीसीए परियोजना के लिए सैद्वांतिक रुप से अनुमोदन प्राप्त किया गया है। ईएफसी ने भी परियोजना को अनुमोदित किया है।
3.	सिविल कार्य (i) डीजीसीए भवन (ii) क्षेत्रीय कार्यालय (iii) प्रशिक्षण अकादमी का सृजन	डीजीसीए मुख्यालय भवन का निर्माण,डीजीसीए की प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना और डीजीसीए के क्षेत्रीय कार्यालयों में आवासीय मकानों का निर्माण	32.00	-	नए भवन का निर्माण और नव निर्माण कार्य ।	-डीजीसीए मुख्यालय और विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में पर्याप्त कार्यालय स्थल की व्यवस्था करना - डीजीसीए स्टाफ के लिए आवासीय मकान की व्यवस्था करना - विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना	मार्च, 2013 के बाद भी जारी रहने की आशा है ।	

नागर विमानन महानिदेशालय (2012-13) (जारी)

(रुपए करोड़ में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ परिणाम	योजनेतर बजट 2012-13	योजनागत बजट 2012-13	31.3.2012 तक परिव्यय	परिणामात्मक परिदेय/ भौतिक परिव्यय	अनुमानित परिणाम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	भौतिक परिव्यय/ 31.3.2012 तक परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10.
ख	राजस्व i) आधुनिकीरण ii)डीजीसीए के अधिकारियों के लिए विदेशी प्रशिक्षण iii) विकास परियोजनाएं और परामर्श/अध्ययन iv) प्रचार-प्रसार v) सीओएससीएपी परियोजना में योगदान vi) नागर विमानन से संबधित सेमिनार और सम्मेलन vii) निरीक्षण और संबद्ध क्रिया कलापों के लिए डीजीसीए अधिकारियों की विदेशी यात्रा	विमान विनियमों और मानकों का विकास	-	12.50	0.39	फर्नीचर,कॉम्पेक्टर आदि के प्रापण द्वारा आधुनिकीकरण, डीजीसीए अधिकारियों का प्रशिक्षण, विकास परियोजनाओं के अधीन परामर्शदाताओं की नियुक्ति,डीजीसीए के रणनितीक उद्देश्य का प्रचार,सीओएससीए पी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सदस्य राज्य का योगदान ।	-बेहतर कार्यकुशलता के लिए सुविधाओं का उन्नयन करना -विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ अंत:क्रिया में सुधार करना -प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से डीजीसीए अधिकारियों के कौशल को उन्नत करना -विकास परियोजनाओं के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में परामर्शदाताओं की सेवाएं लेना -प्रचार अभियान के माध्यम से विमानन विनियमों, सुरक्षा और यात्री अधिकारों और निवारणों आदि के बारे में जागरुकता पैदा करना -विमान विनियमों और	वर्ष के दौरान पूरे होने की आशा है।	डीजीसीए के कई अधिकारियों ने विदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

							मानकों के विकास संबंधी सीओएससीएपी कार्यक्रम में भाग लेना और स्वतंत्र ओवरसाइड क्षमताओं में सुधार करना -नागर विमानन क्षेत्र में सेमिनार और सम्मेलनों का आयोजन करना -डीजीसीए अधिकारियों द्वारा विदेशी विमानों की जांच करना ।		
ग	बजटेतर								
1.	स्थापना	डीजीसीए के कार्यालय का कार्य सुचारु रुप से चले यह सुनिश्चित करना	44.00	-	35.21	स्थापना व्यय। परिमाणात्मक परिदेयों को ब्योरेवार तैयार नहीं किया जा सकेगा ।	-	2012-13	
2.	इकाओं को योगदान	सदस्यता अंशदान का भुगतान	3.00	-	2.97	सदस्यता अंशदान परिमाणात्मक परिदेयों को ब्योरेवार तैयार नहीं किया जा सकेगा ।	भारत के अंतरर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करेगा	2012-13	

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रमसं	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	31.3.2012 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	पूंजी							
1.	बीडीडीएस उपकरण/पीआईसी प्रणाली की खरीद	सुरक्षा संबंधी उपकरणों का आधुनिकीकरण	8.00		हवाईअड्डा पहुंच नियंत्रण के लिए स्मार्ट कार्ड	विमानन के क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों में संवर्धन	2011-12	पुर्नादेश के लिए प्रस्ताव अनुमोदित होने के कारण पीआईसी कार्यालय उपकरण की व्यवस्था नहीं की जा सकी।
2.	सूचना प्रौद्योगिकी	विमानन के क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों का संवर्धन	5.00		स्वचालित हवाईअड्डा प्रवेश परमिट प्रणाली का संस्थापन	संवर्धित हवाईअड्डा सुरक्षा	2011-12	हवाईअड्डे में प्रवेश पास जारी करने के लिए स्वचालित प्रणालीशुरू की गई। मैसर्स टीसीएस द्वारा परियोजना का कार्यान्वयन पहले किया जा रहा है।

3.	नागर विमानन प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु	10.00		दिल्ली में प्रशिक्षण अकादमी	प्रशिक्षण के जरिए विमानन में सुरक्षा मानकों/परिपाटियों में वृद्धि करना	2011-12	बीसीएस, डीजीसीए और एएआई की एक संयुक्त प्रशिक्षण अकादमी (एनआईएएमएआर) में स्थापित किए जाने का निर्णय लिया है।
4.	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की पुनर्संरचना और मुख्यालय भवन का निर्माण	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो का सुदृढ़ीकरण			दिल्ली में मुख्यालय भवन तथा अतिरिक्त पदों का सृजन और अमृतसर, हैदराबाद, गुवाहाटी तथा अहमदाबाद में 04 नए क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना	संवर्धित कुशलता तथा सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों की बेहतर व्यवस्था	2011-12	नए क्षेत्रीय कार्यालय के स्थान के लिए व्यवस्था की जा रही है। यह निर्णय लिय गया है कि नई दिल्ली में, सफदरजंग एयरपोर्ट पर बीसीएस तथा डीजीसीए के लिए संयुक्त भवन का निर्माण किया जाए।
(क)	क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यालय स्थल का निर्माण		9.00	6.39				
(ख)	बीसीएएस (मुख्यालय) भवन का निर्माण		12.00	-				
(ग)	वेतन एवं भत्ते		3.00	0.85				

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (2011-12) (जारी)

(करोड़ रू. में)

क्रमसं	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2011-12	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	31.3.2012 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पूंजी								
(घ)	घरेलू यात्रा व्यय		-	0.50	0.03				
(ड.)	कार्यालय व्यय			2.75	0.51				
(च)	विदेशी यात्रा व्यय			0.50	0.07				
(छ)	अन्य प्रशासनिक व्यय			3.20	0.66				
(ज)	व्यावसायिक सेवाएं			2.00	-				
(झ)	किराया, दरें तथा कर			0.20	-				
(ट)	प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण			2.00	-				

5.(क)	इकाओ के सीएएसपी-एपी कार्यक्रम के लिए अंशदान	सीएएसपी-एपी कार्यक्रम में भारत की भागीदारी	-	0.20	-	35,000 अमरीकी डॉलर की राशि के भारतीय अंशदान का भुगतान किया जाएगा।	इकाओ समर्थित कार्यक्रम में भारत की भूमिका में वृद्धि	2011-12	-
(ख)	सम्मेलन एवं संगोष्ठियां	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	--	2.00	--	विमानन सुरक्षा पर सम्मेलन एवं संगोष्ठियां	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	2011-12	योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
6.	एडवांस इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बॉडी स्कैनर)	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	--	5.00	--	एडवांस इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बॉडी स्कैनर) का संस्थापन	सुरक्षा मानकों में संवर्धन	2011-12	योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
7.	रेडियोलॉजीकल डिटेक्शन उपकरण	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	--	71.00	--	रेडियोलॉजीकल डिटेक्शन उपकरण का संस्थापन	सुरक्षा मानकों में संवर्धन	2011-12	योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
8.	स्थापना (गैर योजना)	बीसीएएस के कार्यालय के सुचारू कार्यप्रणाली को सुनिश्चित करना	11.13	--	7.26	संस्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स को आंका नहीं जा सकता।	-	-	-

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (2012-13)

(करोड़ रू. में)

क्रमसं	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2012-13	31.12.2012 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	31.12.2012 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	पूंजी							
1.	सुरक्षा उपकरण/पीआईसी प्रणाली की खरीद	सुरक्षा संबंधी उपकरणों का आधुनिकीकरण	6.00	-	हवाईअड्डा पहुंच नियंत्रण के लिए स्मार्ट कार्ड	विमानन के क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों में संवर्धन	2012-13	स्मार्टकार्डों की व्यवस्था का प्रस्ताव विचाराधीन है।
2.	सूचना प्रौद्योगिकी	विमानन के क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों का संवर्धन	3.00	-	एयरपोर्टों पर समग्र सुरक्षा के लिए आईटी आधारित समाधान	विमानन के क्षेत्र में सुरक्षा मानकों/पद्धतियों में संवर्धन	2012-13	एयरपोर्ट प्रवेश पास जारी करने के लिए स्वधात्रिक प्रणाली प्रारंभ की गई है। भुगतान किया जाना है।
3.	नागर विमानन सुरक्षा प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु	10.00	-	दिल्ली में प्रशिक्षण अकादमी .	प्रशिक्षण के जरिए विमानन में सुरक्षा मानकों/परिपाटियों में वृद्धि करना	2012-13	बीसीएस, डीजीसीए और एएआई की एक संयुक्त प्रशिक्षण अकादमी (एनआईएएमएआर) में स्थापित किए जाने का निर्णय लिया है।.

4.	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की पुनर्संरचना और मुख्यालय भवन का निर्माण	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो का सुदृढ़ीकरण			दिल्ली में मुख्यालय भवन तथा अतिरिक्त पदों का सृजन और अमृतसर, हैदराबाद, गुवाहाटी तथा अहमदाबाद में 04 नए क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना । मुंबई कार्यालय भवन का निर्माण, नए कर्मचारियों के लिए व्यय, नागर विमानन सम्मेलन पर व्यय इकाओ सलाहकार सेवा के लिए भुगतान और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के स्टाफ के ऑफिस के क्षेत्रीय कार्यालय के लिए किराए का भुगतान।	संवर्धित कुशलता तथा सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों की बेहतर व्यवस्था	2012-13	नए क्षेत्रीय कार्यालय के स्थान के लिए व्यवस्था की जा रही है। यह निर्णय लिया गया है कि नई दिल्ली में, सफदरजंग एयरपोर्ट पर बीसीएस तथा डीजीसीए के लिए संयुक्त भवन का निर्माण किया जाए।
(क)	क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यालय स्थल का निर्माण		26.50	-				
(ख)	बीसीएएस (मुख्यालय) भवन का निर्माण		10.00	-				
(ग)	वेतन एवं भत्ते		2.00	-				
(घ)	घरेलू यात्रा व्यय		0.50	-				
(ड.)	कार्यालय व्यय		0.80	-				
(च)	विदेशी यात्रा व्यय		0.50	0.01				

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (2012-13) (जारी)

(करोड़ रूपये में)

क्रमसं	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2012-13	योजनागत बजट 2012-13	31.12.2012 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	31.12.2012 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पूंजी								
(छ)	अन्य प्रशासनिक व्यय			1.00	-				
(ज)	व्यावसायिक सेवाएं			1.00	-				
(झ)	किराया, दरें तथा कर			0.20	-				
(ट)	प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण			2.00	-				
5.	इकाओ के सीएएसपी-एपी कार्यक्रम के लिए अंशदान	सीएएसपी-एपी कार्यक्रम में भारत की भागीदारी	-	0.20	0.11	35,000 अमरीकी डॉलर की राशि के भारतीय अंशदान का भुगतान किया जाएगा।	इकाओ समर्थित कार्यक्रम में भारत की भूमिका में वृद्धि	2012-13	इकाओ कार्यक्रम के अंशदान में 20,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जा चुका है।

6.	सभा एवं सम्मेलन	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	-	1.00	-	विमानन सुरक्षा पर सम्मेलन एवं संगोष्ठियां	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	2012-13	-
7.	अनुसंधान एवं विकास	विमानन सुरक्षा में अनुसंधान	-	0.50	-	विमानन सुरक्षा में अनुसंधान	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	2012-13	-
8.	एडवांस इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बॉडी स्कैनर)	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	-	0.20	-	एडवांस इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बॉडी स्कैनर) का संस्थापन	सुरक्षा मानकों में संवर्धन	2012-13	योजना विचाराधीन है।
9.	रेडियोलॉजीकल डिटेक्शन उपकरण	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	-	24.00	-	हवाईअड्डो पर रेडियोलॉजीकल डिटेक्शन उपकरण का संस्थापन	सुरक्षा मानकों में संवर्धन	2012-13	योजना विचाराधीन है।.
10.	ई-गर्वनेंस परियोजना का कार्यान्वयन	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	-	5.60	-	हवाईअडडों पर सूचना प्रोद्योगिकी पर आधारित हवाईअड्डा प्रवेश और सुरक्षा का संपूर्ण पुनरूद्धार करना	विमानन में सुरक्षा मानक/पद्धतियों में संवर्धन	2012-13	-
11.	स्थापना (गैर योजना)	बीसीएएस के कार्यालय के सुचारू कार्यप्रणाली को सुनिश्चित करना	8.48	-	6.23	संस्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स को आंका नहीं जा सकता।	-	2012-13	-

एयरो क्लब ऑफ इंडिया (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	31.03.2012 तक के वास्तविक निष्कष/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	उड़ान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स का विकास	देश में उड़ान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना	6.00	0.84	4 एकल इंजन प्रशिक्षक एयरो स्पोर्ट्स विमान, 2 मोटर ग्लाइडर, 5 पैरासेल, पैरासेलिंग के लिए 5 जिप्सी तथा 10 स्पोर्ट्स पैराशूट सेट	उड़ान प्रशिक्षण तथा ब्रॉड बेसिन के संवर्धन/एयरो स्पोर्ट्स के संवर्धन के लिए योग्य उड़ान क्लबों/संगठनों को आवंटित किया जाएगा।	मार्च, 2012	एक मारूति जिप्सी 2 एअरो मॉडल तथा 10 स्पोर्ट पैराशूट की व्यवस्था करके एयरो क्लब ऑफ इंडिया के संबद्ध सदस्यों को आवंटित किए गए।

एयरो क्लब ऑफ इंडिया (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2012-13	31.12.2012 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	31.12.2012 तक के वास्तविक निष्कष/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	उड़ान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स का विकास	देश में उड़ान प्रशिक्षण तथा एयरो स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना	12.00	-	3 एकल इंजन एयरक्राफ्ट स्पेशल टूल्स। उपकरण तथा इनीशियल स्पेयर 3 एकल इंजन सिमुलेटर 10 स्काईडाइविंग पैराशूट 20 पैरासेल10 एयरोमॉडल एयरोस्पोर्टस काम्प्लेक्स लाइब्रेरी गैलेरी, आईटीई-मानिटरिंग	उड़ान प्रशिक्षण एयरो स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करने के लिए योग्य उड़ान क्लबों/संगठनों को आवंटित किया जाएगा।	मार्च, 2013	-

22--349 मिनि. ऑफ सिविल एविएशन/2012

नागर विमानन मंत्रालय/सचिवालय(2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	गैर योजनागत बजट 2011-12	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	31.3.2012 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	अंतरराष्ट्रीय प्रचालनों तथा विमानन अध्ययन में भारतीय वाहकों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना।	एयरलाइनों तथा हवाईअड्डों के समक्ष धन तंगियों को ध्यान में रखते हुए भारत में नामित एयरलाइनों के लिए उपलब्ध क्षमता पात्रताओं का इष्टतम उपयोग	--	3.10	1.08	विमान संपर्कता का उच्च स्तर	भारत में नामित एयरलाइनों के लिए उपलब्ध क्षमता पात्रताओं का इष्टतम उपयोग	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	इंडोनेशिया, ब्राजील,उगांडा, जमैका, कोरिया, डोमिशनल रिपब्लिक, त्रिनिदाद तथा टोबेगो के साथ एएसए हस्ताक्षर किया गया है। प्रारंभ किया गया है श्री लंका, अफगानिस्तान, सोलोवेनिया, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया, स्वीटजरलैण्ड, आस्ट्रिया, इथोपिया, फिनलैण्ड, युगाण्डा, चेक गणराज्य कोरिया मोजाम्बिक, श्रीलंका ने समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया है। श्रीलंका, इटली,एशियन कनाडा, यूएसए, कैमरून,स्कैण्डेनेविया, लावा, पीडीआर नाईजीरिया, बोत्सवाना, मलेशिया, मकदूनिया के साथ कार्यवृत्त पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
2.	विमानन क्षेत्र में आईटी औजारों का प्रयोग तथा क्षमता निर्माण	नागर विमानन के क्षेत्र में प्रभावपूर्ण प्रबंधन एवं नियंत्रण को बढ़ाना	--	2.40	1.21	प्रबंधकीय स्तर के अधिकारियों की उन्नत विशेषज्ञता एवं कौशल	नागर विमानन के क्षेत्र में संवर्धित प्रभावपूर्ण प्रबंधन एवं	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	भारत में सेक्टरों के विकास के लिए नागर विमानन मुद्दों पर आईटीए द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिकारियों ने भाग लिया।

							नियंत्रण		
3.	प्रचार एवं ग्राहक जागरूकता	विमानन क्षेत्र के संबंध में जनसाधारण को शिक्षित करना एवं उनकी समस्याओं का निवारण करना	--	2.00	0.71	सशक्त ग्राहक	नागर विमानन क्षेत्र पर जन दृष्टिकोण को व्यापक करना	मार्च, 2012 तक पूरा होने की संभावना है।	प्रचार तथा ग्राहक जागरूकता पर व्यय किया गया। आउटपुट/आउटकम क्वांटीफाइड नहीं किया जा सकता है।
4.	विमानन सेक्टर से संबंधित सम्मेलन तथा संगोष्ठियां	भारत में नागर विमानन सेक्टर को विकसित करना	--	2.00 --	1.25	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/ संगोष्ठियां	भारत में नागर विमानन सेक्टर का विकास	11वीं योजना अवधि से आगे जारी रहने की संभावना है।	आईसीएएन तथा ईयू ईटीएस सम्मेलन आयोजित किया गया।
5.	स्थापना	मंत्रालय का सुचारू कार्यक्लाप सुनिश्चित करना	16.55	--	14.80	स्थापना व्यय। क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स पर कार्य नहीं किया जा सका।	--	2011-12 के दौरान	-
6.	हज चार्टर उड़ानों के प्रचालन के लिए सब्सिडी का भुगतान	हज चार्टर उड़ानों का प्रचालन	600.00	--	606.02	हज तीर्थयात्रियों के लिए लगभग 1,20,000 हज यात्रियों को ले जाया जाएगा।	हज तीर्थ यात्रियों को सब्सिडाइज्ड किरायों पर ले जाना।	सब्सिडी का भुगतान प्रारंभ में तदर्थ आधार पर दिया जाता है जिसे बाद में दावों की लेखा परीक्षा के बाद तय किया जाता है।	-

नागर विमानन मंत्रालय/सचिवालय (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	योजनागत बजट 2012-13	31.12.12 तक का व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट/परिणाम
1	2	3		6	7	8	9	10
1.	अंतरराष्ट्रीय प्रचालनों तथा विमानन अध्ययन में भारतीय वाहकों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना।	एयरलाइनों तथा हवाईअड्डों के समक्ष धन तंगियों को ध्यान में रखते हुए भारत में नामित एयरलाइनों के लिए उपलब्ध क्षमता पात्रताओं का इष्टतम उपयोग	5.00	0.62	विमान संपर्कता का उच्च स्तर	भारत में नामित एयरलाइनों के लिए उपलब्ध क्षमता पात्रताओं का इष्टतम उपयोग	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	म्यांमार, अजरबेजान के साथ एएसए हस्ताक्षर किए गए हैं। कजाकिस्तान, भूटान तथा ओमान के साथ समझौता अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
2.	विमानन क्षेत्र में आईटी औजारों का प्रयोग तथा क्षमता निर्माण	नागर विमानन के क्षेत्र में प्रभावपूर्ण प्रबंधन एवं नियंत्रण को बढ़ाना	5.50	--	प्रबंधकीय स्तर के अधिकारियों की उन्नत विशेषज्ञता एवं कौशल	नागर विमानन के क्षेत्र में संवर्धित प्रभावपूर्ण प्रबंधन एवं नियंत्रण	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	भारत में सेक्टर के विकास के लिए नागर विमानन मामलों पर आयटा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार अधिकारियों ने प्रतिभागिता की।
3.	प्रचार एवं ग्राहक जागरूकता	विमानन क्षेत्र के संबंध में जनसाधारण को शिक्षित करना एवं उनकी समस्याओं	3.00	0.78	अधिकार प्राप्त उपीभोक्ता ग्राहक	नागर विमानन क्षेत्र पर जन दृष्टिकोण को व्यापक करना	मार्च, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।	प्रचार तथा ग्राहक जागरूकता के लिए आउटपुट/आउटकम को क्वांटीफाइड नहीं किया जा सकता।

		का निवारण करना						
4.	विमानन सेक्टर से संबंधित सम्मेलन तथा संगोष्ठियां	भारत में नागर विमानन सेक्टर को विकसित करना	3.00	-	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/ संगोष्ठियां	भारत में नागर विमानन सेक्टर का विकास	2012-13 से आगे जारी रहने की संभावना है।	-
5	राष्ट्रीय विमानन विश्वविधालय की स्थापना	नागर विमानन सेक्टर में तकनीक और व्यावसायिक दृष्टि से योग्यताप्राप्त जनशक्ति का पूल सृजित करना	0.10	-	तकनीक और व्यावसायिक दृष्टि से योग्यताप्राप्त जनशक्ति	तकनीक और व्यावसायिक दृष्टि से योग्यताप्राप्त जनशक्ति का पूल	डीपीआर सहित व्यवहारिता अध्ययन 2012-13 के दौरान पूरा कर लिया जाएगा।	सफल बोलीदाता का विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए 17.12.12 का कांट्रैक्ट अवार्ड दिया गया।
6	दूरस्थ और अगम्य क्षेत्रों के लिए अनिवार्य हवाई सेवाएं	गैर-किफायती किन्तु अनिवार्य भागों पर हवाई परिवहन सेवाओं के लिए सुस्पष्ट अनिवार्य हवाई सेवा निधि (ईएएसएफ) की स्थापना	0.10	-	अनिवार्य हवाई सेवा निधि (ईएएसएफ)	गैर-किफायती किन्तु अनिवार्य भागों पर हवाई परिवहन सेवाओं की उपलब्ध	एयरोनौटिक्स प्रमोशन काउंसिल की रिपोर्ट को 2012-13 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	क्षेत्रीय एअर कांटेक्टविटी से संबंधित अध्ययन किया जा रहा है।
7	शासन (गवेर्नेंस) में नव प्रयोग	सरंक्षा, सुरक्षा, पर्यावरण, भूमि अधिग्रहण आदि समेत नागर विमानन के सभी क्षेत्रों में प्रभावोत्पादकता सुधारनेमें स्वैच्छिक सेक्टर की भागीदारी	0.10	-	नागर विमानन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वैच्छिक सेक्टर की व्यापक भागीदारी	नागर विमानन के सभी क्षेत्रों में प्रभावोत्पादक ता के लिहाज से भिन्नता	कार्यबल की रिपोर्ट को 2012-13 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	-

8	एयरोस्पेस उद्योग का विकास	भारत में स्वदेशी सिविल विमानों और अन्य औद्योगिक उत्पादों की निर्माण क्षमता का विकास	0.10	-	स्वदेशी सिविल विमान और अन्य औद्योगिक उत्पाद	वैमनिकी उत्पादों का स्वदेशीकरण और निर्माण	एयरोनौटिक्स प्रमोशन काउंसिल की रिपोर्ट को 2012-13 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	-
9	नागर विमानन संग्रहालय की स्थापना	भारत में विमानन के विकास को पुरालेखबद्ध करना, वैमानिकों उपस्करों का संग्रहण, संरक्षण और प्रदर्शन करना और विमानन तथा स्पेसफ्लाइट विज्ञानों के अध्ययन के लिए शैक्षणिक सामग्री मुहैया कराना	0.10	-	नागर विमानन संग्रहालय	भारत में विमानन के विकास को पुरालेखबद्ध करना, वैमानिकों उपस्करों का संग्रहण, संरक्षण और प्रदर्शन करना और विमानन तथा स्पेसफ्लाइट विज्ञानों के अध्ययन के लिए शैक्षणिक सामग्री मुहैया कराना	स्थाई समिति की रिपोर्ट को 2012-13 के दौरान अंतिम रूप दे दिया जाएगा।	

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	गैर योजना बजट 2012-13	योजना बजट 2012-13	31.12.2012 तक व्यय	क्वॉन्टिफिएबल डिलीवरेब्लस वास्तविक निष्कर्ष	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं /समयोचित	31.12.2012 तक के वास्तविक निष्कर्ष/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
10.	स्थापना	मंत्रालय के सुचारु कार्यकरण को सुनिश्चित करना	16.75	-	14.05	स्थापना व्यय क्वांटिफिएबेल डिलिवेरेबल्स को नहीं आंका जा सकता।	-	2012-13 के दौरान	
11.	हज चार्टर विमानों के लिए सब्सिडी का भुगतान	हज चार्टर विमानों का प्रचालन	655.00	-	555.90	हज तीर्थयात्रा के लिए लगभग 1,20,000 हज यात्रियों को ले जाएगा।	हज तीर्थयात्रियों को सब्सिडाइज्ड किरायों पर ले जाना।	सब्सिडी का भुगतान प्रारंभ में तदर्थ आधार पर दिया जाता है जिसे बाद में दावों की लेखा परीक्षा के बाद तय किया जाता है।	

रेल संरक्षा आयोग (2011-12)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	गैर योजना बजट 2011-12	31.03.2012 तक व्यय	क्वॉन्टिफिएबल डिलीवरेब्लस वास्तविक निष्कर्ष	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाए /समयोचित	31.03.2012 तक के वास्तविक निष्कर्ष/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	स्थापना	रेल संरक्षा आयोग के सुचारु कार्यकरण को सुनिश्चित करना	सकल - 7.59 वसूली - 0.04 निवल - 7.55	6.48	स्थापना व्यय क्वांटिफिएबेल डिलिवेरेबल्स को नहीं आंका जा सकता।	-	-	-

रेल संरक्षा आयोग (2012-13)

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटकम	गैर योजना बजट 2012-13	31.12.2012 तक व्यय	क्वॉन्टिफिएबल डिलीवरेब्लस वास्तविक निष्कर्ष	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाए /समयोचित	31.12.2012 तक के वास्तविक निष्कर्ष/परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	स्थापना (गैर-योजना)	रेल संरक्षा आयोग के सुचारु कार्यकरण को सुनिश्चित करना	सकल - 7.09 वसूली - 0.04 निवल - 7.05	5.21	स्थापना व्यय क्वांटिफिएबेल डिलिवेरेबल्स को नहीं आंका जा सकता।	-	2012-13	-

अध्याय V

वित्तीय समीक्षा

5.1.1 वर्ष 2011-12 के दौरान नागर विमानन मंत्रालय बजट में किए गए प्रावधान तथा 2011-12 के लिए वास्तविक (वसूलियों का निवल), निम्नानुसार हैः

(करोड़ रुपए में)

	योजना	गैर-योजना	कुल
बजट अनुमान 2011-12	1700.00	693.88	2393.88
संशोधित अनुमान 2011-12	1500.00	764.86	2264.86
2011-12 के लिए वास्तविक	1357.43	682.51	2039.94

5.1.2 अनुमेदित परिव्ययों का संगठनवार/स्कीम-वार ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(करोड़ रुपए में)

क्रम सं.	योजना	बजट अनुमान 2011-12	संशोधित अनुमान 2011-12	व्यय 2011-12
क.	**गैर-योजना**			
1.	(i) नागर विमानन मंत्रालय-सचिवालय	16.55	15.26	14.80
	(ii) नागर विमानन महानिदेशालय	52.59	44.59	41.95
	(iii) नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	11.13	7.70	7.26
	(iv) रेल संरक्षा आयोग	7.59	6.29	6.48
2.	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को एफटीटी के शेयर का भुगतान	0.01	0.01	0.00
3.	हज चार्टरों के प्रचालन के लिए सब्सिडी	600.00	685.00	606.02
4.	विमान पत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण	6.00	6.00	6.00
5.	राज्य सरकार को राज सहायता (उड़ान सब्सिडी)	0.05	0.05	0.00

	कुल गैर योजना (सकल)	693.92	764.90	682.51
	वसूलियां	0.04	0.04	0.00
	कुल गैर योजना (निवल)	**693.88**	**764.86**	**682.51**
ख.	**योजना**			
1.	(i) नागर विमानन मंत्रालय-सचिवालय	9.50	6.00	4.25
	(ii) नागर विमानन महानिदेशालय	60.00	25.00	18.35
	(iii) नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	136.35	46.35	8.52
2.	**निवेश**			
	(i) नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड	1200.00	1200.00	1200.00
	(ii) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	280.15	208.65	121.00
	(iii) पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड	3.00	3.00	0.00
3.	सहायता अनुदान			
	(i) इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी	5.00	5.00	4.47
	(ii) एयरो क्लब ऑफ इंडिया	6.00	6.00	0.84
	कुल योजना	**1700.00**	**1500.00**	**1357.43**
	कुल योग (योजना+गैर योजना)	**2393.88**	**2264.86**	**2039.94**

5.2.1 वर्ष 2012-13 के दौरान नागर विमानन मंत्रालय के बजट में किए गए प्रावधान, वर्ष 2012-13 के लिए संशोधित अनुमान तथा वर्ष 2013-14 के लिए अनुमोदित (निवल वसूलियां) प्रावधान निम्नानुसार है:- :

(करोड़ रुपए में)

	योजना	गैर-योजना	कुल
बजट अनुमान 2012-13	4500.00	738.80	5238.80
संशोधित अनुमान 2012-13	6200.00	1008.72	7208.72
2013-14 के लिए वास्तविक	5200.00	682.18	5882.18

5.2.2 स्वीकृत परिव्यय का संगठनवार/योजनावार ब्यौरा निम्नानुसार है::

(करोड़ रुपए में)

क्रम सं.	**योजना**	**बीई 2012-13**	**आरई 2012-13**	**बीई 2013-14**
क.	**गैर-योजना**			
1.	(i) नागर विमानन मंत्रालय-सचिवालय	16.75	17.52	18.80
	(ii) नागर विमानन महानिदेशालय	47.00	48.18	50.71
	(iii) नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	8.48	8.37	10.45
	(iv) रेल संरक्षा आयोग	7.09	7.17	8.04
2.	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को एफटीटी के शेयर का भुगतान	0.01	0.01	0.01
3.	हज चार्टरों के प्रचालन के लिए सब्सिडी	655.00	923.00	589.50
4.	विमान पत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण	4.50	4.50	4.70
5.	एयरपोर्ट इकनकामिक रेगुलेटरी अथारिटी	0.01	0.01	0.01
	राज्य सरकार को राज सहायता (उड़ान सब्सिडी)	738.84	1008.76	682.22
	वसूलियां	0.04	0.04	0.04
	कुल गैर योजना (सकल)	**738.80**	**1008.72**	**682.18**
ख.	**योजना**			

1.	(i) नागर विमानन मंत्रालय-सचिवालय	17.00	7.00	105.00
	(ii) नागर विमानन महानिदेशालय	60.00	13.00	30.00
	(iii) नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	95.00	9.00	10.00
2.	निवेश			
	(i) एअर इंडिया लिमिटेड	4000.00	6000.00	5000.00
	(ii) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	280.00	147.00	42.00
	(iii) पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड	5.00	5.00	0.00
	(iv) भारतीय होटल निगम लिमिटेड	25.00	10.00	5.00
3.	सहायता अनुदान			
	(i) इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी	6.00	6.00	0.00
	(ii) एयरो क्लब ऑफ इंडिया	12.00	3.00	8.00
	कुल योजना	**4500.00**	**6200.00**	**5200.00**
	कुल योग (योजना+गैर योजना)	**5238.80**	**7208.72**	**5882.18**

5.3.1 विवरण का ब्यौरा अनुबंध 1 पर उपलब्ध है।

5.4.1 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा लाभांश भुगतान

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा 2011-12 तथा 2012-13 के दौरान अदा किए गए लाभांश निम्नानुसार हैं :-

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	**संस्थान**	**2011-12**			**2012-13**		
		अंतरिम	अंतिम	कुल	अंतरिम	अंतिम	कुल
1.	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	-	171.90	171.90	-	-	-

5.4.2 सब्सिडीयुक्त दरों पर हज यात्रियों का वहन

वे भारतीय हज यात्री जो भारतीय हज समिति के माध्यम से यात्रा करते हैं बैलोटी हज यात्री कहलाते हैं। हज यात्री सउददी अरबिया के लिए यात्रा के लिए निजी टूर आपरेटरों (पीटीओ) के जरिए अपनी स्वयं की निजी प्रबंध व्यवस्था भी कर सकते हैं। बैलोटी हज यात्रियों की यात्रा भारत सरकार द्वारा सब्सिडी प्राप्त है। हज चार्टस के प्रचालन के लिए सब्सिडी वर्ष 2012-13 के संशोधित अनुमान में 655.00 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 923.00 करोड़ रुपए कर दी गई। हज 2012 में जेददद्यह की यात्रा करने वाले बैलोटी हज यात्री लगभग 1,25,064 (88 नवजात शिशुओं को छोड़कर) थे।

5.4.3 उपयोगिता प्रमाणपत्रों की प्राप्ति

उपयोग संबंधी प्रमाणपत्र की प्राप्ति की निरंतर मानिटरिंग की जा रही है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सामान्य वित्तीय नियमों के प्रावधान के अनुसार उपयोग संबंधी प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात ही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा गारंटी संस्थानों को निधियां प्रदान की जाएं।

5.4.4 राज्य सरकारों तथा कार्यान्वयन एजेंसियों के पास शेष बकाया

नागर विमानन क्षेत्र में कोई केन्द्रीय रुप से प्रयोजित योजना नहीं है। इस प्रकार राज्य सरकार के स्वामित्व वाले फ्लाइंग क्लबों को उपलब्ध कराई जाने वाली उड़ान सहायता को छोड़कर नागर विमानन मंत्रालय के बजट से राज्य सरकार को कोई धन उपलब्ध नहीं कराया जाता है। जहां तक उड़ान सब्सिडी का संबंध है, सरकार के स्वामित्व वाले फ्लाइंग क्लबों को वास्तविक व्ययों के पश्चात पुनर्भुगतान के रुप में निधियां जारी की जाती हैं।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को नागर विमानन सुरक्षा प्रशिक्षण अकादमी 2.65 करोड़ रुपए निर्माण की अपनी परियोजना के संबंध में अग्रिम रुप में भुगतान किया है। नागर विमान सुरक्षा प्रशिक्षण अकादमी के निर्माण का प्रस्ताव दिल्ली में निर्माण हेतु प्रस्तावित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के भवन परिसर के भाग के रुप में किया गया था। प्रस्तावित भवन परिसर के निर्माण स्थल पर शहरी विकास मंत्रालय की आपतियों की वजह से कार्य शुरु करना संभव नहीं हो सका। अब यह निर्णय लिया गया है कि नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की संयुक्त प्रशिक्षण अकादमी नेशनल इंस्ट्रीच्यूट ऑफ एविएशन एंड रिसर्च (NIAMAR) में भारतीय विमानन अकादमी के संरक्षण में स्थापित किया जाए।

****

विवरण

नागर विमानन मंत्रालय

1 नागर विमानन मंत्रालय के बजट अनुमान 2012-13, संशोधित अनुमान 2012-13 बजट अनुमान 2013-14 में किए गए योजना तथा गैर योजनागत प्रावधान निम्न प्रकार से है:

(लाख रुपये में)

	वास्तविक 2011-12			बजट अनुमान 2012-13			संशोधित अनुमान 2012-13			बजट अनुमान 2013-14		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
नागर विमानन मंत्रालय (सचिवालय)	135744.03	68250.05	203994.08	450000.00	73880.00	523880.00	620000.00	100872.00	720872.00	520000.00	68218.00	588218.00

0.00

(लाख रुपये में)

क्रम सं.	कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम	वास्तविक 2011-12			बजट अनुमान 2012-13			संशोधित अनुमान 2012-13			बजट अनुमान 2013-14		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1.	नागर विमानन मंत्रालय (सचिवालय)	424.69	1479.40	1904.09	1700.00	1675.00	3375.00	700.00	1752.00	2452.00	10500.00	1880.00	12380.00
2.	नागर विमानन महानिदेशालय (मंत्रालय द्वारा प्रचालित प्रावधानों सहित)	134466.58	65397.39	199863.97	438800.00	70652.00	509452.00	618400.00	97570.00	715970.00	508500.00	64493.00	572993.00
3.	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	852.76	725.70	1578.46	9500.00	848.00	10348.00	900.00	837.00	1737.00	1000.00	1045.00	2045.00
4.	रेल संरक्षा आयोग	0.00	647.56	647.56	0.00	705.00	705.00	0.00	713.00	713.00	0.00	800.00	800.00
	कुल	**135744.03**	**68250.05**	**203994.08**	**450000.00**	**73880.00**	**523880.00**	**620000.00**	**100872.00**	**720872.00**	**520000.00**	**68218.00**	**588218.00**

2. वित्तीय आवश्यकताएं नागर महानिदेशालय (नागर विमानन मंत्रालय द्वारा प्रचालित)

(लाख रुपये में)

क्रमस.	कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम	वास्तविक 2011-12			बजट अनुमान 2012-13			संशोधित अनुमान 2012-13			बजट अनुमान 2013-14		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1.	एयरोड्रोम और विमान मार्ग सेवाएं												
a)	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में निवेश	95.50	0.00	95.50	50.00	0.00	50.00	26.00	0.00	26.00	0.00	0.00	0.00
ii.	पवन हंस हेलीकोप्टर लिमिटेड में निवेश	0.00	0.00	0.00	500.00	0.00	500.00	500.00	0.00	500.00	0.00	0.00	0.00
iii.	नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (र	120000.00	0.00	120000.00	400000.00	0.00	400000.00	600000.00	0.00	600000.00	500000.00	0.00	500000.00
	में निवेश (अब एअरइंडिया लि												
iv.	भारतीय होटल निगम में निवेश	0.00	0.00	0.00	2500.00	0.00	2500.00	1000.00	0.00	1000.00	500.00	0.00	500.00
ख)	भारतीय विमानपतन प्राधिकरण को ऋण	94.50	0.00	94.50	50.00	0.00	50.00	26.00	0.00	26.00	0.00	0.00	0.00
2.	परियोजना के लिए प्रावधान/पूर्वोत्तर क्षेत्र	0.00	0.00	0.00	8052.00	0.00	8052.00	1991.00	0.00	1991.00	3200.00	0.00	3200.00

	और सिक्किम की लाभप्रद योजना												
3.	अंतराष्ट्रीय सहयोग	50.74	248.45	299.19	50.00	300.00	350.00	50.00	370.00	420.00	60.00	340.00	400.00
4.	भा.वि.प्रा. को भुगतान (एफटीटी का शेयर)	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00
5.(i)	इगुआ का भुगतान	446.95	0.00	446.95	500.00	0.00	500.00	600.00	0.00	600.00	0.00	0.00	0.00
(ii)	भारतीय एयरो क्लब को भुगतान	84.40	0.00	84.40	1200.00	0.00	1200.00	300.00	0.00	300.00	800.00	0.00	800.00
(iii)	भा.वि.प्रा. को भुगतान	11910.00	0.00	11910.00	19948.00	0.00	19948.00	12657.00	0.00	12657.00	1000.00	0.00	1000.00
(iv)	ऐरा को भुगतान	0.00	600.00	600.00	0.00	450.00	450.00	0.00	450.00	450.00	0.00	470.00	470.00
(v)	पीएचएचएल को भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6.	लैसिल को हज चार्टरों के प्रचालन के लिए भुगता	0.00	60601.62	60601.62	0.00	65500.00	65500.00	0.00	92300.00	92300.00	0.00	58950.00	58950.00
	कुल	**132682.09**	**61450.07**	**194132.16**	**432850.00**	**66251.00**	**499101.00**	**617150.00**	**93121.00**	**710271.00**	**505560.00**	**59761.00**	**565321.00**

26—349 मिनि. ऑफ सिविल एविएशन/2012

2(2) Directorate General of Civil Aviation - Revenue

(लाख रुपये में)

S.N.	कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम	वास्तविक 2011-12			बजट अनुमान 2012-13			संशोधित अनुमान 2012-13			बजट अनुमान 2013-14		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1.	निर्देशन एवं पशासन	490.52	2467.91	2958.43	1000.00	2665.25	3665.25	450.00	2763.42	3213.42	936.00	2975.25	3911.25
2.	विमानिक निरीक्षण (हवाई सुरक्षा सहित)	80.54	1342.48	1423.02	200.00	1542.25	1742.25	200.00	1506.03	1706.03	4.00	1553.25	1557.25
3.	प्रशिक्षण एवं शिक्षा	0.00	96.22	96.22	0.00	149.50	149.50	0.00	135.55	135.55	0.00	154.50	154.50
4.	शोध एवं विकास	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00
5.	राजस्व सरकारों को अनुदान	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6.	विभागीय कैंटीन	0.00	40.71	40.71	0.00	43.00	43.00	0.00	43.00	43.00	0.00	48.00	48.00
	कुल	**571.06**	**3947.32**	**4518.38**	**1200.00**	**4401.00**	**5601.00**	**650.00**	**4449.00**	**5099.00**	**940.00**	**4732.0**	[illegible]

2(3) नागर विमानन महानिदेशालय पूंजी

क्रम सं.	कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम	वास्तविक 2011-12	बजट अनुमान 2012-13	संशोधित अनुमान 2012-13	बजट अनुमान 2013-
1.	निर्देशन एवं पशासन	1213.43	4750.00	600.00	2000.00
2.	प्रशिक्षण एवं शिक्षा	0.00	0.00	0.00	0.00
3.	शोध एवं विकास	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल	**1213.43**	**4750.00**	**600.00**	**2000.00**

2(4) वित्तीय आवश्ययकताएं-नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो

क्रम सं.	कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम	वास्तविक 2011-12			बजट अनुमान 2012-13			संशोधित अनुमान 2012-13			बजट अनुमान 2013-14		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	
	नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो												
1.	राजस्व	213.76	725.70	939.46	2530.00	848.00	3378.00	900.00	837.00	1737.00	520.00	1045.00	
2.	पूंजी	639.00	0.00	639.00	6970.00	0.00	6970.00	0.00	0.00	0.00	480.00	0.00	
	कुल	**852.76**	**725.70**	**1578.46**	**9500.00**	**848.00**	**10348.00**	**900.00**	**837.00**	**1737.00**	**1000.00**	**1045.00**	**2045.00**

अध्याय - VI									
आउटकम बजट 2011-12 व 2012-13 में निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में सांविधिक व स्वायत्त निकायों के निष्पादन की समीक्षा									
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011.12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	कोलकाता								
1	ने.सु.च.बोस हवाई अड्डा कोलकाता पर एकीकृत टर्मिनल भवन व संबद्ध कार्यों का विकास	हवाई अड्डा अवसंरचना का विकास		670.00	618.85	100%	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप यात्री सुविधाएं उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	मार्च, 2012	कार्य प्रगति पर है। 96% कार्य पूरा हो गया है। प्रचालन कारणों से चरणों में स्थान को सौंपने के कारण देरी तथा राज्य सरकार द्वारा वी आई पी सड़क व फ्लाईओवर के अनुमोदन में देरी।
	चेन्नई								
1	कामराज अंतर्देशीय टर्मिनल चरण-।। का विकास, मौजूदा अन्ना अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का विस्तार तथा चेन्नई हवाई अड्डे पर वर्तमान टर्मिनलों को उन्नत करना ।	-वही-	-	351.84	366.23	100%	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप यात्री सुविधाएं उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	दिसम्बर, 2011	कार्य प्रगति पर है। 99% कार्य पूरा हो गया है। प्रचालन कारणों से चरणों में स्थान को सौंपने के कारण देरी। दो वर्षों से अधिक की देरी के पश्चात् रक्षा प्राधिकरण द्वारा भूमि सौंपी गई।
2.	एकीकृत कार्गो टर्मिनल (चरण-।।।)	-वही-	-	50.50	22.05	100%	यह व्यवस्थित हैंडलिंग, अतिरिक्त	दिसम्बर, 2011	कार्य प्रगति पर है। 92% कार्य पूरा हो गया है। प्रचालन कारणों

							भण्डारण सुविधा कार्गो के लिए शीत संग्रहण सुविधा को बढाएगी		से चरणों में स्थान को सौंपने के कारण देरी। शेष कार्य पूरा कर दिया गया है और प्रचालन में है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011.12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिए बल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	उत्तरी क्षेत्र								
	खजुराहो								
1	टर्मिनल भवन कॉम्प्लैक्स का निर्माण	-वही -	-	18.00	4.11	100%	इसमें एक समय में 500 अंतर्देशीय यात्रियों (250 आगमन व 250 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता वाले अतिरिक्त टर्मिनल को शामिल किया जाएगा ।	जून, 2011	41% कार्य पूरा किया। ठेका एजेंसी द्वारा गैर-निष्पादन के कारण कार्य पुन: सुपुर्द किया गया । शेष कार्य जोखिम व लागत पर लिया गया । कार्य की प्रगति धीमी है। इस कार्य के पूरा होने तक नई ठेका एजेंसी को भा.वि.प्रा. में आगामी कार्यों के लिए निविदा जारी करने से रोका गया है।
	लखनऊ								
1	नए एकीकृत टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	-	22.00	12.84	100%	इसमें एक समय में 500 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों (250 आगमन व 250 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता वाले अतिरिक्त टर्मिनल को शामिल किया जाएगा ।	जून, 2011	कार्य पूरा किया गया ।
	लेह								
1	250 यात्रियों के लिए नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	0.50	-	-	15%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	अक्टूबर, 2013	परियोजना योजना स्तर पर है ।
	जयपुर								
1.	धावनपथ का विस्तार	-वही -	-	25.00	-	100%	विशाल आकार वाले विमान के	मार्च, 2014	कार्य सौंपे जाने के स्तर पर है ।

	तथा मौजूदा धावनपथ व उससे संबद्ध कार्यों का सुदृढ़ीकरण						प्रचालन को सुविधाजनक बनाने हेतु ।		

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011-12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	जैसलमेर								
1	एप्रन सहित नए सिविल एन्कलेव का विकास	-वही -	-	15.00	11.31	100%	अंतिम आउटकम - एक समय में 250 यात्रियों (125 आगमन व 125 प्रस्थान) को संभालने के लिए टर्मिनल भवन तथा दो एबी-320/बी-737 प्रकार के विमान की पार्किंग के लिए एप्रन।	जून, 2012	कार्य प्रगति पर है। 95% कार्य पूरा हो गया है। गर्मी के मौसम में मुख्य रूप से मजूदरों की अनुपलब्धता के कारण धीमी प्रगति। भारत सरकार की मनरेगा योजना से जुड़े होने के कारण मजदूरों की अनुपलब्धता।
	अजमेर								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	-वही -	0.50	-	-	10%	अजमेर तक एयर कनैक्टीविटी को सुविधाजनक बनाना, नया टर्मिनल भवन एक समय में 150 यात्रियों (75 आगमन व 75 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा ।	दिसम्बर, 2014	परियोजना योजना स्तर पर है, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा भूमि सुपुर्द नहीं की गई है ।
	जम्मू								
1	टर्मिनल भवन का विस्तार व रूपांतरण	-वही -	2.07	-	-	30%	नया टर्मिनल भवन एक समय में 720 यात्रियों (360 आगमन व 360 प्रस्थान) को संभालेगा।	जून, 2013	निविदा कार्रवाई प्रक्रियाधीन है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011-12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	पूर्वी क्षेत्र								
	भुवनेश्वर								
1	टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	-	40.00	36.93	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करने तथा एक समय में 800 यात्रियों (400 आगमन व 400 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता को बढ़ाना ।	जुलाई, 2012	कार्य प्रगति पर है। 70% कार्य पूरा हो गया है। मानसून के लंबे समय तक बने रहने तथा कुशल श्रमिकों की कमी के कारण देरी ।
	देवघर								
1	हवाई अड्डे का विकास	-वही -	0.05	-	-	5%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	दिसम्बर,2014	परियोजना योजना स्तर पर है ।
	झारसुगुडा								
1	मॉडयूलर डिजाइन वाले टर्मिनल भवन, एप्रन, कार पार्क, नियंत्रण टॉवर, टैक्सी ट्रैक आदि का निर्माण	-वही -	0.05	-	-	7%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा एक समय में 150 यात्रियों (75 आगमन व 75 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना।	दिसम्बर,2014	परियोजना योजना स्तर पर है।
	रायपुर								
1	टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	-	35.00	21.70	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना।	मई, 2012	कार्य प्रगति पर है। 92% कार्य पूरा हो गया है। ठेका एजेंसी की धीमी प्रगति के कारण उन्हें नई परियोजनाओं की निविदाओं को जारी करने से वर्जित किया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011-12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिए बल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	रांची								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	-वही -	-	34.50	22.37	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	अप्रैल, 2012	कार्य प्रगति पर है। 94% कार्य पूरा हो गया है। स्थान संबंधी कार्य की धीमी प्रगति। स्थानीय ग्रामवासियों के आंदोलनों के कारण पहुंच मार्ग व स्थान के विकास का कार्य शहर की ओर नहीं लिया गया। बंद/हड़ताल/श्रमिकों व इस्पात की कमी/कानून व्यवस्था की समस्याओं के कारण देरी ।
	पोर्टब्लेयर								
1	नए एप्रन सहित नए टर्मिनल भवन का निर्माण ।	-वही -	1.00	-	0.26	10%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	दिसम्बर, 2014	परियोजना योजना स्तर पर है । भारतीय नौ सेना व यू.टी. प्रशासन के साथ भूमि संबंधी मामले का समाधान नहीं हुआ है ।
	दक्षिणी क्षेत्र								
	कोयम्बटूर								
1	टर्मिनल भवन का विस्तार व रूपांतरण	-वही -	-	10.00	21.54	100%	यह एक समय में 400 से 700 यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करेगा।	अप्रैल, 2011	कार्य पूरा हो गया है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011.12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	पुडुचेरी								
1	कार पार्क सहित नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	4.00	-	5.41	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना (एक साथ 75 आगमन तथा 75 प्रस्थान)	मार्च , 2012	कार्य जारी है। 74% कार्य पूरा हो चुका है। संविदा एजेंसी द्वारा धीमी प्रगति तथा भारी मानसून की वजह से विलंब ।
2	विस्तारित रनवे के चारो और पुलिया का निर्माण	वही	8.00	-	0.09	100%	विस्तारित रनवे ए टी आर 72 प्रकार के विमान के प्रचालन में सक्षम होगा।	मार्च , 2012	कार्य पूर्ण
	तिरूपति								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	15.00	-	14.65	60%	नया टर्मिनल भवन एक समय पर 200 अंतरराष्ट्रीय (100 आगमन व 100 प्रस्थान) तथा 500 अंतर्देशीय यात्रियों (250 आगमन एवं 250 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा।	मार्च , 2013	कार्य जारी है। एप्रन कार्य 95% पूरा हो चुका है। टर्मिनल भवन का 10% कार्य पूर्ण। संविदा एजेंसी द्वारा धीमी प्रगति तथा मानसून अवधि में वृद्धि की वजह से विलंब।
2	रनवे का विस्तार व विद्यमान रनवे का	वही	-	0.50	-	25%	चौड़े आकार के जेट विमान के प्रचालन की सुविधा उपलब्ध कराएगा ।	जनवरी , 2013	परियोजना योजना के स्तर पर है। राज्य सरकार के साथ

	सुदृढीकरण								भूमि संबंधित मामला लंबित है ।
	विजयवाड़ा								
1	टर्मिनल भवन का विस्तार	वही	-	0.10	-	100%	टर्मिनल भवन एक समय में 200 यात्रियों (100 आगमन व 100 प्रस्थान) को संभालने में समर्थ होगा।	दिसम्बर , 2011	योजना स्थगित ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011.12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	अगाती								
1	अगाती हवाई अड्डे का उन्नयन(चरण-II)	वही	0.50	-	-	60%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना।	दिसम्बर, 2012	परियोजना योजना के स्तर पर है । पर्यावरणीय क्लीयरेंस की प्रतीक्षा है ।
	पश्चिमी क्षेत्र								
	इन्दौर								
1	टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	-	15.00	28.96	100%	नया टर्मिनल भवन एक समय पर 200 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों (100 आगमन व 100 प्रस्थान) तथा 500 अंतर्देशीय यात्रियों (250 आगमन एवं 250 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा ।	अप्रैल, 2011	कार्य पूर्ण ।
	गोवा								
1	नए टर्मिनल का निर्माण, एप्रन का विस्तार, कार पार्क व संबद्ध कार्य	वही	-	55.00	71.50	55%	नया टर्मिनल भवन एक समय में 750 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों (375 आगमन व 375 प्रस्थान) तथा 2020 अंतर्देशीय यात्रियों (1010 आगमन एवं 1010 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा।	दिसम्बर, 2012	कार्य जारी है । 65% कार्य पूर्ण हो चुका है । भारी वर्षा, परिवर्तित भूमि स्तर का सामना करने से कार्य में देर हुई ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011.12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	वडोदरा								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	-	10.00	2.07	50%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना ।	दिसम्बर , 2012	5% कार्य पूर्ण हो चुका है। 9.5.2011 को कार्य सौंपा गया। स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संबंधी मामलों के उठाए जाने के कारण देर हुई। इस मामले को निपटा लिया गया है।
	जलगॉव								
2	हवाई अड्डे का विकास	वही	5.00	-	30.09	100%	टर्मिनल भवन में एक समय पर 50 अंतर्देशीय यात्रियों (25 आगमन व 25 प्रस्थान) को संभालने की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी ।	मार्च, 2012	99 % कार्य पूर्ण ।
	गोंदिया								
1	हवाई अड्डे का विकास (चरण -II)	वही	38.00	-	0.01	60%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना, यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना एवं ए-320 विमान के प्रचालन हेतु रनवे का उन्नयन।	अक्तूबर, 2012	टर्मिनल भवन का कार्य 28.2.2012 को पूर्ण। रनवे कार्य 43 % पूर्ण। कार्य जारी। भूमि अधिग्रहण मामलों की वजह से विलंब।
	पूर्वोत्तर क्षेत्र								
	पेक्योंग								

1	नए हवाई अड्डे का निर्माण (रनवे कार्य)	वही	72.00	8.00	73.20	100%	सिक्किम से हवाई सेवा का जुडाव उपलब्ध कराने हेतु ए टी आर-72 प्रकार के विमान के प्रचालन में नया हरित क्षेत्र हवाई अड्डा मदद करेगा ।	दिसम्बर, 2011	कार्य जारी है। 68% कार्य पूर्ण। स्थल पर न पहुँच सकने, लम्बी अवधि के मानसून, भूकम्प, गोरखा आंदोलनकारियों द्वारा बार-बार आयोजित बन्द के कारण देर हुई ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011.12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	इटानगर								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	वही	1.00	-	-	50%	अरूणाचल प्रदेश से हवाई सेवा का जुड़ाव उपलब्ध होगा ।	जून , 2012	परियोजना योजना के स्तर पर है । भूमि अधिग्रहण व अन्य मामलें राज्य सरकार से अभी भी निपटाए जाने है ।
	चेतू								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	वही	0.48	-	-	10%	नागालैण्ड से हवाई सेवा का जुड़ाव उपलब्ध होगा ।	दिसम्बर, 2013	परियोजना योजना के स्तर पर है ।
	ए सी एस कार्य								

	गगन - एफ ओ पी कार्यान्वयन	विभिन्न हवाई अड्डों पर विमानपत्तन अवसंरचना का विकास एवं उन्नयन	105.00	-	71.64	84%	इसरो की साझेदारी में वैश्विक दिक्चालन सैटेलाइट प्रणाली को बढाना ।	जून, 2013	कार्य जारी है । 77.92 % कार्य पूर्ण । 1. तृतीय भारतीय दिक्चालन भूमि अपलिंक स्टेशनों की स्थापना हेतु सी एण्ड ई कार्यों में देरी । 2. बी बी एम पी द्वारा आर ओ डब्ल्यू जारी न किए जाने के कारण 14 भारतीय रिफरेंस स्टेशनों (आई एन आर ई एस) एवं दिल्ली तथा इंडियन मास्टर कंट्रोल सेन्टर (आई एन एम सी सी) बंगलौर के बीच द्वितीय आप्टिकल फाइबर केबल की स्थापना मे देरी । 3. गगन परियोजना के लिए द्वितीय जी ई ओ सैटेलाइट के प्रक्षेपण में देरी ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011-12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
2	निगरानी	वही	-	62.00	26.91	i)9 एम एस एस आर(100%) ii)8 ए एस आर /एम एस एस आर (38%) iii) 16 ए डी एस - बी (50%)	1 सुरक्षित एवं अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण उपलब्ध होगा । 2 सतह संचलन नियंत्रण एवं गाइडेंस विशेषत: खराब दृश्यता की स्थितियों हेतु सीएसआई मुंबई एवं चेन्नई हवाई अड्डे पर अत्याधुनिक ग्राउंड निगरानी क्षमता उपलब्ध करवाना।	i)एम एस एस आर- जनवरी, 2012 ii) ए एस आर /एम एस एस आर - दिसम्बर, 2012 iii)ए डी एस -बी - जनवरी, 2012	हवाई अड्डा निगरानी राडार(एएसआर) मोनोप्लस गौण निगरानी राडार(एम एस एस आर) के साथ को-लोकेटेड : 24 फरवरी, 2012 को खरीद आदेश दिया गया । एमएसएसआर-चेन्नई :आरंभ,बेल्लारी : आरंभ किया जाना प्रतीक्षित है ,विजाग:एसएटी पूर्ण हुआ,भोपाल एवं पोरबंदर आंरभ किया जाना प्रतीक्षित है ,कोलकाता में प्रतिष्ठापन कार्य प्रगति पर है: झारसुगुडा: प्रतिष्ठापन कार्य पूर्ण ,कटिहार: भौतिक प्रतिष्ठापन पूर्ण, उदयपुर:सिविल कार्य प्रगति पर है।
3.	ऑटोमेशन प्रणाली	वही	-	145.00	49.01	i)टॉवर, ए टी एस ऑटोमेशन- 38 (100%) ii)चेन्नई आटोमेशन ऑटोमेशन (100%)	सुरक्षित एवं अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण उपलब्ध होगा ।	i)ए टी एस - जनवरी, 2012 ii)चेन्नई ऑटोमेशन - दिसम्बर, 2011	चेन्नई आटोमेशन प्रणाली: प्रणाली आरंभ की गई। टावर एटीएस आटोमेशन प्रणाली38: टाइप बी आई स्टेशन - जयपुर,लखनऊ,कोयम्बटूर , कालीकट तथा राजकोट पर प्रतिष्ठापन पूर्ण । टाइप ए एवं बी-2- 27 स्टेशनों पर प्रतिष्ठापन कार्य प्रगति पर है। टाइप सी (6) प्रणाली- सभी स्टेशनों पर प्रतिष्ठापन कार्य पूर्ण।
4	अनुषंगी उपकरण्	वही		20.00	20.66	एफआईडीएस उत्तम यात्री सुविधाएं उपलब्ध करवाता है।	। एफआईडीएस उत्तम यात्री सुविधाएं उपलब्ध करवाता है।	जनवरी, 2012	कार्य पूर्ण।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2011-12)									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2011-12		31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.3.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	भूमि सुरक्षा सेवाएं								
1.	अग्निशमन तथा सुरक्षा उपकरण	हवाई अड्डों पर विमानों के सुरक्षित प्रचालन	-	20.50	5.72	100%	विमानों के सुरक्षित एवं दक्ष प्रचालन के लिए भूमि पर आवश्यक सहायक उपस्कर उपलब्ध होगा।	मार्च, 2012	51 एबुलेंस का प्रापण किया गया एवं विभिन्न स्टेशनों पर इसे तैनात किया गया परंतु कार्डियल औपचारिकताएं पूरी न होने के कारण योजना के आंशिक भाग को अगले वित्तीय वर्ष हेतु अग्रनित किया गया ।
2.	हवाई अड्डा अनुरक्षण उपकरण	वही	-	7.00	2.76	100%	विमानों के सुरक्षित एवं दक्ष प्रचालन के लिए भूमि पर आवश्यक सहायक उपस्कर उपलब्ध होगा।	मार्च, 2012	हवाई अड्डा सतह घर्षण टेस्टर (ए एस एफ टी) का प्रापण किया गया एवं दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई एवं गुवाहाटी पर तैनात किया गया । नीति में परिवर्तन के कारण इस योजना की प्रगति धीरे है अर्थात नए उपकरण की खरीद के स्थान पर सर्विस माडल लेना है।
3.	यात्री सुविधाएं	विभिन्न हवाई अड्डों पर हवाई अड्डा अवसंरचना का फैसिलिटेशन एवं उन्नयन	-	15.00	15.32	100%	यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होगी।	जुलाई 2011	कार्य पूर्ण ।
	इलैक्ट्रानिक		-						
1.	विभिन्न हवाई अड्डों पर इलैक्ट्रानिक सुरक्षा उपकरण् सहित एक्स बिस	सुरक्षा उपकरण	1.00	46.00	5.73	i) सीसीटीवी-12 (100%) ii) कुल कन्टेनमेंट वेजल-13 (100%) ii) एक्स बीआईएस (100%)	हवाई यात्रियों, विमानों तथा हवाई अड्डा टर्मिनलों हेतु अधिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए । यात्रियों हेतु चेक-इन-काउंटर के समय में कमी के लिए	जून 2012	12 सीसीटीवी एवं 57 एक्स बीआईएस का प्रापण किया गया । कन्टेनमेंट वेजल का प्रापण स्थागित है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012.13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	कोलकाता								
1	ने.सु.च.बोस हवाई अड्डा कोलकाता पर एकीकृत टर्मिनल भवन व संबद्ध कार्यों का विकास	हवाई अड्डा अवसंरचना का विकास			245.32	100%	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप यात्री सुविधाएं उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	अक्टूबर, 2012	31.8.2012 को टर्मिनल भवन चरण-1 (जोन -। के अतिरिक्त) पूरा किया गया। प्रचालन कारणों से चरणों में स्थान को सौंपने के कारण देरी तथा राज्य सरकार द्वारा वी आई पी सडक व फ्लाईओवर के अनुमोदन में देरी। चरण-।। का 91% कार्य पूरा कर दिया गया है।
	चेन्नई								
1	कामराज अंतर्देशीय टर्मिनल चरण-।। का विकास, मौजूदा अन्ना अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का विस्तार तथा चेन्नई हवाई अड्डे पर वर्तमान टर्मिनलों को उन्नत करने हेतु ।	-वही-	-	101.20	69.97	100%	अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप यात्री सुविधाएं उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	अप्रैल, 2012	टर्मिनल भवन 30.4.2012 को पूरा किया गया। प्रचालन कारणों से चरणों में स्थान को सौंपने के कारण देरी। दो वर्षों से अधिक की देरी के पश्चात् रक्षा प्राधिकरण द्वारा भूमि सुपुर्द की गई। परीक्षण कार्य प्रक्रियाधीन है।

2.	एकीकृत कार्गो टर्मिनल (चरण-III)	-वही-	-	15.74	23.16	100%	यह व्यवस्थित हैंडलिंग, अतिरिक्त भण्डारण सुविधा, कार्गो के लिए शीत संग्रहण सुविधा को बढाएगी	सितम्बर, 2012	31.8.2012 को सिविल व इलैक्ट्रीकल कार्य पूरे किए गए। प्रचालन कारणों से चरणों में जगह को सौंपने के कारण देरी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिए बल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	उत्तरी क्षेत्र								
	खजुराहो								
1	नए टर्मिनल भवन कॉम्प्लैक्स का निर्माण	-वही -	-	25.00	5.27	100%	इसमें एक समय में 100 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों (50 आगमन व 50 प्रस्थान) तथा 500 अंतर्देशीय यात्रियों (250 आगमन व 250 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता वाले अतिरिक्त टर्मिनल को शामिल किया जाएगा ।	दिसम्बर, 2012	54% कार्य पूरा किया। ठेका एजेंसी द्वारा गैर-निष्पादन के कारण कार्य पुन: सुपुर्द किया गया। शेष कार्य जोखिम व लागत पर लिया गया। कार्य की प्रगति धीमी है। इस कार्य के पूरा होने तक नई ठेका एजेंसी को भा.वि.प्रा. में आगामी कार्यों के लिए निविदा जारी करने से रोका गया है।
	लेह								
1	250 यात्रियों के लिए नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	0.10	-	-	10%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करने तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि हेतु।	जुलाई, 2014	परियोजना योजना स्तर पर है ।

	जयपुर								
1.	धावनपथ का विस्तार तथा मौजूदा धावनपथ व उससे संबद्ध कार्यों का सुदृढ़ीकरण	-वही -		10.00	-	30%	विशाल आकार वाले विमान के प्रचालन को सुविधाजनक बनाने हेतु ।	मार्च, 2014	कार्य सौंपा गया । संग्रहण कार्य प्रगति पर है ।

31--349 मिनि. ऑफ सिविल एविएशन/2012

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	जैसलमेर								
1	एप्रन सहित नए सिविल एन्कलेव का विकास	-वही -	-	0.50	9.67	100%	अंतिम आउटकम - एक समय में 250 यात्रियों (125 आगमन व 125 प्रस्थान) को संभालने के लिए टर्मिनल भवन तथा दो एबी-320/बी-737 प्रकार के विमान की पार्किंग के लिए एप्रन ।	अप्रैल; 2012	कार्य पूरा हो गया है। गर्मी के मौसम में मुख्य रूप से मजूदरों की अनुपलब्धता के कारण धीमी प्रगति। भारत सरकार की मनरेगा योजना से जुड़े होने के कारण मजदूरों की अनुपलब्धता।
	अजमेर								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	-वही -	0.05	-	-	2%	अजमेर तक एयर कनैक्टीविटी को सुविधाजनक बनाना, एक समय में नया टर्मिनल भवन 150 यात्रियों (75 आगमन व 75 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा।	दिसम्बर, 2014	परियोजना योजना स्तर पर है । अभी राज्य सरकार द्वारा भूमि सुपुर्द की जानी है ।

	जम्मू								
1	टर्मिनल भवन का विस्तार व रूपांतरण	-वही -	0.10	1.70	0.13	25%	नया टर्मिनल भवन एक समय में 720 यात्रियों (360 आगमन व 360 प्रस्थान) को संभालेगा ।	मार्च, 2014	निविदा कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।
2	एप्रन, टैक्सीट्रैक व संबद्ध कार्यों सहित एनटीबी काम्प्लैक्स का निर्माण	-वही -	0.40	-	-	1%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	मार्च, 2015	परियोजना योजना स्तर पर है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	मोहाली								
1	नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कामप्लैक्स चरण-I का निर्माण	-वही -	-	30.00	37.97	15%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	दिसम्बर,2014	टर्मिनल भवन का कार्य जुलाई, 2012 में सौंपा गया। 19% कार्य पूरा हो गया है ।
	दिल्ली								
1	भारतीय नागर विमानन अकादमी का निर्माण	विमानन उद्योग के लिए प्रशिक्षण सुविधा	-	2.00	0.08	5%	विमानन उद्योग के लिए प्रशिक्षण सुविधा	जनवरी, 2014	निविदा 21.1.2013 को खोली गई ।
	श्रीनगर								
1	कार्गो टर्मिनल का निर्माण	हवाई अड्डा अवसंरचना का विकास	0.10	-	-	5%	कार्गो को व्यवस्थित रूप से संभालने हेतु सुविधाजनक बनाना तथा भण्डारण सुविधा का निर्माण ।	दिसम्बर,2014	परियोजना योजना स्तर पर है। व्यवहार्यता रिपोर्ट तथा डीपीआर तैयार की गई है ।
	पूर्वी क्षेत्र								
	भुवनेश्वर								
1	नए टर्मिनल भवन का	-वही -	-	22.00	24.71	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत	अक्टूबर, 2012	कार्य प्रगति पर है ।

	निर्माण						करने तथा एक समय में 800 यात्रियों (400 आगमन व 400 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता को बढ़ाना ।		96% कार्य पूरा हो गया है। मानसून के लंबे समय तक बने रहने तथा कुशल श्रमिकों की कमी के कारण देरी ।
	देवघर								
1	हवाई अड्डे का विकास	-वही -	0.01	-		2%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना तथा विशालकाय विमान को खड़ा करना ।	दिसम्बर,2014	ई एफ सी मेमो और डीपीआर तैयार किए गए। आगामी कार्रवाई की जा रही है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्र.सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिए बल डिलिवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	झारसुगुडा								
1	मॉडयूलर डिजाइन का टर्मिनल भवन, एप्रन, कार पार्क, नियंत्रण टॉवर, टैक्सी ट्रैक आदि वाले का निर्माण	-वही -	0.05	-	-	3%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा एक समय में 150 यात्रियों (75 आगमन व 75 प्रस्थान) को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना।	अक्टूबर, 2015	परियोजना योजना स्तर पर है। ई एफ सी मेमो और डीपीआर तैयार किए गए। आगामी कार्रवाई की जा रही है।
	रायपुर								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	-	7.00	19.07	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	सितम्बर, 2012	कार्य पूरा कर लिया गया है।
	रांची								
1	टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	-	7.00	18.27	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	सितम्बर, 2012	कार्य पूरा कर लिया गया है।
	पोर्टब्लेयर								
1	नए एप्रन सहित नए टर्मिनल भवन का निर्माण	-वही -	0.09	-		2%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्रियों को संभालने की क्षमता में वृद्धि करना ।	दिसम्बर,2014	परियोजना योजना स्तर पर है। भारतीय नौ सेना व यू.टी. प्रशासन के साथ भूमि संबंधी मामले का समाधान नहीं हुआ है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012.13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स/वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
2	हैंगर, संलग्न भवन, एप्रन तथा टैक्सी वे का निर्माण	वही	0.50	-	0.65	2%	विमान के लिए पार्किंग सुविधा व सुव्यवस्थित रूप से संचलन की सुविधा उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2014	कार्य जारी है । 97% कार्य पूरा हो चुका है ।
	दक्षिणी क्षेत्र								
	कोयम्बटूर								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	-	5.00	0.05	2%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैडलिंग क्षमता को बढ़ाना।	दिसम्बर, 2014	परियोजना योजना के स्तर पर है । राज्य सरकार के साथ भूमि संबंधी मामला लंबित है ।
	पुडुचेरी								
1	कार पार्क सहित नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	5.00	-	6.55	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना (एक साथ 75 आगमन तथा 75 प्रस्थान)	अक्टूबर, 2012	कार्य पूर्ण
	कुडप्पा								
1	पूर्व संरचित टर्मिनल भवन का निर्माण एवं संबद्ध कार्य	वही	-	4.57	2.55	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना।	अक्टूबर, 2012	कार्य जारी है । 87% कार्य पूरा हो चुका है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रुपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012.13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	हुबली								
1	हवाई अड्डे का विकास	वही	-	0.10	-	5%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना एवं चौड़े आकार के विमान के प्रचालन की सुविधा उपलब्ध कराना	अप्रैल, 2014	परियोजना योजना के स्तर पर है।
	तिरूपति								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	16.94	-	1.41	100%	नया टर्मिनल भवन एक समय पर 200 अंतरराष्ट्रीय (100 आगमन व 100 प्रस्थान) तथा 500 अंतर्देशीय यात्रियों (250 आगमन एवं 250 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा ।	मार्च, 2013	एप्रन का कार्य पूर्ण हो चुका है । टर्मिनल भवन का 12.5% कार्य पूर्ण हुआ है । एजेंसी द्वारा धीमी प्रगति के कारण भवन का कार्य बाधित हुआ ।
2	रनवे का विस्तार व विद्यमान रनवे का सुदृढीकरण	वही	0.06	-	-	5%	चौड़े आकार के जेट विमान के प्रचालन की सुविधा उपलब्ध कराएगा ।	जनवरी, 2015	परियोजना योजना के स्तर पर है क्योंकि राज्य सरकार द्वारा अभी भी भूमि सौंपी जानी शेष है ।
	अगाती								
1	अगाती हवाई अड्डे का उन्नयन(चरण-II)	वही	0.05	-	-	2%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना।	दिसम्बर , 2015	परियोजना योजना के स्तर पर है । पर्यावरणीय क्लीयरेंस की प्रतीक्षा है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012.13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	कालीकट								
1	आई टी बी हेतु नए आगमन हाल का निर्माण तथा विद्यमान आई टी बी में सुधार	वही	-	20.00	0.26	50%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना ।	दिसम्बर, 2013	निविदा संबंधी कार्रवाई प्रक्रियाधीन है ।
	पश्चिमी क्षेत्र								
	बेलगाम								
1	हवाई अड्डे का उन्नयन	वही	-	1.05	-	25%	चौड़े आकार के विमान के प्रचालन को सुगम बनाना तथा एक समय में 300 यात्रियों (150 आगमन व 150 प्रस्थान) तक अंतर्देशीय यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना।	मार्च, 2015	परियोजना योजना के स्तर पर है। भारतीय नौसेना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा रहे है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012.13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	गोवा								
1	नए टर्मिनल का निर्माण, एप्रन का विस्तार, कार पार्क व संबद्ध कार्य	वही	-	60.00	50.97	100%	नया टर्मिनल भवन एक समय में 750 अंतरराष्ट्रीय (375 आगमन व 375 प्रस्थान) तथा 2020 अंतर्देशीय यात्रियों (1010 आगमन एवं 1010 प्रस्थान) को संभालने में सक्षम होगा।	दिसम्बर, 2012	कार्य जारी है । 88% कार्य पूर्ण हो चुका है । जून 2010 से नवम्बर 2010 के दौरान भारी वर्षा, परिवर्तित भूमि स्तर का सामना करने जिसकी वजह से पुन: जांच करनी पड़ी, नीवों की संरचनागत डिजाइन में परिवर्तन, भारतीय नौसेना द्वारा आपत्ति किए जाने की वजह से बहुस्तरीय कार पार्किंग के स्थल में परिवर्तन, कार्य स्थल पर मजदूरों की कमी जैसे कारणों से कार्य में देर हुई ।
	वडोदरा								
1	नए टर्मिनल भवन का निर्माण	वही	-	10.00	3.81	60%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना तथा यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना ।	अगस्त, 2013	कार्य जारी है । 14 % कार्य पूर्ण हो चुका है । स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संबंधी मामलों के उठाए जाने के कारण देर हुई । इस मामले को निपटा लिया गया है ।
	जलगॉव								
2	हवाई अड्डे का विकास	वही	10.00	-	7.85	100%	टर्मिनल भवन में एक समय पर 50 और अंतर्देशीय यात्रियों (25 आगमन व 25 प्रस्थान) को संभालने की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी ।	अप्रैल, 2012	कार्य पूर्ण । मार्च 2012 में हवाई अड्डे का उदघाट्न हो गया है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012.13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स /वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समयसीमा	वास्तविक आउटपुट/31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	गोंदिया								
1	हवाई अड्डे का विकास (चरण -II)	वही	1.00	10.51	11.89	100%	यात्री सुविधाओं को उन्नत करना, यात्री हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाना एवं ए-320 विमान के प्रचालन हेतु रनवे का उन्नयन।	दिसम्बर, 2012	टर्मिनल भवन का कार्य 28.2.2012 को पूर्ण । रनवे कार्य पूर्ण ।
	पूर्वोत्तर क्षेत्र								
	पेक्योंग								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण (रनवे कार्य)	वही	32.00	3.00	13.26	90%	सिक्किम से हवाई सेवा का जुड़ाव उपलब्ध कराने हेतु ए टी आर-72 प्रकार के विमान के प्रचालन में नया हरित क्षेत्र हवाई अड्डा मदद करेगा ।	दिसम्बर, 2013	कार्य जारी है । 68% कार्य पूर्ण । स्थल पर न पहुँच सकने, लम्बी अवधि के मानसून, भूकम्प, गोरखा आंदोलनकारियों द्वारा बार - बार आयोजित बन्द के कारण देर हुई ।
	इटानगर								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	वही	0.40	-	-	1%	अरूणाचल प्रदेश से हवाई सेवा का जुड़ाव उपलब्ध होगा ।	सितम्बर, 2017	परियोजना योजना के स्तर पर है । भूमि अधिग्रहण व दूसरी सेवाओ के संबंध में राज्य सरकार से ब्यौरे की प्रतीक्षा है ।
	तेजू								
1	तेजू हवाई अड्डे का विकास एवं प्रचालन शुरू किया जाना ।	वही	-	7.00	1.16	60%	यात्री हैंडलिंग क्षमता को उन्नत कर 200 यात्री (100 आगमन एवं 100 प्रस्थान) करना तथा ए टी आर 72 प्रकार के विमान के प्रचालन में मदद करना ।	दिसम्बर, 2013	कार्य जारी है । 7.9% कार्य पूर्ण । लगातार भारी वर्षा, रक्षा मंत्रालय तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने में देरी से कार्य में विलम्ब । पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा 31.8.2012 को पर्यावरणीय क्लीयरेंस जारी कर दिया गया ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	चेतू								
1	नए हवाई अड्डे का निर्माण	वही	0.50	-	-	2%	नागालैंड को सम्पर्क उपलब्ध कराना	दिसम्बर, 2015	परियोजना योजना स्तर पर है। ईएफसी मैमो तैयार किया गया है।
	ए सी एस कार्य								
1	गगन-एफ ओ पी कार्यान्वयन	विभिन्न हवाई अड्डो पर हवाई अड्डा अवसंरचना का विकास एवं उन्नयन	65.00	-	30.63	95%	भारतीय वायु क्षेत्र के ऊपर एनरूट, एप्रोच एवं अवतरण प्रचालन के लिए सेटेलाइट आधारित ऑगमंटेशन सेवाएं (एस बी ए एस) उपलब्ध कराना	जून, 2013	1. तीसरे भारतीय दिक्चालन भूमि अपलिंक स्टेशनस (आई एन एल यू एस) के प्रतिष्ठापन का सी एवं ई कार्य पूरा हो गया है। आर एफ उपस्कर का प्रतिष्ठापन आरंभ हुआ है। 2. 9 भारतीय रेफरेंस स्टेशनस (आई एन आर ई एस) से भारतीय मास्टर कंट्रोल केन्द्र (आई एन एम सी सी) बेंगलोर के साथ द्वितीय ऑप्टीकल फाइबर केबल (ओ एफ सी) लिंक स्थापित कर दिया गया है एवं बाकी स्टेशनों पर ये कार्य फरवरी, 2013 तक समाप्त हो जाने की आशा है। आर्मी की स्वीकृति की अनुपलब्धता के कारण जैसलमेर लिंक लम्बित है। 3. आई एन एल यू एस-2 के साथ जी एस ए टी -10 का प्रथम चरण का इंटीग्रेशन समाप्त हो गया है। द्वितीय चरण की गतिविधियां 7 जनवरी, 2013 से आरंभ हो जाएंगी एवं इस कार्य के समाप्त होने की लगभग तिथि मार्च, 2013 है। 4. एच सी एल कॉमनेट लिमिटेड से दूसरे वी एस ए टी लिंक की स्थापना का कार्य जारी है। 5. गगन प्रमाणन दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। दस्तावेजों (30) का एक सेट डी जी सी ए को समीक्षा के लिए भेजा गया है। 20 दस्तावेजों को मित्रे को समीक्षा के लिए भेजा गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
2	निगरानी	वही	-	100.00	31.94	i)9 एम एस एस आर(100%) ii)8 ए एस आर /एम एस एस आर (100%) iii)ए डी एस -बी (100%) iv)आई ए टी एस(100%)	सुरक्षित एवं अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण उपलब्ध होगा ।	i)एम एस एस आर- मई, 2012 ii) ए एस आर /एम एस एस आर - दिसम्बर, 2013 iii)ए डी एस -बी - जुलाई, 2012 iv)आई ए टी एस- मार्च, 2013	i)एम एस एस आर (9): **चेन्नई** : एसएटी फरवरी, 2011 में पूरा हो गया है । अक्तूबर, 2011 में आरम्भ किया गया है । **बेल्लारी:** एस ए टी पूरा हो गया है एवं चेन्नई ऑटोमेशन प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया गया है। **भोपाल** : एस ए टी पूरा हो गया है एवं अहमदाबाद तथा नागपुर ऑटोमेशन प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया गया है। **पोरबंदर** : एस ए टी पूरा हो गया है एवं अहमदाबाद ऑटोमेशन प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया गया है। **विशाखापट्टनम:** एस ए टी पूरा हो गया है एवं चेन्नई ऑटोमेशन प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया गया है। **झारसुगुडा:** एस ए टी पूरा हो गया है एवं वाराणसी तथा नागपुर ऑटोमेशन प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया गया है। **उदयपुर:** एस ए टी पूरा हो गया है एवं अहमदाबाद तथा आई जी आई हवाई अड्डा ऑटोमेशन प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया गया है। **कोलकाता:** एस ए टी पूरा हो गया है। **कटिहार:** एंटीना का रि-इनफोर्समेंट कार्य पूरा हो गया है। ii) ए एस आर /एम एस एस आर (8): चेन्नई समुद्री पोर्ट पर 3 ए एस आर/ एम एस एस आर उपस्कर एवं अनुषंगी वस्तुओं का पहले लॉट का कस्टम क्लीयरेंस हो गया है। सभी 8 एम एस एस आर के लिए फ्रीक्वेंसी एसाइनमेंट के लिए डब्ल्यू पी सी लाइसेंस पूरे हो गए हैं एवं 8 ए एस आर के लिए जारी किए जाने हैं। iii)**ए डी एस बी** : सभी हवाई अड्डों के लिए एस ए टी पूरा हो गया है। iv) **आई ए टी एस** : कोलकाता, चेन्नई एवं मुंबई पर सिविल एवं विद्युत कार्य जारी है। एल/सी खोले गए । 26 नवम्बर, 2012 से 30 नवम्बर, 2012 की अवधि के दौरान एफ ए टी पूरा किया गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)									
									(करोड रूपए में)
क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
3.	ऑटोमेशन प्रणाली	वही	-	50.00	18.99	i)टॉवर, ए टी एस ऑटोमेशन-38 (100%) ii)मोबाइल टॉवर मुंबई (50%) iii)ए टी सी डाटा डिस्पले (100%) iv)कोलकाता ए टी एस ऑटोमेशन (50%)	सुरक्षित एवं अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण उपलब्ध होगा ।	i)ए टी एस - जुलाई, 2012 ii)मोबाइल टॉवर - मार्च, 2013 iii) ए टी सी डाटा डिस्पले - दिसम्बर , 2012 iv) कोलकाता ए टी एस ऑटोमेशन - दिसम्बर, 2013	1. **टॉवर, ए टी एस ऑटोमेशन प्रणाली (38)** : सभी हवाई अड्डों पर एस ए टी पूरा हो चुका है। 2. **मोबाइल टॉवर मुंबई (50%)** : ए टी सी ऑटोमेशन - ए टी सी ऑटोमेशन वर्कस्टेशन के विस्तार के लिए ओ ई एम को संविदा अवार्ड की गई । हार्डवेयर सुपुर्द किया गया। ए - एस एम जी सी एस प्रणाली का विस्तार - इसे सी एन एस मुंबई टीम द्वारा किया जाएगा । डिजिटल वॉएस रिकार्डर - मैसर्स रेटिया चेक रिपब्लिक को संविदा अवार्ड की गई । डी ए टी आई एस - प्रचालन के समानान्तर मोड के लिए नए ए टी सी टॉवर पर विद्यमान डी ए टी आई एस प्रशिक्षण पोजिशन से अतिरिक्त पोजिशन उपलब्ध कराया जाएगा । सिमुलेटेड स्ट्रिंग का पहले से ही परीक्षण किया गया। 3. **कोलकाता ए टी एस ऑटोमेशन** : एल /सी खोला गया। दिसम्बर, 2012 में एफ ए टी किया गया। वी सी सी एस टैंडर कैंसल किए गए , फिर से जारी किए जाने हैं ।
4	**विमान सुरक्षा प्रणाली**	वही	0.03	-	-	2%	सुरक्षित एवं अधिक दक्ष विमान यातायात नियंत्रण उपलब्ध होगा !	दिसम्बर, 2015	परियोजना योजना स्तर पर है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.12.2012 तक आउटकम
			योजना बजट	पूरक अतिरिक्त बजटीय संसाधन					
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	भूमि सुरक्षा सेवाएं								
1.	अग्निशमन तथा सुरक्षा उपकरण	हवाई अड्डों पर विमानों के सुरक्षित प्रचालन	-	25.26	0.45	25%	भूमि पर विमानों के सुरक्षित एवं दक्ष प्रचालन के लिए आवश्यक सहायक उपस्कर उपलब्ध होगा।	मार्च, 2014	कार्डियल औपचारिकताएं पूरी न होने के कारण विलम्ब ।
2.	हवाई अड्डा सुरक्षा उपकरण	वही	2.00	3.00	0.17	30%	हवाई अड्डा यात्री टर्मिनलों के लिए बढी हुई सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	मार्च, 2014	कार्डियल औपचारिकताएं पूरी न होने के कारण विलम्ब ।
3.	यात्री सुविधाएं	विभिन्न हवाई अड्डों पर हवाई अड्डा अवसंरचना का कैंसिलिटेशन एवं उन्नयन	-	10.00	14.57	i)26 एफ आई डी एस (30%) ii)पी बी टी - 12000 (100%)	यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होगी।	i) एफ आई डी एस - मार्च, 2014 ii)पी बी टी - मार्च, 2013	पी बी टी की आपूर्ति पूर्ण हुई । 14 एफ आई डी एस की आपूर्ति पूर्ण हुई ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (2012-13)

(करोड रूपए में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/ आउटकम	परिव्यय 2012-13		31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल/ वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	वास्तविक आउटपुट/ 31.12.2012 तक आउटकम
1	2	3	4(i)	4(ii)	5	6	7	8	9
	इलैक्ट्रानिक , निगरानी तथा बम डिस्पोजल उपकरण								
1.	टर्मिनल निगरानी	विभिन्न हवाई अड्डों पर सुरक्षा अवसंरचना का अपग्रेडेशन	72.00	-	7.41	i)84 सी सी टी वी (50%) ii)90 एक्स-बीआईएस (100%)	विमान यात्रियों, वायुयानों एवं हवाई अड्डा टर्मिनलों पर बढी हुई सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	i)सी सी टी वी - मार्च, 2014 ii)एक्स-बीआईएस-मार्च, 2013	चंडीगढ, पटना, त्रिची, तिरूपति, मंगलूर, विशाखापट्टनम, इन्दौर, लखनऊ, कोयम्बतूर, देहरादून, कानपुर, ग्वालियर, पोर्टब्लेयर, भावनगर, पोरबंदर, राजकोट, लुधियाना, जयपुर, जामनगर, भुंतर, राजमुंद्री, जोधपुर, उदयपुर, बारापानी तथा अहमदाबाद (अन्तरराष्ट्रीय) पर सी सी टी वी चालू किया गया । बाकी हवाई अड्डों पर कार्य प्रगति पर है।
2.	पैरीमीटर निगरानी	वही	6.00	-	-	18 पी आई डी एस (5%)	विमान यात्रियों, वायुयानों एवं हवाई अड्डा टर्मिनलों पर बढी हुई सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2014	बी सी ए एस से अनुमोदित विनिर्दिष्टताएं प्रतीक्षित हैं ।
3	बी डी डी एस उपकरण (चरण-I)	वही	40.00	-	-	18 हवाई अड्डे (100%)	विमान यात्रियों, वायुयानों एवं हवाई अड्डा टर्मिनलों पर बढी हुई सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	मार्च, 2013	18 आर टी वी, 18 एन एल आई डी एवं 860 एच एच एम डी सुपुर्द किए गए ।
4	सीआईएसएफ सुरक्षा अवसंरचना	वही	20.00	-	5.10	10%	विमान यात्रियों, वायुयानों एवं हवाई अड्डा टर्मिनलों पर बढी हुई सुरक्षा उपलब्ध कराना ।	दिसम्बर, 2014	कार्य प्रगति पर ।

35--349 मिनि. ऑफ सिविल एविएशन/2012

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (2011-12) **(रू. करोड़ में)**

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2011-12	31.3.2012 को परिव्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/जोखिम कारक 31.3.12
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	प्रशिक्षण साधन तथा उपकरण	प्रशिक्षण सुविधाओं का उन्नयन	0.75	0.75	प्रशिक्षण साधन तथा उपकरण	अधिक दक्ष प्रशिक्षित पायलट	दिसंबर, 2011	आर्डर दिया जा चुका है सामग्री की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है।
2	स्वीमिंग पूल का निर्माण	प्रशिक्षकों को स्वस्थ रखना	1.50	1.78	एक स्वीमिंग पूल का निर्माण	प्रशिक्षुओं का मानसिक और शारीरिक फिटनेस	मार्च, 2012	कार्य एएआई को दिया गया है तथा यह प्रगति पर है।
3	ऑडिटोरियम का निर्माण	छात्रों और वहां रहने वाले निवासियों की सांस्कृतिक गतिविधि के लिए सुविधा ।	1.50	1.20	मौजूदा सियुलेटर हॉल को कॉडिटारियम में सप्रांतरित किया जाएगा।	अच्छी कार्यकुशलता स्तर	मार्च, 2012	- कार्य एएआई को दिया गया है तथा यह प्रगति पर है।
4	फर्नीचर और फिक्सचर	पुराने फर्नीचर का स्थानातरना	0.25	0.24	मौजूदा सुविधाओं का स्तरो न्नयन	सुविधाओं का उन्नयन	दिसंबर, 2011	आर्डर दिया जा चुका है सामग्री की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है।

5	प्लांट और मशीनरी टूल्स और उपकरण	मौजूदा ग्रांउड उपकरण और सुविधाओं को बढ़ावा देना।	0.25	0.25	मौजूदा सुविधाओं का स्तरो न्नयन	बाहरी एजेंसी पर कम निर्भरता/ कार्यकुशलता में वृद्धि	दिंसबर, 2011	आर्डर दिया जा चुका है सामग्री की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है।
6	सूचना तकनीकी	प्रशिक्षण सुविधाओं का स्तरोन्नयन	0.25	0.25	मौजूदा अवसंरचनां में विस्तार	कार्यकुशलता स्तर में सुधार	दिंसबर, 2011	आर्डर दिया जा चुका है सामग्री की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है।
7.	गाड़ियों का अधिग्रहण	पुराने और अप्रयोन्य गाड़ियों का स्थानान्तरण	0.50	0.00	प्रचालनिक जरूरतों के लिए एक बस, एक मिनि-ट्रक और तीन छोटी गाड़ियों	हवाईअड्डा/ प्रचाननिक क्षेत्र में सुरक्षा में वृद्धि ।	दिसंबर, 2011	-

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (2012-13)

(रू. करोड़ में)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	योजनागत बजट 2012-13	31.12.12 को परिव्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/ समय सीमा	टिप्पणियां/जोखिम कारक 31.12.12
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	हवाईपट्टी का 9000 फीट तक विस्तार तथा सहायक कार्य	अनुरक्षण, मरम्मत तथा ओवरहॉल सुविधाएं	1.00	-	अनुरक्षण, मरम्मत तथा ओवरहॉल सुविधाएं	एमआरओ सुविधाओं के लिए एयरलाइन की आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	मार्च, 2015	एएआई को कार्य सौंपा गया कार्य प्रगति पर है
2	भवनों का निर्माण	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर्स स्कूल	3.50	-	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर्स स्कूल	विमानन उद्योग के लिए तकनीकी रूप से योग्य कर्मी	मार्च, 2014	परियोजना का अनुमोदन होना बाकी है
3	उपस्कर तथा फिक्सचर	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर्स स्कूल	1.50	-	वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर्स स्कूल	अपग्रेड सुविधाएं	मार्च, 2014	-

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (2011-12)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	गैर योजनागत बजट 2011-12	योजनागत बजट 2011-12	31.3.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	31.3.12 तक वास्तविक आउटपुट / परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	स्थापना (नॉन-प्लान)	भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण के सुचारू कार्यों को सुनिश्चित करना।	6.00	-	6.00	व्यय स्थापना। क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्सकी गणना नहीं की जा सकती।	-	2011-12	-

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (2012-13)

क्रम सं0	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/आउटपुट	गैर योजनागत बजट 2012-13	योजनागत बजट 2012-13	31.12.12 तक व्यय	क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स वास्तविक आउटपुट	प्रोजेक्टेड आउटकम	प्रक्रियाएं/समय सीमा	31.12.12 तक वास्तविक आउटपुट / परिणाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	स्थापना (नॉन-प्लान)	भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण के सुचारू कार्यों को सुनिश्चित करना।	4.50	-	3.75	व्यय स्थापना। क्वांटिफिएबल डिलिवरेबल्सकी गणना नहीं की जा सकती।	-	2012-13	